हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● गुरुवार ● 16.01.2025 ● वर्ष : 15 ● अंक : 175 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

अरविंद केजरीवाल, प्रवेश वर्मा और रमेश बिधूड़ी समेत कई नेताओं ने भरा चुनावी पर्चा

एजेंसी

नयी दिल्ली : दिल्ली विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच नामांकन की प्रक्रिया जारी है। इसी कड़ी में बुधवार को आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल और भारतीय जनता पार्टी के नेता प्रवेश वर्मा समेत कई नेताओं ने बुधवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया।

बीजेपी के उम्मीदवार प्रवेश वर्मा ने नयी दिल्ली विधानसभा सीट, रमेश बिधूड़ी ने कालकाजी विधानसभा सीट और सतीश उपाध्याय ने मालवीय नगर से अपना नामांकन दाखिल किया। वहीं आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी नयी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से बुधवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है।

बीजेपी के उम्मीदवार प्रवेश वर्मा, रमेश बिधूड़ी और सतीश उपाध्याय ने दाखिल किया नामांकन

दिल्ली विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच नामांकन की प्रक्रिया जारी है। इसी कड़ी में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के नेता प्रवेश वर्मा, रमेश बिधूड़ी और सतीश उपाध्याय ने नामांकन दाखिल किया।

नामांकन दाखिल करने से पहले प्रवेश वर्मा ने आज मंदिर मार्ग पर वाल्मीकि मंदिर में पूजा कर महर्षि वाल्मीकि जी का आशीर्वाद लिया और एनडीएमसी के सफाईकर्मियों को अपने हाथों से जूते पहनाकर आशीर्वाद लिया।

इसके साथ ही भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी ने भी नामांकन दाखिल कर दिया। उन्होंने कालकाजी विधानसभा सीट से नामांकन दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने से पहले उन्होंने पार्टी कार्यालय में पूजा अर्चना की।

नामांकन दाखिल करने के बाद उन्होंने कहा कि मैंने कालकाजी विधानसभा सीट से नामांकन भर दिया है। अब यहां की जनता को नई उम्मीद मिली है। उन्हें पूरा भरोसा है कि आम आदमी पार्टी के शासनकाल में जिस तरह नर्क

का जीवन वे जी रहे थे, उन्हें अब इससे छुटकारा मिलेगा। अब यहां की जनता को पानी और कूड़े के ढेर से छुटकारा मिलेगा। अब यहां विकास होगा। जैसा हमने संगम विहार और तुगलकाबाद में करके दिखाया है। अब उसी तरह का विकास आने वाले दिनों में कालकाजी में भी देखने को मिलेगा। कालकाजी के लोगों को अब 'आप'दा से छुटकारा मिलेगा।

इसके साथ ही उन्होंने अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल षड्यंत्रकारी हैं। वे भ्रामक प्रचार करते हैं। ये वही केजरीवाल हैं, जो कहते थे कि मैं गाड़ी नहीं लूंगा। मैं बच्चों की कसम खाता हूं कि मैं किसी भी कीमत पर कांग्रेस के साथ नहीं जाऊंगा। यही राहुल गांधी, जो आज से कुछ महीने पहले अरविंद केजरीवाल के साथ थे, अब दिल्ली में इन्हें गाली दे रहे हैं, तो अरविंद केजरीवाल जी कह रहे हैं कि राहुल मेरे बारे में उल्टा सीधा बोल रहे हैं। वहीं, सतीश उपाध्याय ने भी मालवीय नगर विधानसभा सीट से नामांकन दाखिल कर दिया। नामांकन दाखिल करने से पहले उन्होंने अपने माता-पिता का आशीर्वाद लिया और गणपति की भी पूजा अर्चना की। उधर, नामांकन दाखिल करने से पहले उन्होंने जनसभा का भी आयोजन किया था, जिसमें भाजपा नेता बांसुरी स्वराज और बॉक्सर विजेंदर सिंह शामिल हुए। दोनों नेताओं ने जनसभा से सतीश उपाध्याय के पक्ष में मतदान की अपील की। बांसुरी ने कहा था कि यह बदलाव का समय है।

आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नामांकन भरा

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने विधानसभा चुनावों के लिए नयी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से बुधवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया और उन्होंने लोगों से काम के आधार पर मतदान करने की अपील की। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे काम के आधार पर मतदान करें ना कि 'गाली-गलौज' के आधार पर।

केजरीवाल ने अपना नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले अपनी पत्नी सुनीता के साथ सुबह हनुमान मंदिर और वाल्मीकि मंदिर में पूजा-अर्चना की और फिर उन्होंने आप कार्यालय से नयी दिल्ली जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय तक पदयात्रा निकाली। आप के सैकड़ों कार्यकर्ता हाथ में पार्टी का झंडा लिए पूर्व मुख्यमंत्री के साथ यात्रा में शामिल हुए। नयी दिल्ली जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में अपना नामांकन दाखिल करने के बाद केजरीवाल ने विश्वास जताया कि दिल्ली में आप एक बार फिर सत्ता में आएगी।

भारतीय नौसेना को मिली ताकत, प्रधानमंत्री ने तीन लड़ाकू जहाजों को राष्ट्र को किया समर्पित

आज का भारत दुनिया में एक प्रमुख समुद्री शक्ति के रूप में उभर रहा है : नरेन्द्र मोदी

एजेंसी

मुंबई : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को मुंबई के नैसेना डाकयार्ड में दो युद्धपोतों और एक पनडुब्बी के जलावतरण के बाद कहा कि आज का भारत दुनिया में एक प्रमुख समुद्री शक्ति के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत विस्तारवाद नहीं बल्कि विकासवाद की भावना से काम करता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज का कार्यक्रम हमारी शानदार विरासत को हमारी भविष्य की आकांक्षाओं से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि भारत का लंबी समुद्री यात्राओं, वाणिज्य, नौसेना रक्षा और जहाज उद्योग से जुड़ा एक समृद्ध इतिहास रहा है। इस समृद्ध इतिहास से प्रेरणा लेते हुए उन्होंने कहा कि आज का भारत दुनिया में एक प्रमुख समुद्री शक्ति के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि आज लॉन्च किए गए प्लेटफॉर्म उसी की एक झलक दिखाते हैं।

प्रधानमंत्री ने चोल वंश के समुद्री कौशल को समर्पित आईएनएस नीलगिरि और सूरत युद्धपोत सहित नए प्लेटफार्मों के लॉन्च का उल्लेख करते हुए कहा कि यह उस युग की याद दिलाता है, जब गुजरात के बंदरगाह भारत को पश्चिम एशिया से जोड़ते थे। उन्होंने कुछ साल पहले पहली पनडुब्बी कलवरी के कमीशन के बाद पी75 वर्ग की छठी वाग्शीर पनडुब्बी के कमीशन का भी उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये नए फ्रंटियर प्लेटफॉर्म भारत की सुरक्षा और प्रगति दोनों को बढ़ाएंगे।

उन्होंने कहा कि आज भारत पूरे विश्व और खासकर ग्लोबल साउथ में एक भरोसेमंद और जिम्मेदार साथी के रूप में पहचाना जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा खुला, सुरक्षित, समावेशी और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र का समर्थन किया है। 21वीं सदी में भारत की सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने और आधुनिक बनाने के महत्व पर जोर देते हुए मोदी ने कहा, "चाहे वह जमीन हो, पानी हो, हवा हो, गहरा समुद्र हो या अनंत अंतरिक्ष हो, भारत हर जगह अपने हितों की रक्षा कर रहा है।"

उन्होंने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की स्थापना सहित किए जा रहे निरंतर सुधारों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत सशस्त्र बलों को और अधिक कुशल बनाने के लिए थिएटर कमांड के कार्यान्वयन की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

वैश्विक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और भू-राजनीतिक गतिशीलता को आकार देने में भारत जैसे समुद्री राष्ट्रों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने क्षेत्रीय जल की सुरक्षा, नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने और आर्थिक प्रगति और ऊर्जा सुरक्षा के लिए व्यापार आपूर्ति लाइनों और समुद्री मार्गों को सुरक्षित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस क्षेत्र को आतंकवाद, हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी से बचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। मोदी ने समुद्र को सुरक्षित और समृद्ध बनाने, रसद दक्षता बढ़ाने और शिपिंग उद्योग का समर्थन करने में वैश्विक भागीदार बनने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने दुर्लभ खनिजों और मछली स्टॉक जैसे समुद्री संसाधनों के दुरुपयोग को रोकने और उन्हें प्रबंधित करने की क्षमता विकसित करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। नए शिपिंग मार्गों और संचार के समुद्री मार्गों में निवेश के महत्व को ध्यान में रखते हुए और इस बात पर संतोष व्यक्त करते हुए कि भारत इस दिशा में लगातार कदम उठा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत हिंद महासागर क्षेत्र में पहले प्रतिक्रियादाता के रूप में उभरा है।

प्रधानमंत्री ने आसियान, ऑस्ट्रेलिया, खाड़ी देशों और अफ्रीकी देशों के साथ भारत के आर्थिक सहयोग को मजबूत करने पर प्रकाश डाला और कहा कि इसका श्रेय हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की मौजूदगी और क्षमताओं को जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में नौसेना में 33 जहाजों और सात पनडुब्बियां शामिल की गई हैं, जिसमें 40 में से 39 नौसैनिक जहाजों का निर्माण भारतीय शिपयार्ड में किया गया। इसमें शानदार आईएनएस विक्रांत विमानवाहक पोत और आईएनएस अरिहंत तथा आईएनएस अरिघाट जैसी परमाणु पनडुब्बियां शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने मेक इन इंडिया अभियान को आगे बढ़ाने के लिए सशस्त्र बलों को बधाई दी। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत का रक्षा उत्पादन 1.25 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है और देश 100 से अधिक देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है।

इस अवसर पर महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, अजीत पवार तथा अन्य गण्यमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

आईओआर में अटलांटिक महासागर से ज्यादा महत्वपूर्ण हुआ हिंद महासागर

नयी दिल्ली : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को मुंबई के नेवल डाक यार्ड में दो युद्धपोतों और एक पनडुब्बी को भारत के समुद्री बेड़े में शामिल होने को हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में भारत की ताकत का भी प्रमाण बताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरि और पनडुब्बी आईएनएस बाग्शीर को नौसेना में शामिल करने की औपचारिकता पूरी की। रक्षा मंत्री ने युद्धपोत सूरत और नीलगिरी एवं पनडुब्बी बाग्शीर की एक साथ हो रही ऐतिहासिक कमीशनिंग को सिर्फ भारतीय नौसेना की नहीं बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में भू-रणनीतिक और आर्थिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र हमेशा से भारत के लिए महत्वपूर्ण रहा है लेकिन आज के तेजी से बदलते परिवेश में यह और भी महत्वपूर्ण हो गया है।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025 से लौटे प्रतिभागियों को मंत्री ने किया सम्मानित

झारखंड में प्रदेश स्तर पर युवा महोत्सव कराएगी सरकार : सुदिव्य कुमार सोनू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद और युवा कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने नई दिल्ली में 10 से 12 जनवरी तक आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में हिस्सा लेकर लौटे प्रतिभागियों को बुधवार को सम्मानित किया। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार झारखंड में भी राज्य स्तर पर युवा महोत्सव कराएगी, जहां पूरे राज्य से प्रतिभागी भाग लेंगे। युवाओं के विचार और उनकी प्रतिभा राज्य के विकास में सहायक होगी।

मंत्री न राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लेकर लौटे प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि आपने न केवल हमारे राज्य का नाम रोशन किया है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा भी बने हैं। उन्होंने युवाओं की सराहना करते हुए कहा कि आपकी मेहनत और समर्पण ने यह साबित कर दिया है कि हमारे राज्य के युवा किसी से कम नहीं हैं। साथ ही कहा कि झारखंड के युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है। वे हर क्षेत्र में परचम लहराने की क्षमता रखते हैं। बस जरूरत है उन्हें बेहतर मार्गदर्शन की। इसमें सरकार उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान करेगी ताकि वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें।

मंत्री ने कहा कि ज्ञान प्राप्त करने का सबसे सरल तरीका किताबें हैं, उनसे चीजों को परखने की क्षमता आती है। आज की पीढ़ी बहुत तेज है। युवा तर्क करने की क्षमता को विकसित करें। सवाल पूछने की आदत को विकसित करें। युवाओं का जोश और ऊर्जा राज्य और देश के विकास की नींव है। साथ ही कहा कि शहर, गांव और राज्य मजबूत होगा तभी देश भी मजबूत होगा। बिना राज्य के विकास के हम देश के विकास की कल्पना नहीं कर सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय युवा महोत्सव में स्वाति राज (दुमका) को भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ जबकि शुभांगी क्षितिजा सौरभ (गुमला) और ऋषित (जमशेदपुर) का चयन प्रधानमंत्री के समझ प्रजेंटेशन देने के लिए हुआ था। इस अवसर पर खेलकूद व युवाकार्य निदेशालय के अवर सचिव राजेश कुमार, झारखंड नेहरू युवा केंद्र की डायरेक्टर ललिता कुमारी, डिप्टी नोडल पदाधिकारी डॉ ओमप्रकाश पांडेय और टीम लीडर पुरुषोत्तम आदि मौजूद थे।

जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा मामले में हाई कोर्ट में अगली सुनवाई पांच फरवरी को

रांची : झारखंड हाई कोर्ट में प्रथम और द्वितीय जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की सीबीआई जांच कराने वाली बुद्धदेव उरांव की जनहित याचिका की सुनवाई बुधवार को हुई। हाई कोर्ट के जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ ने सीबीआई को मामले में दायर आरोप पत्र को कोर्ट के रिकॉर्ड में लाने का निर्देश दिया। इससे पूर्व सीबीआई की ओर से कोर्ट को बताया गया कि मामले में रांची की सीबीआई की अदालत में आरोप पत्र दाखिल हो चुका है। इस संबंध में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के लिए समय दिया जाए। इस पर कोर्ट ने अगली सुनवाई पांच फरवरी तय की है। पिछली सुनवाई में खंडपीठ ने सीबीआई को जेपीएससी प्रथम एवं द्वितीय गड़बड़ी से संबंधित केस नंबर आरसी 5/2012 और आरसी 6/2012 के अनुसंधान की स्थिति पर जवाब मांगा था। जेपीएससी प्रथम परीक्षा गड़बड़ी मामले में 4 मई को, 2024 को सीबीआई ने केस नंबर आरसी 5/2012 में सीबीआई की विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था। इसमें सीबीआई ने जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. दिलीप प्रसाद, वरीय सदस्य गोपाल प्रसाद, सदस्य राधा गोविंद नागेश, सदस्य शांति देवी, परीक्षा नियंत्रक एलिस उषा रानी सिंह समेत 37 लोगों को आरोपी बनाया था। इनके अलावा अपर समाहर्ता रैंक के अधिकारी सीमा सिंह, सुषमा नीलम सोरेन, कुंवर सिंह पाहन, ज्योति कुमारी झा, अलका कुमारी, मोहनलाल मरांडी, राम नारायण सिंह, सुदर्शन मुर्मू, जेम्स सुरीन, जितेंद्र मुंडा, पूनम कच्छप, राजीव कुमार, संजीव कुमार, अनंत कुमार, परमेश्वर मुंडा, संतोष कुमार गर्ग, कमलेश्वर नारायण एवं विजय वर्मा को आरोपी बनाया है।

एक नजर

गुजरात में मांझे ने ली 6 लोगों की जान

अहमदाबाद : गुजरात में उत्तरायण (मकर संक्रांति) पर्व पर पतंगबाजी के बीच दिन भर 108 आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा दौड़ती रहीं। इस बीच राज्य भर में 6 लोगों की मौत हो गई। इस दौरान राज्य में एम्बुलेंस के लिए 4947 कॉल किए गए। यह पिछले साल की तुलना में करीब 345 कॉल अधिक हैं। उत्तरायण पर गुजरात भर में बड़े पैमाने पर पतंगबाजी होती है। पतंग की डोर से वाहन चालकों के चपेट में आने से लेकर कई छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं होती हैं। पतंग लूटने के दौरान भी बालक आदि जान गंवा देते हैं। राज्य में उत्तरायण पर्व के दौरान पतंग की डोर (मांझा) के कारण 6 लोगों की जिंदगी चली गई।

माओवादी, स्प्लिंटर ग्रुप व आपराधिक गिरोहों की धमकी के मामले में दर्ज करें एफआईआर : डीजीपी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बुधवार को 16 जिले के एसपी के साथ नक्सलवाद को लेकर समीक्षा बैठक किए। यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक के दौरान डीजीपी ने कहा कि माओवादी संगठन, स्प्लिंटर ग्रुप और अपराधिक गुटों द्वारा धमकी से संबंधित जो भी सूचना पीड़ित द्वारा दी जाती है, उसमें प्राथमिकी दर्ज किया जाय। साथ ही डीजीपी ने बैठक के दौरान निर्देश दिया कि सभी जिले के एसपी विशेष रूप से नक्सल प्रभावित जिलों में माओवादी, स्प्लिंटर ग्रुप और अपराधिक गुटों के द्वारा आगजनी, तोडफोड़ से सबंधित दर्ज मामलों का विशेष रूप से समीक्षा कर शीघ्र कार्रवाई करना सुनिश्चित करेंगे। संबंधित रेंज के डीआईजी और जोनल आईजी इसका अनुपालन अपनी देख-रेख में कराना सुनिश्चित करेंगे।

कुर्की जब्ती की कार्रवाई की जाय

डीजीपी ने कहा की विभिन्न काण्डों में माओवादी, स्प्लिंटर ग्रुप और अपराधिक गुटों के जो भी अभियुक्त फरार हैं, उनके विरूद्ध प्रभावी कुर्की जब्ती की कार्रवाई की जाय। फरार नक्सली और अपराधकर्मी के चल-अचल सम्पत्ति की कुर्की जब्ती की कार्रवाई करना यथाशीघ्र सुनिश्चित करेंगे। एसपी अपराध के माध्यम से अर्जित किये गये सम्पत्तियों को चिन्हित कराते हुए उसका डॉक्यूमेंटेशन का कार्य करते हुए कार्रवाई करना सुनिश्चित करेंगे।

आत्मसमर्पित नक्सली किसी लाभ से वंचित न हो

डीजीपी ने बैठक के दौरान कहा की नक्सलियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान और सरेंडर पॉलिसी को और प्रभावी बनाने के लिए व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार करते हुए ज्यादा से ज्यादा लोगों को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए साकारात्मक प्रयास सुनिश्चित किया जाय। सरकार द्वारा चलाये जा रहे पुनर्वास योजना के अंतर्गत नक्सलियों के आत्मसमर्पण पश्चात उनके संबंध में यह समीक्षा की जाय की पुनर्वास योजना के अंतर्गत दिये जाने वाले संपूर्ण लाभ आत्मसमर्पित नक्सलियों को मिल रही है या नहीं, अगर आत्मसमर्पित नक्सली किसी लाभ से वंचित हैं तो यथाशीघ्र कार्रवाई करना सुनिश्चित करेंगे।

छत्तीसगढ़ में 32 लाख के चार इनामी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

नारायणपुर/रायपुर : छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में बुधवार को तीन दर्जन से अधिक घटनाओं में 32 लाख रुपये के चार इनामी नक्सलियों ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

नारायणपुर के पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने मीडिया को बताया कि आत्मसमर्पित नक्सलियों में एक दंपत्ति भी है। आत्मसमर्पित नक्सलियों ने पुलिस को बताया कि "खोखली" और "अमानवीय" माओवादी विचारधारा और वरिष्ठ कैडरों द्वारा निर्दोष आदिवासियों के शोषण से निराश होकर आत्मसमर्पण किया है। वे जिला पुलिस द्वारा शुरू किए गए 'निया पुलिस निया नार' (हमारा गांव, हमारी पुलिस) आत्मसमर्पण और पुनर्वास अभियान से भी प्रभावित हुए हैं। आत्मसमर्पित नक्सलियों में गांधी ताती उर्फ अरब उर्फ कमलेश और मैनू उर्फ हेमलाल कोर्राम नक्सलियों की डिविजनल कमेटी के सदस्य थे। आत्मसमर्पित दो अन्य नक्सलियों में रंजीत उर्फ लेकामी उर्फ अर्जुन तथा उसकी पत्नी काजल भी शामिल है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पड़ोसी बीजापुर जिले के निवासी कमलेश ने माओवादियों के माड़ डिवीजन और नेलनार क्षेत्र समिति में विभिन्न पदों पर काम किया था। आठ साल तक नारायणपुर के नेलनार इलाके में 50 से अधिक गांवों में आतंक का राज कायम रहा है। वह 2010 में तत्कालीन दंतेवाड़ा जिले में ताड़मेटला नरसंहार में कथित रूप से शामिल था, जिसमें 76 सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई थी।

एक नजर

होटलों के गंदे पानी से ग्रामीण परेशान

चौपारण : चौपारण के जीटी रोड व आसपास मे बने खीरमोहन होटलों के गंदे पानी रोड पर व घर के आसपास फेकने से संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। ब्लॉक मोड़ से लेकर चतरा मोड़ व उसके आसपास खीरमोहन का गंदा पानी होटल संचालकों द्वारा खुलेआम रोड पर फेक दिया जाता है। पूर्व मे भी अंचलाधिकारी के द्वारा अपने वाहन से प्रचार प्रसार कर होटल संचालकों को हिदायत दी गई थी कि गंदे पानी रोड पर व किसी के घर के आसपास नही फेंके, अगर गंदे पानी फेकते हुए पकड़े जाएंगे तो कानूनी कार्रवाई कि जाएगी। होटल संचालकों द्वारा अंचलाधिकारी कि बात को ताक पर रखते हुए मनमाने ढंग से गंदे पानी रोड पर बहाकर गंदगी का अम्बार फैला रहें है। ब्लॉक मोड़ व बस स्टैंड पर आम नागरिकों का चलना हुवा बेहाल, ग्रामीण नाक पर रुमाल ढककर चलने को मजबूर, वहीं घर के पीछे खीरमोहन मिठाई बनाने के बाद बचे गंदा पानी फेकने से आम नागरिकों मे बीमारी व संक्रमण फैलने का डर बना हुआ है। जिसके कारण होटल संचालकों पर ग्रामीणों का रोष बना हुआ है।

राष्ट्र सेविका समिति ने मनाया मकर संक्रांति

बरही : राष्ट्र सेविका समिति बरही की मातृशक्ति स्वयंसेविकाओं ने सेवा सप्ताह के चतुर्थ दिवस पर शबरी नगर बाल संस्कार केंद्र में मकर संक्रांति उत्सव के बाद समरसता भोज का आयोजन किया। यह आयोजन संघ मंत्र सबके सुख-दुख में समरस हो को चरितार्थ करते हुए किया गया। रसोईया धमना और आरएसएस के सहयोग से पुरहारा भुईयां टोली में श्री राम खिचड़ी और समरसता भोज का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में शबरी नगर की कशिश कुमारी, सुषमा तिवारी, रिंकू देवी और पुरहारा के इंद्रदेव गुप्ता, कामेश्वर भुईयां, तोखन साव, अंशु कुमार, सुमंत कुमार और नितेश कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। करियातपुर शाखा के संतोष प्रजापति और अभिषेक सोनी ने तुरियाटोला पडिरमा बाल संस्कार केंद्र में सेवा पर्यटन के तहत बच्चों के बीच संस्कार विकसित करने के अनेक उपाय साझा किए। कार्यक्रम के दौरान मातृशक्ति और समाज के सहयोग से न केवल भारतीय त्योहार की परंपरा को सशक्त किया गया, बल्कि समाज में समरसता और सेवा भाव का भी संदेश दिया गया।

मुख्य किरदार निभाएंगी अभिनेत्री दीक्षा धामी

हजारीबाग : नए साल की शुरूआत के साथ, शेमारू उमंग शो लेकर आ रहा है, 'बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन'। चैना जो एक जिंदादिल और चतुर लड़की है। राजस्थान की पृष्ठभूमि पर आधारित इस कहानी में परिवार, परंपराओं और सत्ता संघर्ष का ताना-बाना बुना गया है। चैना गाँव की रहने वाली है, जो जीवन की चुनौतियों का सामना अपनी बुद्धिमानी और अनोखे अंदाज से करती है। लेकिन, उसकी दुनिया तब बदल जाती है, जब हालात उसे गाँव की गलियों से एक भव्य हवेली तक ले आते हैं। प्रोमो में एक रोमांचक मोड़ देखने को मिलता है, जहां घमंडी जेठानी की जगह परिवार की विरासत पर पहला अधिकार चैना को दिया जाता है। यह निर्णय सभी को हैरान कर देता है और यह सवाल उठता है कि आखिर चैना को इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए क्यों चुना गया।

विभावि दल ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है : प्रोफेसर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के बिनोदिनी पार्क में आज 38वें पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव के विजेता विभावि दल का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर बिनोदिनी पार्क में 11:30 बजे पूर्वाह्न को सभी विभाग के शिक्षक और विद्यार्थी एकत्रित हुए। उसके बाद विजेता दल शोभायात्रा के शक्ल में विश्वविद्यालय के अतिथि भवन से चलकर विनोदिनी पार्क के मंच तक पहुंचा। इनकी अगवाई स्वयं कुलपति प्रोफेसर पवन कुमार पोद्दार एवं विश्वविद्यालय के वर्तमान तथा पूर्व छात्र कल्याण संकायअध्यक्ष कर रहे थे। पार्क पर पहुंचने पर विद्यार्थी एवं उपस्थित शिक्षकों ने बहुत ही गर्म जोशी से तालियां बजाकर विजेता प्रतिभागी दल के सदस्यों का स्वागत किया। दल ने पांच मिनट की वही प्रस्तुति मंच पर दी जिस प्रस्तुति के आधार पर इनको पूर्वी क्षेत्र युवा महोत्सव के शोभायात्रा में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ था। इस प्रस्तुति में झारखंड की संस्कृति की तहत छाऊ नृत्य की झलक को भी दशार्या गया। अपने संबोधन में कुलपति ने सभी प्रतिभागियों को एवं दल के मैनेजर, संगत करने वालों तथा प्रशिक्षकों को हृदय से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस बड़ी उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय को 32 वर्ष इंतजार करने पड़े हैं। मैं पूर्व के सभी अधिकारियों को शिक्षकों को और विद्यार्थियों को भी धन्यवाद देना चाहता हूं जिन लोगों ने इसकी पृष्ठभूमि को रचा था। उन्होंने चतरा कॉलेज की मेजबानी में आयोजित अंतर महाविद्यालय युवा महोत्सव को भी इसका श्रेय दिया। कुलपति ने कहा की उपलब्धि हासिल करना एक बहुत बड़ी बात है परंतु उससे भी बड़ी बात है इसको आने वाले वर्षों में बनाए रखना। अब विश्वविद्यालय को इसको बनाए रखने के लिए योजना बनानी है। उन्होंने आगामी राष्ट्रीय युवा महोत्सव के लिए प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। इसके बाद कुलपति ने सभी प्रतिभागियों को सिस्टर निवेदिता विश्वविद्यालय कोलकाता से प्राप्त प्रमाण पत्रों को दिया। सभी प्रतिभागियों के साथ-साथ दल के प्रबंधक डॉ जॉनी रूफीना तिर्की, सह प्रबंधक डॉ अर्चना रीना धान एवं सहायक प्रशिक्षक श्री सोनू कुमार का भी माला पहनाकर अभिवादन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति, वर्तमान छात्रकल्याण संकाय अध्यक्ष डॉ विकास कुमार, पूर्व छात्रकल्याण संकायअध्यक्ष सह विश्वविद्यालय के कूलानुशासक प्रोफेसर मिथिलेश कुमार सिंह को भी माला पहनाकर उनका सम्मान किया गया। मौके पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, विभिन्न विभाग के अध्यक्ष एवं शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी बिनोदिनी पार्क में उपस्थित हुए।

पूर्वी क्षेत्र महिला खो-खो प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में 6-8 फरवरी 2025 को आयोजित होने वाली पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय महिला खो खो प्रतियोगिता की तैयारी को लेकर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। अपराह्न 3:00 से आयोजित बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर पवन कुमार पोद्दार ने किया । बैठक में एजेंडावार बिंदुओं को खेल निदेशक डॉ रखो हरि ने प्रस्तुत किया। आज के बैठक में कोर समिति सहित अन्य सभी 28 समिति के अध्यक्ष, संयोजक एवं सभी सदस्यों को आमंत्रित किया गया था। सभी समितियां से उनके प्रतिवेदन सुने गए और बजट संबंधी उनके सुझाव लिए गए। हर समिति को आवश्यकता अनुसार जानकारी उपलब्ध कराई गई। कुलपति ने अपने स्तर से कुछ सुझाव भी दिए। क्या हुआ कि अब सांस्कृतिक कार्यक्रम 6 फरवरी के शाम को आयोजित की जाएगी। प्रदीप प्रतियोगिता के खर्च वहन करने में सहभागी बनने के लिए प्रायोजकों को आमंत्रित करने का प्रस्ताव लिया गया। यह भी प्रस्ताव लिया गया कि विश्वविद्यालय के महिला खो खो दल को इस प्रकार से प्रशिक्षित किया जाए कि अंतिम चार में अवश्य पहुंचे। इस संबंध में 16 जनवरी से ही प्रशिक्षण प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। इसकी पूरी जवाबदेही के बी महिला महाविद्यालय तथा खो-खो के विशेषज्ञ खेल प्रशिक्षक शुभम कुमार को दी गई।

विधायक ने तीन दिवसीय सोनपुरा मेला में जागरण का किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के कांडतरी पंचायत अंतर्गत ग्राम सोनपुरा पांच बहनी मंदिर प्रांगण में मकर संक्रांति को लेकर में तीन दिवसीय मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें दूसरे दिन जागरण का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने फीता काटकर किया। विधायक रोशन लाल चौधरी ने श्रद्धालुओं एवं दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के मेले का आयोजन होते रहना चाहिए मेले से आपसी संबंध मजबूत होते है। भक्ति गीतों को सुनने एवं भगवान की जाप से सुख शांति एवं समृद्धि की प्राप्ति होती है। पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने कहा कि मेला एवं धार्मिक कार्यक्रम होते रहना चाहिए। इससे लोगों को सद्बुद्धि मिलती है। और लोंगो को कई प्रकार की बुराइयों से छुटकारा मिलता है। लोग धर्म के रास्ते पर चलते हैं इससे कामयाबी मिलती है। एभीएम जागरण ग्रुप के द्वारा एक से बढ़कर एक भक्ति गीतों एवं झांकी की प्रस्तुति की गई। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व जिला परिषद सदस्य टुकेश्वर महतो, मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार , पूर्व मुखिया भीखन महतो ,कुशवाहा समाज अध्यक्ष सोहनलाल मेहता, मेला संरक्षक सह पूर्व मुखिया पारसनाथ प्रसाद , पूर्व पंचायत समिति सदस्य उपेंद्र कुमार, समाजसेवी भवानी प्रसाद , मुरली कुमार, मोहित कुमार, प्रकाश कुमार महतो , भोला प्रसाद दाँगी , प्रो लालदेव महतो, प्रकाश ठाकुर, राजू कुमार सहित सैकड़ो श्रद्धालु एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

बड़े आयोजन से ग्रामीण क्षेत्र के युवा खेल के प्रति होते है जागरूक : उदय राणा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड पंचायत जगदीशपुर स्थित गंगाआहार खेल मैदान में बुधवार को क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रमुख प्रतिनिधि उदय राणा, पंसस युगल ठाकुर, छात्र नेता धीरज प्रजापति आदि ने फीता काट कर किया। वहीं मुख्य अतिथि उदय राणा ने युगल ठाकुर के बॉल पर बल्लेबाजी कर क्रिकेट का शुभारंभ किया। क्रिकेट समिति के सदस्यों ने मुख्य अतिथियों का स्वागत फूल माला पहनाकर किया। मौके पर उपस्थित युवाओं को संबोधित करते उदय राणा ने कहा कि ग्रामीण स्तर पर बड़े आयोजन से ग्रामीण क्षेत्र के युवा खेल के प्रति जागरूक होते है। साथ ही खेल से जातिवाद की भावना खत्म होती है और टीम भावना विकसित होती है। क्रिकेट खेल में हमेशा संघर्ष करने की सीख मिलती है और खेल से न सिर्फ शारीरिक बल्कि बौद्धिक क्षमता का भी विकास होता है। क्रिकेट से युवा की प्रतिभा निखर कर बाहर आती है। मौके पर पंचायत समिति सदस्य युगल ठाकुर, प्रभु चन्द्रवंशी, जितेन्द्र राणा, रोमियो राणा, दिनेश राम, धर्मवीर राणा, रामाधीन तुरी, सहदेव गिरी, विशाल गुप्ता, अरूण गुप्ता, योगेन्द्र राम, रोहित कुमार, सौरभ सिंह, बबलू कुमार, रितिक सिंह, सुनील यादव, अंशु कुमार सहित कई लोग उपस्थित रहे।

हाई स्कूल में पुस्तकालय का जागृति महिला क्लब की अध्यक्षा ने किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : पकरी बरवाडीह कोल माइनिंग प्रोजेक्ट ने बेल्तू के अपग्रेडेड हाई स्कूल में एक अत्याधुनिक पुस्तकालय का उद्घाटन किया। आज हुए उद्घाटन समारोह में जगृति महिला क्लब की अध्यक्षा ताज़िन फैज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। यह नया पुस्तकालय 150 से अधिक पुस्तकों का संग्रह प्रदान करता है, जो विज्ञान, कला, सामाजिक विज्ञान और साहित्य जैसे विभिन्न विषयों पर आधारित हैं। यह पुस्तकालय पीबी और पीबीएनडब्लू खनन क्षेत्रों के आसपास के लगभग 600 छात्रों के लिए लाभकारी होगा। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय को बच्चों के अनुकूल फर्नीचर जैसे टेबल, कुर्सियां और आलमारी से सजाया गया है, जिससे एक आरामदायक और उत्तेजक अध्ययन वातावरण तैयार किया गया है। हाई स्कूल के प्रधानाचार्य ने एनएमएल पकरी बरवाडीह कोल माइनिंग प्रोजेक्ट का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस पहल से छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करने में मदद मिलेगी, साथ ही वे भविष्य की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी सक्षम होंगे।समारोह के दौरान कुछ छात्रों ने भी अपनी बात साझा की और बताया कि यह पुस्तकालय उनके दैनिक अध्ययन और आगामी प्रतिस्पर्धा परीक्षाओं के लिए मददगार साबित होगा।यह पहल एनएमएल पकरी बरवाडीह कोल माइनिंग प्रोजेक्ट की सामाजिक विकास और गुणवत्ता शिक्षा के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का हिस्सा है। इस तरह की पहलें स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने और एक उज्जवल भविष्य के लिए अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से की जा रही है।

विलुप्त हो रही एपलीक कांधा कला को जीवित करने की कोशिश में जुटी है उषा और विनीता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : महिलाएं अब सशक्त और आत्मनिर्भर हो रही है। इसके साथ ही कई ऐसी कला है जो विलुप्त हो रही थीं उन्हें फिर से संजोने का काम भी कर रही हैं। उन्हीं में एक है उषा ठाकुर जो हजारीबाग के कंचनपुर की रहने वाली है। जिन्होंने एपलीक कांधा कला को सीखा और अब दूसरों को सिखा भी रही है। यही नहीं इस कला के जरिए आर्थिक रूप से सबल भी हो रही है। बदलते जमाने ने कई कला को पीछे छोड़ दिया। 15 से 20 वर्ष पहले महिलाएं घर में सुई और धागा से एक से बढ़कर एक कलाकृति कपड़े पर उकेरा करती थी। उस कला को एपलीक कांधा कहा जाता था। यह कलाकृति विलुप्त होने की कगार में पहुंच गई है। इस कलाकृति के जरिए महिलाएं कपड़ा पर सुईं कि मदद से रश्मि धागा से एक से बढ़कर एक कलाकृति बनाती थी। कपड़े के ऊपर कपड़ा लगाकर नया-नया डिजाइन बनाया जाता था। अब यह कलाकृति विलुप्त हो गई है। हजारीबाग की कंचनपुर की रहने वाली उषा ठाकुर ने इस कला को ही अपना जीवन का आधार बना लिया। उषा दुसरे महिलाओं को प्रशिक्षण दे रही हैं। उषा ठाकुर की यह कलाकृति अब ऑनलाइन मार्केट में भी धूम मचा रही है। सबसे पहले कागज पर कलाकृति बनाया जाता है। कपड़े पर कलाकृति को छापा जाता है। छपे हुए कलाकृति पर सूई से रेश्मि धागा से काम जाता है। जिसे एपलीक कहा जाता है। जब कपड़े के ऊपर कपड़ा लगा दिया जाता है तो उसे कांधा कहा जाता है। इस तरह से दो कलाकृति एक ही कपड़े पर जब उतारा जाता है तो उसे एप्लिक कांधा कहा जाता है। रुमाल ,तकिया का खोली, चादर और कुर्ती में यह कला देखने को मिलता था। बदलते जमाने ने इस कला को पीछे छोड़ दिया। यह कला युवा पीढ़ी को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। हजारीबाग की छात्रा शालू कहती है कि अब कला दिखती नहीं है। इस कला की खूबसूरती का कोई जवाब भी नहीं है। इससे जुड़े कलाकारों को प्रोत्साहित करने की जरूरत है। बदलते जमाने ने कई कला को पीछे छोड़ दिया है। एक बार फिर पुराने जमाने के कलाकृति फैशन की दुनिया में अपनी जगह बनाने को आतुर दिख रही है। जरूरत है ऐसे कलाकारों को प्रोत्साहित करने की।

संक्षिप्त खबरें

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी के चूड़ा-दही कार्यक्रम में भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता हुईं शामिल

हजारीबाग : महिला एंव बाल विकास केंद्रीय मंत्री सह कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी के आवासीय कार्यालय में आयोजित चूड़ा- दही कार्यक्रम में भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता शामिल हुई। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी के द्वारा प्राप्त आत्मीय- भाव से स्नेह के उद्गार से भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता काफी अभिभूत हुई। कार्यक्रम में सदर विधायक प्रदीप प्रसाद एवं बगोदर विधायक नगेंद्र महतो सहित कई गणमान्य लोगों से मिली। संगठात्मक विषयों पर वार्ता की।

बढ़ती ठंड देख झापा मुखिया प्रतिनिधि व वार्ड सदस्य ने किया कंबल का वितरण

चौपारण : प्रखंड के झापा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि बिनोद सिंह व बिशनपुर वार्ड सदस्य यसोदा देवी ने वृद्ध लोगों के बिच गांव मे ही शिविर लगाकर कंबल वितरण किया। जानकारी देते हुए झापा मुखिया प्रतिनिधि बिनोद सिंह ने बताया कि क्षेत्र में बढ़ते ठंड को देखते हुए सरकार द्वारा उपलब्ध कंबल को जरुरतमंद लोगों के बिच वितरण किया गया। ताकी उनलोगों का भी इस ठंड से बचाव हो सके।

बिरहोर समाज के लोगों के साथ प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने मनाया पिकनिक

बड़कागांव : कांडतरी पंचायत अंतर्गत ग्राम महुदी के टोला सतबहिया बिरहोर टोला स्थित बिरहोर परिवार के बीच मकर संक्रांति पर्व मनाए गई। जिसमें प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल, कांडतरी पंचायत के पूर्वी पंचायत समिति सदस्य रंजीत कुमार चौबे एवं मुखिया राजदेव महतो द्वारा पिकनिक का आयोजन किया गया। पिकनिक की शुरूआत मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर चूड़ा दही तिलकुट गुड़ खाकर किया गया। उसके पश्चात बिरहोर समाज के महिला बच्चे एवं पुरुष के साथ सभी ने मिलकर खुद खाना बनाया एवं सबके साथ बैठकर भोजन कर पिकनिक का आनंद लिया गया ।इसमें मुख्य रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी बड़कागांव जितेंद्र कुमार मंडल,कांडतरी पूर्वी पंचायत समिति सदस्य रंजीत कुमार चौबे,मुखिया राजदेव महतो,प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी भास्कर जी,बीपीओ हीरो महतो,बीपीओ अरुण पासवान वार्ड सदस्य प्रतिनिधि कामेश्वर ठाकुर,सामाजिक कार्यकर्ता अजय कुमार महतो, राजेंद्र कुमार,रवि महतो,सुरेंद्र महतो,मुनेश्वर महतो,चंद्रिका कुमार,साहबान अली, बिरहोर समाज के शनिचरा बिरहोर,मोती बिरहोर,बालकहिए बिरहोर, विनोद बिरहोर,छोटू बिरहोर एवं बिरहोर समाज के सैकड़ो महिला पुरुष बच्चे शामिल थें।

संत शिरोमणि गुरु रविदास की जयंती को लेकर हुई बैठक

बड़कागांव : प्रखंड के चेपाकला पंचायत स्थित अंबेडकर आश्रम में संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती मनाने को लेकर बैठक की गई जिसकी अध्यक्षता राजेश राम एवं संचालन सुरेंद्र राम ने किया। सर्वसमिति से निर्णय लिया गया कि प्रत्येक वर्ष कि भाति इस वर्ष भी बड़े धूम धाम से संत शिरोमणि रविदास जयंती 12 फरवरी 2025 को मनाया जाएगा। जिसको लेकर पूजा समिति की गठन कि गई अध्यक्ष बाजो राम सचिव टीभर राम कोषाध्यक्ष प्रदीप राम उपाध्यक्ष राजेश राम उपसचिव दशरथ राम उपकोषाध्यक्ष किशोर रंजन संयोजक योगेश्वर राम ,प्रेमनाथ राम, सुरेश राम, नागो राम संगठन मंत्री उमेश राम बादल रंजन ,राजेंद्र राम ,रविन्द्र कुमार दास,सिकंदर कुमार, संरक्षक विजय राम ,दिलीप राम, सुखदेव, वासुदेव राम ,परमेश्वर राम ,मीडिया प्रभारी अरुण रंजन मंच संचालन सुरेंद्र राम, मनोरंजन मंत्री गोलू कुमार, हिरामन कुमार ,संजय राम, पूजा प्रभारी ,जानकी राम,खेटा राम, टेकन रविदास , कार्यकारिणी सदस्य लालधारी राम, चरित्र राम, धनेश्वर राम ,दीपक कुमार ,तपेश्वर राम, सुनील कुमार, मनोज राम,सुरेश राम ,रिंकू राम, पप्पू कुमार इत्यादि लोगो को को बनाया गया।

नया मोड़ में तीन पहिया वाहनों की हुई जांच

बोकारो : उपायुक्त विजया जाधव के निदेर्शानुसार एवं राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 के तहत आज बोकारो स्टील सिटी अंतर्गत बिरसा चौक स्थित नया मोड़ में तीन पहिया वाहनों की जांच की गई, जिसमें तीन पहिया वाहनों के दाहिने तरफ सेफ्टी रॉड नहीं पाया गया। उन सभी वाहनों में सेफ्टी रॉड लगाया गया तथा सभी वाहनों के दस्तावेजों की भी जांच की गई। जांच के दौरान '19 तीन पहिया वाहनों के दाहिने तरफ सेफ्टी रॉड लगाया गया। साथ ही उन सभी चालकों को सड़क सुरक्षा जागरूकता के विषय में बताया गया। जांच के दौरान जिन चालकों के पास वाहन से संबंधित दस्तावेज नहीं थे। उन सभी चालकों को दस्तावेज दुरुस्त कर वाहन चलाने की अपील की गई। जांच के दौरान ऑटो चालक सहित आम यात्रियों जो लगभग 200 व्यक्ति को जागरूक किया गया।

एक नजर

राज्यपाल ने सैनिकों को थल सेना दिवस की दी बधाई

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सैनिकों को थल सेना दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल ने सोशल मीडिया एक्स पर बुधवार को लिखा है कि मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीर जवानों को भारतीय थल सेना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

11.81 लाख लाभुकों को सितंबर 2024 से नहीं मिली पेंशन : अमर बाउरी

रांची : पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने हेमन्त सरकार पर निशाना साधा है। सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि हेमन्त सरकार की नाकामी रही है कि 11.81 लाख लाभुकों को सितंबर 2024 से पेंशन नहीं मिली है। झारखंड में पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों को पिछले चार महीने से पेंशन नहीं मिली। हर तीन महीने में उपयोगिता प्रमाण पत्र भेजने का नियम है। लेकिन समाज कल्याण विभाग की लापरवाही के कारण लाखों वृद्ध, विधवा और दिव्यांग लोग पेंशन से वंचित हैं। उन्होंने जनता के सवालों को भी सरकार के समक्ष रखा है। इन सवालों में क्या 11.81 लाख गरीब और जरूरतमंद लोग सरकार की प्राथमिकता में नहीं हैं? क्यों समय पर प्रमाण पत्र भेजने में असफल रही सरकार और 100 करोड़ के फंड का उपयोग क्यों नहीं हो रहा?

68 वीं अखिल भारतीय पुलिस मीट की तैयारी पर पुलिस मुख्यालय में हुई बैठक

रांची : रांची में आयोजित होने वाले 68वीं अखिल भारतीय पुलिस मीट की तैयारी को लेकर पुलिस मुख्यालय में बैठक हुई है। इस बैठक में सीआईडी और स्पेशल ब्रांच के अधिकारी शामिल हुए। डीजीपी के निर्देश पर आयोजित हुए इस बैठक में पुलिस मीट की तैयारी को लेकर चर्चा हुई। गौरतलब है कि 68वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट का आयोजन इस बार रांची में होना है। झारखंड पुलिस मुख्यालय ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। यह कार्यक्रम 10 फरवरी से शुरू होकर 15 फरवरी तक चलेगा। इस पुलिस ड्यूटी मीट में आतंकवाद, नक्सलवाद और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं के खिलाफ कार्रवाई के तरीकों को साझा किया जाएगा, ताकि इन समस्याओं पर प्रभावी ढंग से कार्यवाही की जा सके। इस पुलिस ड्यूटी मीट में आंध्र प्रदेश, बिहार, बीएसएफ, छत्तीसगढ़, सीआरपीएफ, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, आईटीबीपी, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, कर्नाटक, केरला, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, रेलवे सुरक्षा बल, एसएसबी, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश के दल शामिल होंगे। इसमें लगभग 1500 पुलिस अधिकारी और कर्मियों के भाग लेने की संभावना है, जो देश के सभी राज्यों की पुलिस और अन्य संगठनों से संबंधित हैं। अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट में विभिन्न राज्यों के पुलिस अधिकारी अपने-अपने अनुभवों को साझा करेंगे, जिससे सभी को सीखने का मौका मिलेगा। इस आयोजन में नवीनतम तकनीकों और उपकरणों का प्रदर्शन किया जायेगा, जिससे अपराधियों को पकड़ने में मदद मिलेगी। विभिन्न राज्यों के पुलिस बल के बीच समन्वय बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिससे अंतरराज्यीय अपराधों पर अंकुश लगाया जा सके। आतंकवाद, नक्सलवाद और साइबर अपराध जैसी नई चुनौतियों से निपटने के लिए बेहतर रणनीतियां विकसित की जायेंगी।

राज्यपाल ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव के प्रतिभागियों से किया संवाद

अन्य राज्यों की संस्कृति को समझना युवाओं के व्यक्तित्व विकास के लिए महत्वपूर्ण : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने नई दिल्ली में आयोजित 'राष्ट्रीय युवा महोत्सव' में झारखंड का प्रतिनिधित्व कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों से राजभवन में संवाद किया। उन्होंने प्रतिभागियों के उल्लेखनीय प्रदर्शन और राज्य का राष्ट्रीय स्तर पर गौरव बढ़ाने के लिए उन्हें हार्दिक बधाई दी। साथ ही प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राज्यपाल ने युवाओं की प्रतियोगिता में भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि किसी विषय को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना और अन्य राज्यों की संस्कृति एवं सोच को समझना युवाओं के व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपने कार्यों और उपलब्धियों से न केवल राज्य, बल्कि देश का नाम भी रोशन करें।

राज्यपाल से संवाद के क्रम में प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किया। स्वाति राज ने कहा कि उन्होंने 'विकसित भारत 2047' पर अपने विचार रखे। तीन मिनट के सम्बोधन के क्रम में उन्होंने पोषण, जीरो हंगर, कानून-व्यवस्था, विरासत, युवा रोजगार और अमृतकाल जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। साथ ही शुभांगी राज ने कहा कि उन्होंने 'विकास भी, विरासत भी' पर अपनी प्रस्तुति दी। उन्होंने इस दौरान प्रधानमंत्री के साथ संवाद और उनके साथ भोजन को अपने जीवन का गौरवपूर्ण और अविस्मरणीय क्षण बताया।

ऋषित ने 'टेक फॉर विकसित भारत' पर अपनी प्रस्तुति दी। उन्होंने उल्लेख किया कि एक युवा के दृष्टिकोण से विकसित भारत के लिए तकनीक की भूमिका क्या हो सकती है। उन्होंने अन्य राज्यों के युवाओं की प्रस्तुतियां देखने और उनकी संस्कृति को समझने का अनुभव भी साझा किया। स्वातिका ने कहानी लेखन प्रतियोगिता में 'विकसित भारत 2047' पर अपने विचार प्रस्तुत किए और विभिन्न विषयों को रचनात्मकता के साथ समाहित किया।

इस अवसर पर खेल निदेशक संदीप कुमार, राज्य निदेशक, नेहरू युवा केंद्र संगठन ललिता कुमारी, डॉ. ओपी पाण्डे और राजेश कुमार चौधरी सहित विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि 10 से 12 जनवरी तक नई दिल्ली में आयोजित 'राष्ट्रीय युवा महोत्सव' का आयोजन किया गया था।

शिव-हनुमान मंदिर जीर्णोद्धार और प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ कल से

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के हरमु स्थित विद्यानगर में तीन दिवसीय शिव हनुमान मंदिर का जीर्णोद्धार सह प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 17 जनवरी से शुरू होकर 19 जनवरी तक चलेगा। कार्यक्रम के पहले दिन 17 जनवरी को प्रातः 8.00 बजे से प्रायश्चित संस्कार के तुरंत बाद जल यात्रा (कलश यात्रा) प्रारम्भ की जाएगी, जो विद्यानगर स्थित शिव हनुमान मंदिर से शुरू होकर हरमू चौक स्थित पंच मंदिर तक जाएगी। फिर वापस हरमू स्थित पंच मंदिर से जल लेकर विद्यानगर स्थित शिव हनुमान मंदिर में आकर पूर्ण होगी। इस कलश यात्रा में लगभग 700 महिलाओं के शामिल होने की संभावना है। इसके बाद मंडप प्रवेश, पंचांग पूजन, हवन और संध्या आरती के पश्चात प्रसाद वितरण का कार्यक्रम होगा।

कार्यक्रम के दूसरे दिन 18 जनवरी को प्रातः 8.00 बजे बेदी पूजन से शुरू होगा। फिर मूर्तियों का अधिवास, न्यास के बाद नगर भ्रमण करते हुए शय्या अधिवास और हवन के साथ के बाद संध्या आरती और प्रसाद वितरण का कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम के अंतिम दिन 19 जनवरी को प्रातः 8.00 बजे से बेदी पूजन के तुरंत बाद मूर्तियों का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम शुरू हो जाएगा। फिर हवन और पूणार्हुति के बाद में महाआरती के साथ भंडारा और रात्रि जागरण का कार्यक्रम किया जाएगा।

श्री शिव हनुमान मंदिर समिति के अध्यक्ष महाबीर सिंह ने बुधवार को कहा कि यह कार्यक्रम विद्यानगर के लिये एक ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा, जिसमें पूरे रांची से काफी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। साथ ही यहां आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होगी। इसके लिये समिति के सैकड़ों कार्यकर्ता पूरे लगन से दिन-रात मेहनत कर रहे हैं।

मुख्य सचिव ने कोल ब्लॉक शुरू करने में आ रही समस्याओं के शीघ्र निराकरण के दिए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्य सचिव अलका तिवारी ने सरकार के जरिये आवंटित सभी 34 कोल ब्लॉकों को शुरू करने में आ रही समस्याओं का यथाशीघ्र निराकरण करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि जितनी जल्द ये कोल ब्लॉक शुरू होंगे, उतनी ही जल्दी उस इलाके में आर्थिक गतिविधियां शुरू होंगी। इससे जहां रोजगार के नये अवसर पैदा होंगे, वहीं राज्य सरकार के राजस्व में भी इजाफा होगा। मुख्य सचिव बुधवार को आवंटित कोल ब्लॉकों को शुरू करने में आ रही समस्याओं के निराकरण को लेकर समीक्षा कर रही थीं। समीक्षा के दौरान पाया गया कि अधिकांश आवंटित कोल ब्लॉकों को शुरू करने में जमीन अधिग्रहण, रेट की गणना, मुआवजा, फॉरेस्ट क्लियरेंस, भूमि हस्तांतरण, कोल ब्लॉक की जमीन से गुजरने वाले नाला, नदी और सड़क को लेकर समस्याएं आ रही हैं। कुछ जगहों पर विधि व्यवस्था की भी समस्या सामने आई।

मुख्य सचिव ने सभी संबंधित उपायुक्तों को निर्देश दिया कि इन समस्याओं का समाधान एक समय सीमा के भीतर करें। समीक्षा के दौरान ही 34 में से 4 कोल ब्लॉक पलामू का राजहारा, लातेहार का तुबेद, हजारीबाग जिला में स्थित बदाम और मोइत्रा जेएस डब्ल्यू से अविलंब खनन करने की स्थिति स्पष्ट हो गयी। ये कोयला खदान सप्ताह भर के भीतर ऑपरेशनल हो जायेंगे। साथ ही अन्य 9 कोल ब्लॉकों की समस्या का भी निराकरण लगभग कर लिया गया। इनका ऑपरेशन भी यथाशीघ्र होने की संभावना है। बाकी बचे अन्य कोल ब्लॉकों को लेकर मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि इनकी समस्या का भी समाधान कर जितनी जल्द हो सके उसे ऑपरेशनल करें। मुख्य सचिव ने आवंटित कोल ब्लॉकों के प्रतिनिधियों को भी निर्देश दिया कि वे ससमय संबंधित विभागों और जिला प्रशासन को जरूरी कागजात उपलब्ध करायें।

कर्नाटक में मिलीं रांची से गायब दोनों लड़कियां

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र से गायब दोनों लड़कियों को पुलिस ने कर्नाटक से बरामद कर लिया है। एक वरीय अधिकारी ने बुधवार को इसकी पुष्टि की है। दोनों लड़कियां सुरक्षित हैं और उन्हें पुलिस की टीम रांची लेकर लौट रही है।

हिंदपीढ़ी की रहने वाली दोनों लड़कियां 11 जनवरी की शाम से गायब थी। परिजनों ने अपहरण की आशंका जताते हुए थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। अज्ञात ऑटो चालकों पर मामला दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए आईजी ने एक स्पेशल टीम का गठन कर दोनों गायब लड़कियों को जल्द से जल्द ढूंढ लाने का टास्क दिया था। तकनीकी शाखा के सहयोग से रांची पुलिस को यह सूचना मिली कि दोनों लड़कियां कर्नाटक में हैं। इसके बाद पुलिस की एक टीम ने कर्नाटक पुलिस की सहायता से दोनों को बरामद कर लिया। दोनों लड़की रहनुमा परवीन (20) और अमरीना अगसर(18) 11 जनवरी को आधार कार्ड को सुधार कराने के लिए अपने घर से कांटा टोली स्थित मंगल टावर गई थी। दोपहर एक बजे आधार कार्ड सुधार कराने के बाद दोनों लड़कियां एक ऑटो से हिंदपीढ़ी स्थित अपने घर जाने के लिए बातचीत की। ऑटो चालक दोनों लड़कियों को हिंदपीढ़ी पहुंचाने के बजाय दूसरे रास्ते पर ले जाने लगा। इसपर दोनों लड़कियों को संदेह हुआ तो उसने अपने पिता को फोनकर घटना की जानकारी दी। पिता ने बताया कि बातचीत होने के दौरान चालक ने उनकी पुत्रियों से मोबाइल छीन लिया। इसके बाद दोनों पुत्रियों से उनकी बातचीत नहीं हुई। मामले को लेकर परिजनों ने अपहरण की एफआईआर दर्ज करवाई थी।

लड़कियों के गायब होने के मामले में गत मंगलवार को राज्य सरकार के मंत्री इरफान अंसारी भी लड़कियों के परिजनों से मिलने के लिए पहुंचे थे। परिजनों को आश्वासन भी दिया था कि शीघ्र लड़कियों को खोज लिया जाएगा।

पूर्व सीएम रघुवर दास ने उड़ाई पतंग

रांची : पूर्व सीएम रघुवर दास ने मकर संक्राति के पावन अवसर पर बुधवार को जमशेदपुर के सूर्य मंदिर परिसर में नये हवन कुंड का पूजन किया। साथ ही श्रीराम दरबार, मां दुर्गा, बजरंग बली और भगवान सूर्य की पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पूजा-अर्चना के बाद पतंग उड़ाने का भी आनंद लिया। मौके पर उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में मकर संक्राति का अत्याधिक महत्व है। पूर्व सीएम ने सभी को मकर संक्राति की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्योहार सभी के जीवन में समृद्धि और आरोग्यता लाए।

समाचार पत्रों के समक्ष अस्तित्व के संकट को लेकर नयी दिल्ली में होगा राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पूरे देश में समाचार पत्रों के समक्ष गहराते संकट और मौजूदा समस्याओं को दूर करने के लिए नवगठित अखिल भारतीय समाचार पत्र प्रकाशक - संपादक संघ की बुधवार को रांची प्रेस क्लब में हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में अखबारी कागज (न्यूज प्रिंट) को पूरी तरह जीएसटी से मुक्त करने की मांग की गई। इस मांग को लेकर संघ आगामी फरवरी माह में नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलन आयोजित करेगा और केन्द्र सरकार से इस समस्या का हल निकालने का आग्रह करेगा।

बैठक में उपस्थित बिहार, झारखंड, नई दिल्ली समेत विभिन्न राज्यों के चार दर्जन से अधिक समाचार पत्रों के प्रकाशकों - संपादकों ने कहा कि आज देश के समाचार पत्र कई कठिनाइयों के दौर से गुजर रहे हैं और इन्हें दूर करने के लिए संघ निरंतर प्रयास करेगा। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार समाचार पत्र प्रकाशक - संपादक संघ की ओर से समाचार पत्रों खासकर अखबारी कागज (न्यूज प्रिंट) को जीएसटी से मुक्त करने और प्रिंट मीडिया के विज्ञापनों पर लगने वाले जीएसटी को पूरी तरह समाप्त करने के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया जाएगा। संघ की बैठक में इस मुद्दे पर सर्वसम्मति बनी कि यदि अखबारी कागज (न्यूज प्रिंट) पर जीएसटी को तत्काल वापस नहीं लिया जाता है तब तक प्रसार जांच की नई पॉलिसी को स्थगित रखने के साथ-साथ सरकार इसकी समीक्षा के लिए एक आयोग का गठन करे और आयोग समाचार पत्रों के समक्ष सरकार के स्तर पर उत्पन्न कठिनाइयों को दूर करने के संबंध में गहन अध्ययन कर एक प्रतिवेदन केंद्र सरकार को समर्पित करें।

बैठक में प्रकाशकों ने एक स्वर से कहा कि आज हिंदी समेत सभी भाषाई अखबारों के समक्ष अस्तित्व का संकट उत्पन्न हो गया है और इससे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सीधा खतरा दिख रहा है । उन्होंने कहा कि यदि देश में बड़े पैमाने पर समाचार पत्रों के समक्ष बंदी की स्थिति उत्पन्न हुई तो प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से समाचार पत्रों से जुड़े एक करोड़ परिवार यानि करीब 5 करोड़ लोग प्रभावित तथा बेरोजगार हो जाएंगे। बेरोजगार होने वाले में प्रखंड, अनुमंडल, जिला तथा राज्य स्तर पर कार्यरत पत्रकारों के अलावा अखबार के वितरण कार्य में लगे हॉकर तथा एजेंट भी शामिल होंगे। इससे देश की अर्थव्यवस्था पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा और पूरे देश के समक्ष बेरोजगारी को लेकर अलग तरह का बड़ा संकट उत्पन्न हो जाएगा। इसके साथ 6 वर्षों से विज्ञापन दर को संशोधित करने के मामले को लंबित रखे जाने के समाधान किए जाने पर जोर दिया गया । संघ की ओर से कहा गया है कि अखबारी कागज, स्याही , मुद्रण में प्रयुक्त होने वाली अन्य सामग्रियों पर जीएसटी लागू किए जाने से अखबार प्रकाशन की लागत में काफी वृद्धि हुई है जबकि दूसरी ओर डीएवीपी का विज्ञापन दर पिछले 6 वर्षों से संशोधित नहीं किया गया है। गौरतलब है कि डीएवीपी की ओर से प्रत्येक 3 वर्ष पर विज्ञापन दर संशोधित करने की परंपरा रही है। बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 10 फरवरी को नई दिल्ली के प्रेस क्लब ऑफ इंडिया या कांस्टीट्यूशन क्लब में समाचार पत्र प्रकाशकों - संपादकों का एक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसमें समाचार पत्र उद्योग की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा होगी।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने की मुलाकात

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने राज भवन में भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने राज्यपाल को 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में आमंत्रित किया।

रांची रेलवे स्टेशन पर शराब के साथ एक गिरफ्तार

रांची : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रांची रेलवे स्टेशन से एक व्यक्ति को शराब के साथ गिरफ्तार किया है। सब-इंस्पेक्टर सूरज पांडेय ने बुधवार को बताया कि आरपीएफ के मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर रांची रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 18624 से संदिग्ध स्थिति में एक व्यक्ति को पकड़ा और उसके पास से 13 हजार रुपये की 12 बोतल शराब बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपी का नाम संजीत कुमार है। वह बिहार के जहानाबाद का रहने वाला है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने यह शराब की बोतलें रांची से खरीदी थीं और इसे ऊंचे दामों पर बेचने के लिए ट्रेन संख्या 18624 एक्सप्रेस से बिहार जाने की कोशिश कर रहा था। इसके बाद आरोपी को एएसआई रवि शेखर के जरिये गिरफ्तार कर लिया गया और जब्त शराब को आगे की कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग को सौंप दिया गया।

बाबूलाल मरांडी ने संविधान गौरव यात्रा का किया शुभारंभ

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने पुराना हाई कोर्ट स्थित डोरंडा के बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संविधान गौरव यात्रा का शुभारंभ किया। बाबूलाल ने कहा कि बीजेपी द्वारा शुरू की गई संविधान गौरव यात्रा का उद्देश्य बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के प्रति पार्टी के योगदान को उजागर करना है। यह यात्रा 15 से 25 जनवरी तक राज्यभर में चलने वाली है और पार्टी के नेताओं द्वारा अंबेडकर के सम्मान में किए गए कार्यों को आम जनता तक पहुंचाया जाएगा। यात्रा के दौरान पंपलेट वितरित किए जाएंगे जिसमें यह बताया जाएगा कि बीजेपी ने बाबा साहेब के लिए क्या कार्य किए और कांग्रेस ने उन्हें कैसे अपमानित किया। यात्रा की शुरूआत 15 जनवरी को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा डोरंडा स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष ने डोरंडा क्षेत्र के रविदास मोहल्ला में पद यात्रा करते हुए जनसंपर्क अभियान चलाया और अनुसूचित जाति समाज के लोगों से पार्टी की विचारधारा साझा की। इस मौके पर भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर अंबेडकर के सम्मान में की गई कथित उपेक्षाओं का आरोप भी लगाया। संविधान गौरव यात्रा के दौरान बीजेपी ने बाबा साहेब के योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए उनके योगदान को जन-जन तक पहुंचाने की योजना बनाई है।

भगवान बिरसा मुंडा स्मृति पार्क का प्रवेश शुल्क बढ़कर 50 रुपये हुआ, लोगों में दिखी नाराजगी

रांची : रांची के जेल मोड़ स्थित भगवान बिरसा मुंडा स्मृति पार्क में अब 50 रुपये का प्रवेश शुल्क लिया जा रहा है। जिसे लेकर स्थानीय नागरिकों में नाराजगी देखने को मिल रही है। यह पार्क केंद्र और राज्य सरकार द्वारा 142 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया था। बता दें कि लोग भगवान बिरसा मुंडा की जीवनी की जानकारी और उनके योगदान को याद करने के लिए वहां जाते हैं। हालांकि अब प्रवेश शुल्क को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। जानकरी हो कि शहर के अन्य सरकारी पार्कों में प्रवेश नि:शुल्क है। स्थानीय लोगों का मानना है कि एक ऐतिहासिक स्थल होने के बावजूद प्रवेश शुल्क निर्धारित किया जाना आम नागरिकों के लिए असुविधाजनक हो सकता है। कुछ का कहना है कि पार्क के रख-रखाव और संचालन के लिए शुल्क लिया जाना उचित हो सकता है। यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि यह पार्क राज्य और केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण परियोजना है। झारखंड के जनजातीय नेता और स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की विरासत को लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से बनवाया गया था। लोग उम्मीद कर रहे हैं कि सरकार इस मुद्दे पर पुनर्विचार करेगी और जनहित में निर्णय लेगी।

डीसी ने स्मार्ट डिस्प्ले का फीता काटकर किया शुभारंभ

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने बुधवार को समाहरणालय स्थित कमरा संख्या-608 के एनआईसी सभागार में स्मार्ट डिस्प्ले का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस स्मार्ट डिस्प्ले में कई अत्याधुनिक फीचर्स दिए गए हैं, जो उच्च क्षमता वाले वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए उपयुक्त हैं। इसमें स्प्लिट स्क्रीन की सुविधा भी है, जिससे एक साथ दो फीचर्स का उपयोग किया जा सकता है। यह स्क्रीन अत्याधुनिक तकनीक से लैस है। इस अवसर पर अपर समाहर्ता रांची रामनारायण सिंह, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी रांची राजीव कुमार, अतिरिक्त जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी रांची रिमा कुजूर, और जिला खनन पदाधिकारी रांची अबु हुसैन उपस्थित थे।

एक नजर

ट्रैफिक नियमों के प्रति लोगों को किया जागरूक

धनबाद : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी के निर्देशानुसार बुधवार को रणधीर वर्मा चौक, श्रमिक चौक, सिटी सेंटर तथा मेमको मोड में यातायात के नियमों का पालन न करने वाले वाहन चालकों का चालान किया गया। साथ ही बुकलेट एवं पंपलेट देकर यातायात के नियमों के प्रति जागरूक किया गया।
वहीं मैथन टॉल गेट के समीप लोगों को जागरूक किया गया और वाहनों में रिफ्लेक्टिव टेप भी लगाया गया। मौके पर जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक सुनील कुमार, रोड इंजिनियरिंग एनालिस्ट अमरेश कुमार, आईटी देवेंद्र कुमार, ट्राफिक पुलिस एवं एनएचएआई दुर्गापुर के कर्मी उपस्थित थे।

एटक द्वारा आयोजित वनभोज में पहुंचे जेबीसीसीआई सदस्य व बाघमारा विधायक

धनबाद : तेतुलमारी मैगजीन के समीप सिजुआ क्षेत्र के एटक कमिटी द्वारा आयोजित वनभोज सह मिलन समारोह में मुख्य रूप से बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो और जेवीसीसीआई सदस्य लखनलाल महतो, बीसीसीएल के कल्याण समिति सदस्य लक्ष्मण महतो सिजुआ क्षेत्र के महाप्रबंधक सुधाकर प्रसाद सहित अन्य में एक दूसरे को नव वर्ष की शुभकामना देते हुये संगठन के मजबूती पर बल दिया। यूनाइटेड कॉल वर्कर्स यूनियन के क्षेत्रीय सचिव मो सरीफ शमशेर आलम,भीम महतो, विष्णु चरण महतो,वानेश्वर रवानी अकबर अंसारी जाकिर हुसैन कैलाश महतो दिनेश रवानी वीरेंद्र कुमार ठाकुर,मृत्युंजय चटजी सहित अन्य लोग सहित सैकड़ों समर्थक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बच्चों ने की शैक्षणिक भ्रमण के तहत वनस्पति उद्यान की सैर

बोकारो : डी ए पब्लिक स्कूल सेक्टर 6 के विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण के तहत वनस्पति उद्यान की सैर कराई गई। इस अवसर पर बाल वाटिका कक्षा- एक, दो एवं तीन के नन्हें मुन्ने बच्चों ने विभिन्न प्रकार के सब्जियों की विशेष जानकारी प्राप्त की तथा उसके पोषक तत्वों के बारे में जाना। बच्चों ने अपने आँखों के सामने तरह- तरह के सब्जियों को देख कर बहुत उत्साहित हुए। विद्यालय की शिक्षिका भावना घले, आराधना तथा श्याम भूषण श्रीवास्तव ने शैक्षणिक भ्रमण के तहत इन सब बच्चों को हरी सब्जी के महत्व को विस्तार से बताया। इन पौधे से प्राप्त पोषक तत्वों के बारे में जानकारी दी। अंत में सभी बच्चों को पेड़ लगाने तथा पर्यावरण प्रदूषण के अन्य उपाय के बारे मेंभी बताया गया 'जैविक सब्जी उद्यान में बच्चों ने अपने सामने पालक, टमाटर, भिंडी, कद्दू, बॉटल गार्ड, धनिया और सलाद पत्ता जैसी कई अन्य सब्जियों को उगाते हुए देखा। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या अनुराधा सिंह ने कहा कि इस तरह के शैक्षणिक भ्रमण से बच्चे किसी भी चीज को सामने से देखकर उसे महसूस करके उसकी जानकारी को अपनी अनुभव के द्वारा एकत्रित कर सकते हैं। यह जानकारी उसके दिमाग में हमेशा के लिए रह जाता है। विभिन्न फलों सब्जियों के रंग ,उनके विशिष्ट तत्वों के बारे में अच्छे से जानकारी प्राप्त करेंगे।

ग्रामीणों व रैयतों के साथ हुए अत्याचार के विरोध में आजसू ने किया पुतला दहन : सचिन महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : आजसू पार्टी ने बोकारो में संघर्ष और आंदोलन का शंखनाद करने का फैसला किया है। यह फैसला बाघमारा क्षेत्र में हुई घटना और ग्रामीणों व रैयतों के साथ हुए अत्याचार के विरोध में लिया गया है। आजसू पार्टी के बोकारो जिला अध्यक्ष सचिन महतो ने नया मोड़ के बिरसा चौक के समीप पुतला दहन कर शासन व प्रशासन के विरोध में अपनी आवाज बुलंद की। उन्होंने गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद विकास पुरुष चंद्रप्रकाश चौधरी की प्रशंसा की, जिन्होंने ग्रामीणों के एक आवाज पर सीधे संवैधानिक रूप से महाप्रबंधक से संवाद कर नियोजन, मुआवजा व अन्य बातें रखीं। आजसू पार्टी की मुख्य मांगें हैं रैयत विस्थापित के जमीन पर कब्जा रोकें बीसीसीएल के गुंडों द्वारा रैयत विस्थापितों की जमीन पर कब्जा करने की कार्रवाई रोकनी चाहिए। सांसद पर लगे झूठे मुकदमे वापस लें: माननीय सांसद श्री चंद्रप्रकाश चौधरी जी पर लगाए गए झूठे मुकदमे वापस लेने की मांग की जा रही है। हिल टॉप कंपनी को ब्लैकलिस्ट करें : हिल टॉप कंपनी की गतिविधियों के कारण हुए नुकसान के लिए कंपनी को ब्लैकलिस्ट करने की मांग की जा रही है। रैयत विस्थापितों पर लगे झूठे मुकदमे रोकें: रैयत विस्थापितों पर लगाए गए झूठे मुकदमों को रोकने की मांग की जा रही है। सांसद आवास जलाने वाले को गिरफ्तार करें: सांसद आवास जलाने वाले कारु यादव को अविलंब गिरफ्तार करने की मांग की जा रही है। आजसू पार्टी ने सरकार से मांग की है कि गिरिडीह सांसद श्री चंद्रप्रकाश चौधरी जी समेत निर्दोष ग्रामीणों व रैयतों पर लगाए गए झूठे मुकदमे समाप्त किए जाने चाहिए और भविष्य में भी इस तरह के मुकदमे नहीं लगाए जाने चाहिए। इसके अलावा, आजसू पार्टी ने मांग की है कि जो भी इस षड्यंत्र के पीछे हैं, उन पर उच्च स्तरीय जांच एजेंसी के द्वारा जांच हो और दोषियों के ऊपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। मौके पर केंद्रीय सदस्य हाकिम महतो, कार्यकारी अध्यक्ष अशोक महतो, सांसद प्रतिनिधि सुनील महतो, जिला उपाध्यक्ष अनिल झा, जिला सचिव नरेन्द्र महतो, बंकू बिहारी सिंह, विकाश महथा,जिला संगठन सचिव रंजीत बर्णवाल, चंदनकियारी प्रखंड अध्यक्ष मिथलेश महतो, चास कार्यकारी अध्यक्ष लखिन्द्र महतो, जरीडीह प्रखंड अध्यक्ष अरुण महतो, चास नगर अध्यक्ष अभय शर्मा, युवा मोर्चा जिला प्रभारी तापेश महतो, मनोज गोप,अर्जुन महतो, कृष्णा महतो, बीरेंद्र हरि, गौतम स्वंकार, रमेश सिंह, रॉकी गुप्ता, कौशल, मुन्ना ओझा, अखिलेश पांडेय, हर्ष, विजय, सर्वजीत, राहुल, सूरज, राज, काजू, सिद्धू, आदि मौजूद थे ।

विराजपुर गांव में हनुमान जी के मंदिर निर्माण का हुआ शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : बुधवार को गोविंदपुर अंचल के विराजपुर ग्राम के भागवत प्रसाद पाण्डेय व बोलबम पाण्डेय के अगुवाई में श्रीराम भक्त हनुमान जी का मंदिर निर्माण का शिलान्यास स्टेट बार काउंसिल एक्सक्युटिव कमिटि के को चेयरमैन एवं वरिष्ठ अधिवक्ता राधेश्याम गोस्वामी, अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के प्रदेश महासचिव सह जिला प्रभारी सुरेश चन्द्र तिवारी, वरिष्ठ अधिवक्ता पवन कुमार ओझा,आशीष तिवारी हिरालाल पाण्डेय सहित समस्त विराजपुर पाण्डेय परिवार के कर कमलों के द्वारा किया गया। इसके मुख्य यजमान भागवत प्रसाद पाण्डेय वशिष्ठ एवं कंचन देवी ने भूमी पूजन विद्वान आचार्य पंडित कंठ पाण्डेय एवं दिलीप पाण्डेय के द्वारा वैदिक रीति-रिवाज से मंत्रोच्चारण कर करवाया। मौके पर धिरेंद्र नाथ पाण्डेय,तारनी पाण्डेय, अभय कुमार, दीनानाथ पाण्डेय, प्रमंथन पाण्डेय, ब्रजेश पाण्डेय, गंगाधर पाण्डेय, मथुरा पाण्डेय, शिव नन्दन पाण्डेय, मुकेश, छुटु, डिलु, बंगाली, सोमनाथ, आलोक पाण्डेय, दामोदर, गौरचंद्र सौरभ, आदित्या, करण, रोहित, शिव प्रसाद पाण्डेय, मृत्युंजय पाण्डेय, ओंकार पाण्डेय, शैलेंद्र पाण्डेय, उज्ज्वल, दिव्यांशु आदि उपस्थित हुए।

मृत आश्रित कर्मचारी संघ ने नियोजन को लेकर एडीएम बिल्डिंग के समक्ष किया प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : मृत आश्रित कर्मचारी संघ आश्रित के हक अधिकार को लेने के लिए सेल, बोकारो इस्पात सबंधन से कई वर्षों से आंदोलन करते आया है जबकि सेल, बोकारो इस्पात प्रबंधन के पूर्व के प्रबंध निदेशक एवं एनजेईएस यूनियन के तहत अनुकम्पा के सार के लिए समयता डी ऐ बेसिक के बदले सेवाकाल रहते वैसे मृत कर्मचारी के एक आश्रित नह ट्रेड अप्रेंटिस कराकर नियोजित करना था। हम सभी आश्रित को ट्रेड अप्रेंटिस कराकर साथ ही आवास एवं मेडिकल यह कहकर की आपलोग को नियोजित बोकारी स्टील प्लांट में किया जाएग परन्तु बीएसएल के वरीय अधिकारियों ने वर्षो तक नियोजन मे देरी कर नोकरी से वंचित रखा। अब नौकरी मांगने पर उम्र का हवाला देकर वैसे आश्रित का जिनकी उम्र 28 वर्ष पार कर चुकी है उन्हें उनके परिवारों के साथ छल-कपट कर जिंदगी बर्बाद कर रही है साथ ही अपने दिये हुए आवास का बिजली पानी प्रशासन विभाग के वरीय अधिकारियों द्वारा काटा जा रहा है जिसका विरोध विगत वर्ष 18 दिसम्बर 2024 को जल सत्याग्रह स्थगित किया गया । आश्रित के चार सूत्री मांग के साथ आश्रित की सूची वरीय अधिकारी को सौंपी गई। उन्होंने आश्रित को आश्वस्त करते हुए एक सुप्ताह के अंदर सकारात पहल कर वरीय अधिकारियों द्वारा सूचित किया जाएगा इस बीच समय समय पर आंदोलन के माध्यम से प्रबंधन को सूचित किया। परन्तु एक माह होने के वावजूद फिर प्रबंधन द्वारा 8 जनवरी को प्रशासनिक भवन के समक्ष शांतिपूर्ण पैदल मार्च के दौरान टालमटोल की नीति एवं बीएसएल होमगार्ड द्वारा धक्का मुक्की भी किया गया इसके बावजूद हम लोगों ने शांतिपूर्ण तरीकों से रैली निकाली।

काठमांडू में अटल समरसता रत्न सम्मान से नवाजे गए डीपीएस के प्राचार्य डॉ गंगवार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : शैक्षणिक उत्थान की दिशा में विगत साढे तीन दशक से सतत प्रयासरत डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार की अंतरराष्ट्रीय ख्याति में एक और नई कड़ी जुड़ गई है। डॉ. गंगवार को नेपाल की राजधानी काठमांडू में वैश्विक मंच पर अटल समरसता रत्न अलंकरण से सम्मानित किया गया। अंतरराष्ट्रीय समरसता मंच की ओर से इंडो-नेपाल समरसता आगेनाईजेशन के तत्वावधान में आयोजित वैश्विक शांति समरसता सम्मेलन के दौरान उन्हें 192 देशों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में यह विश्व प्रतिष्ठित सम्मान मिला। नेपाल सरकार के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं न्यायमूर्ति परमानन्द झा, पूर्व केन्द्रीय मंत्री अब्दुल खान व गणेश शाह, सांसद रेखा यादव एवं नरोत्तम वेद के द्वारा डॉ. गंगवार को अवार्ड देकर तथा नेपाल की टोपी और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। शिक्षा के माध्यम से राष्ट्रीय उत्थान में उल्लेखनीय योगदान, भारत की प्रतिष्ठा, भारत की शक्ति एवं भारत के पंचशील सिद्धांतों की कार्य-योजना के नैतिक समर्थन के लिए उन्हें नवाजा गया। सम्मेलन में भारत-नेपाल के बहुआयामी संबंधों, मानवीय प्रेम, एकता एवं विश्व-बंधुत्व की दिशा में कार्य करने वाले कुल 192 राष्ट्रों के नागरिकों का अभिनंदन किया गया। इनमें डॉ. गंगवार भी शामिल रहे। बुधवार सुबह विद्यालय में आयोजित एक विशेष असेंबली के दौरान इस उपलब्धि की घोषणा की गई। अपने उद्गार में प्राचार्य डॉ. गंगवार ने इसे पूरे स्कूल की उपलब्धि बताते हुए इसके लिए विद्यालय परिवार से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसे अवसर हमें आगे और कड़ी मेहनत के साथ काम करने की प्रेरणा देते हैं। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को नए वर्ष में नए जोश, नई ऊर्जा, नए उत्साह एवं सकारात्मकता के साथ पूरी लगन व कड़ी मेहनत से पढ़ाई करने की प्रेरणा दी।

चिन्मय विद्यालय में विष्णु सहस्त्र नाम की हुई पूजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चिन्मय विद्यालय बोकारो में मकर संक्रांति के अवसर पर छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं विश्व कल्याण के लिए तेजोमयानंद सभागार में विष्णु सहस्त्र नामों की पूजा अर्चना बहुत ही धूम धाम से की गई। पूजा अर्चना पूरे विधि विधान के साथ वैदिक मंत्र के साथ की गई। पूजा में विद्यालय अध्यक्ष बिश्वरप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष आर एन मलिक, प्राचार्य सूरज शर्मा एवं उप प्राचार्य नरमेंन्द्र कुमार ने पूजा में भाग लिया। विष्णु सहस्त्र नाम की पूजा अर्चना पूरे विधि विधान से पंकज कुमार मिश्रा, उदित कुमार पांडे एवं मनीष कुमार पांडे ने सम्पन्न किया। इस अवसर पर विद्यालय अध्यक्ष विश्वरूप मुखोपाध्याय, विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से सभी को ढेरों शुभकामनाएं दी एवं उनके खुशहाल जीवन के लिए प्रार्थना की। विद्यालय प्राचार्य सूरज शर्मा ने शुभ पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आने वाले समय छात्र छात्राओं, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों के जीवन में अनुशासन से भरी खुशियां, सफलता एवं उपलब्धियां हासिल हो। इस अवसर पर विद्यालय अध्यक्ष विश्वरूप मुखोपाध्याय विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी कोषाध्यक्ष आर एन मलिक प्राचार्य सूरज शर्मा उप प्राचार्य नरमेंन्द्र कुमार सहित संजीव सिंह, सुप्रिया चौधरी, रणधीर नारायण, रजनीश चौधरी, पंचानंद शर्मा, विशाल मौर्या, आदर्श आचार्या, विजय भौमिक, संजय चक्रवर्ती, निखिल चंद्र मिश्रा, पुनीत दोषी एवं अन्य शिक्षक व शिक्षकेत्तर गण उपस्थित थे।

बोकारो में दिखा घना कोहरा और ठंड का प्रकोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : उत्तर भारत में लगातार बर्फबारी हो रही है। वहां से आ रही ठंडी हवा का असर झारखंड पर पड़ रहा है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक पारा गिरने की संभावना जताई है। जबकि अगले 4 दिनों के बाद न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी संभव है। बोकारो में सुबह से ही आसमान में घना कोहरा छाया रहा है। कड़ाके की ठंड में सुबह से ही सर्द हवा चलने लगी। ठंड से बचाव के लिए लोग अलाव तापते नजर आए। वही सुबह के समय यात्री ठंड में ठिठुर रहे थे। कोहरे के चलते कई ट्रेने पर देरी से चली। कोहरे में सड़क पर लाइट जलाकर धीमी गति से वाहन गुजरते नजर आए। सर्दी बढ़ने के साथ धुंध व कोहरे ने मंगलवार को शहर को आगोश में ले लिया। इसके बाद कोहरे का असर धीरे-धीरे कम होने लग गया एवं सुबह 10 बजे के बाद कोहरा छंट पाया। सूरज निकलने के बाद सर्दी से थोड़ी राहत महसूस हुई। इस दौरान दिनभर लोग गर्म कपड़ों से लदे नजर आए। मौसम विभाग का अनुमान है कि फरवरी के पहले हफ्ते में ठंड का असर लगभग समाप्त हो जाने की उम्मीद है। अभी कोहरा छाए रहने तथा दिन में आसमान में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है। इस वजह से कनकनी रहेगी। इधर राज्य में सबसे कम तापमान लातेहार में 8.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।
जबकि अन्य जिलों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। बीते 24 घंटे में रांची का न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री सेल्सियस रहा। दूसरी तरफ जमशेदपुर का न्यूनतम तापमान 13.5 डिग्री सेल्सियस तथा मेदिनीनगर का न्यूनतम तापमान 12.7 डिग्री सेल्सियस रहा।

संक्षिप्त खबरें

निचितपुर कोलियरी में वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा मनाया गया

धनबाद : शून्य रहित उत्पादन के साथ कोलकर्मी कार्य करे ,जीवन बहुमुल्य है,इसलिये उत्पादन व सुरक्षा दोनों जरूरी है उक्त बातें बीसीसीएल सिजुआ क्षेत्र के निचितपुर कोलियरी में वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा कार्यक्रम के दौरान कुजामा कोलियरी के एजेंट सह मुख्य अतिथि अरुण पांडेय ने कहा कि जीरो दुर्घटना के साथ उत्पादन पर बल दिया। एक दुर्घटना से कंपनी का छवि पर बड़ा झटका लगता है,साथ ही बेहतर कार्य करने वाले कर्मियों की सराहना किया। श्री पांडेय ने कहा कि सुरक्षा को लेकर बैठक में लिए निर्णय का पालन कर करना,23,24 में अच्छा प्रदर्शन रहा,महाप्रबंधक सिजुआ सुधाकर प्रसाद ने कहा सिजुआ क्षेत्र के इतिहास में निचितपुर कोलियारी का हमेशा महत्वपूर्ण योगदान रहता है,निर्धारित लक्ष्य से ज्यादा उत्पादन करके निचितपुर कोलियरी ने बेहतर कार्य करने वालो को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया। अपर महाप्रबंधक सिजुआ के के सिंह ने कहा कि इस कोलियरी के सभी लोग टीम वर्क करते है किसके कारण कोलियारी का प्रदर्शन अच्छा होता है,परियोजना पदाधिकारी मंतोष कुंडू ने सभी अतिथियों का सम्मनित किया, आई एस ओ नरेश राय ,के पी की श्रीवास्तव,जीएम सुधाकर प्रसाद, कुजामा एजेंट सह मुख्य अतिथि अरुण पांडेय,डी के श्रीवास्तव, अनिल कुमार ज्ञानेश्वर कुमार,डी के श्रीवास्तव,संदीप कुमार ,क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी मो आलमगीर,एन के जायसवाल, सर्वेयर राजपुर दिलीप गुप्ता,सुरक्षा अधिकारी सुजीत कुमार,अमित सागर,सर्वे अधिकारी संजीत मांझी, संजय भारद्वाज के टीम ने नुक्कड़ नाटक से सुरक्षा के साथ उत्पादन का पाठ पढ़ाया।

विस्थापित परिवारों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु विशेष कैंप का हुआ आयोजन

धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा के निदेशानुसार आज दिनांक 15 .01 .2025 को झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार, धनबाद द्वारा बेलगाड़िया आवसीय कॉलोनी में विस्थापित परिवारों को विभिन्न योजनाओं का लाभ देने हेतु एक विशेष कैंप का आयोजन किया गया। जिसमे वृद्धा पेंशन, बिधावा पेंशन, राशन कार्ड, आधार कार्ड, जाति, आवसिया, मनरेगा समेत विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से सम्बंधित योजनाओ का लाभ देने हेतु विशेष कैम्प का आयोजन किया गया है। ज्ञात हो की गुरुवार को उपायुक्त धनबाद सह प्रबंधक निदेशक जेआरडीए धनबाद के समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में विस्थापित परिवारों को विभाग द्वारा महीने के प्रत्येक 15 तारीक को विशेष कैम्प का आयोजन करने का निर्देश दिया गया है। बेलगाड़िया आवसीय कॉलोनी में स्थित आरएसपी महाविद्यालय में आज का कैम्प का आयोजन किया गया है। जिसमे प्रखंड सह अंचल कार्यालय बलियापुर से प्रखंड पदाधिकारी प्रभाष चंद्रा दास, अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह एवं सभी विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

राजकमल सवि मंदिर के दो खिलाड़ी राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता हेतू पुणे रवाना

धनवार : क्षत्रपति शिवा जी स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स, बेलवाडी पुणे महाराष्ट्र मे 18 से 25 जनवरी को आयोजित हो रहे सब जूनियर वा नेशनल कैडेट जूडो चैम्पियनशिप हेतु राजकमल स.वि.मंदिर के कक्षा पंचम के भैया प्रशांत हेम्ब्रम और कक्षा एकादश के अनिकेत भारद्वाज झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगें, राजकमल स.वि.मंदिर के शारीरिक आचार्य पप्पू कुमार भी राष्ट्रीय निर्णायक के रूप मे उक्त चैम्पियनशिप मे सम्मिलित होंगें। आज सब जूनियर झारखंड जूडो टीम टाटानगर से पूणे के लिए रवाना हो गई वहीं कैडेट की टीम 20 जनवरी को रांची से पूणे प्रस्थान करेगी। राजकमल स.वि.मंदिर के दो छात्रों वा शिक्षक के उपलब्धि पर राजकमल स.वि.मंदिर की प्रबंध कार्यकारिणी ,प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा,उप प्राचार्य मनोज कुमार, प्रभारी कमल नयन,पार्थसारथी सरकार, धनबाद जूडो संघ के अध्यक्ष शैयद मतलुब हासमी,कोषाध्यक्ष विनय रिटोलिया ने शुभकामनांए वा बधाई दी है।

हिल टॉप आउटसोर्सिंग पैच का कार्य ठप रहने से प्रबंधन व मजदूरों में मची खलबली

धनबाद : पांच जनवरी को कनकनी हिल टॉप आउट सोर्सिंग में गर्म ओ बी का मलवा के चपेट में आने की घटना के बाद से सिजुआ क्षेत्र के बाढ़ मुडीडीह कोलियरी के तेतुलमुडी की हिल टॉप का आउटसोर्सिंग पैच का भी कार्य ठप रहने से प्रबंधन व मजदूरो में खलबली मची हुई है, मजदूरो ने कहा कि घटना में पोकलेन ऑपरेटर मुन्ना चौहान के आश्रित को कंपनी द्वारा मुआवजा तो मिल गया,लेकिन कनकनी के लगभग 164 व तेतुलमुडी पैच के लगभग 170 मजदूरो को कार्य बंद रहने से कार्य नही कर पा रहे है,जबकि प्रबंधन सूत्रों की माने तो कंपनी को किसी नेता के कहने पर उनके समर्थकों द्वारा कंपनी का कार्य टी ठप रखा गया है,जिससे कंपनी में कार्यरत मजदूरो के समक्ष भुखमरी के कगार पर है,साथ ही बंदी के कारण कंपनी के कार्य मे लगे सभी वाहनों को खड़ा कर रखने के कारण प्रतिदिन के लाख का नुकसान कंपनी को हो रहा है,साथ ही बो कि कि एल प्रबंधन का भी प्रेसर है कि जनवरी फरवरी मार्च में टारगेट को पूरा करने व लाभ के लिये कंपनी कार्य अररभ होना आवश्यक है,तेतुलमुडी पैच में उपस्थित मजदूर सह बंद समर्थक प्रबंधन से वार्ता कर समस्या का समाधान निकालने की बात कही है।

सिमडेगा में महिला थाना के नए भवन का विधायक ने किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : सिमडेगा में आज महिला थाना के लिए नया हाईटेक थाना भवन का सौगात दिया गया। पहले सिमडेगा में महिला थाना महज दो कमरों के छोटे से भवन में चलता था। लेकिन इस छोटे भवन में महिला थाना के संचालन में दिक्कत होती थी। तब झारखंड पुलिस प्रशासन के द्वारा महिला थाना के लिए नया हाईटेक थाना भवन बनाया गया। जिसका उदघाटन आज सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा, कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी, उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री सौरभ ने विधिवत पूजा अर्चना कर फीता काट कर किया। इस नए महिला थाना भवन को डिजिटल व्यवस्था से सुसज्जित किया गया है। जिससे महिलाओं के मामले के अनुसंधान को बेहतर तरीके से जल्द निष्पादित किया जायेगा। साथ हीं इस नए थाना भवन में आकर्षक तरीके से बनाए गए पेंटिंग के जरिए महिला हिंसा को रोकने का संदेश लोगों को देने का प्रयास किया गया है। सिमडेगा और कोलेबिरा विधायक ने इस नए महिला थाना भवन की तारीफ करते हुए इसे सिमडेगा के लिए काफी उपयोगी थाना बताया। उन्होंने कहा कि अब महिलाओं को इस महिला थाना भवन में पहले की अपेक्षा और अधिक बेहतर तरीके से महिलाओं को सुरक्षा मिलेगी। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने भी इस नए महिला थाना भवन से सिमडेगा को भरपूर लाभ मिलने की बात कहीं। किसी भी भी कार्य तेजी से निष्पादन के लिए अपना बेसिक स्ट्रक्चर जरूरी होती है। पहले जो थाना था वह काफी छोटी थी। अब यहां बेहतर एवं तेजी से कार्य किया जाएगा। वहीं उपायुक्त ने कहा कि महिला थाना बनाने का उद्देश्य यही है कि महिलाओं के विरुद्ध जो अपराध होते हैं तो उनको जो बोलने या बात रखने झिझक होती है उसको दूर करने के लिए ही इस प्रकार के थाने बनाए जाते हैं जो विकसित देशों में नहीं है भारत में है लैटिन अमेरिका में है। उसी तरीके से हमारे देश में है। अब ये है कि महिलाओं को जो थाना बना उसकी कैसयत ऐसी होनी चाहिए की महिला जब आए निर्वात रूप से अपनी बात को सही ढंग से रख सके। इस दौरान जिला परिषद् सदस्य जोखिमा खाखा, जिला परिषद सदस्य शांति बाला केरकेट्टा, अपर समाहर्ता ज्ञानेंद्र, सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान, सदर अंचलाधिकारी मो० इम्तियाज अहमद सहित पुलिस पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि गण उपस्थित रहे।

मुरी के टुंगरी पहाड़ पर मेला का हुआ आयोजन

मुरी/सिल्ली : बुधवार के दिन मुरी के टूगरी पहाड़ पर टूगरी कमेटी की तरफ से मेला का आयोजन किया गया। बताते चले कि यह मेला काफी वर्षों से आयोजित होते आ रहा है। टुंगरी पहाड़ पर टुंगरी बाबा ग्राम देवता का प्रतिमा स्थापित है। पहाड़ पर सुबह से ही आसपास के ग्रामीण टुंगरी ग्राम देवता का पूजा अर्चना किया तथा समृद्धि और खुशहाली की कामना की साथ ही बाबा भोलेनाथ के मंदिर एवं मां दुर्गा के मंडप में भी ग्रामीणों ने पूजा अर्चना की। प्रत्येक वर्ष चैत्र मास में मां दुर्गा की नौ दिन आराधना भी होती है जिसमें श्रद्धालु बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं और पूजा करते हैं। आसपास के ग्रामीण हर त्यौहार में काफी श्रद्धा के साथ शामिल होते हैं। ग्रामीण बताते हैं की टुंगरी बाबा ग्राम देवता हम सभी ग्राम वासियों की रक्षा भी करते हैं। तत्पश्चात संध्या 3 बजे से मेले का आयोजन हुआ जिसमें काफी भीड़ उमड़ पड़ी। मेले में मुर्गा लड़ाई आकर्षण का केंद्र रहा जहां मुर्गा लड़ाई देखने के लिए लोगों का तांता लग गया। मेले में व्यापारियों द्वारा विभिन्न प्रकार की वस्तुओं की दुकानें सजाई गई थी जिसमें लोगों के द्वारा खरीदारी की गई। मेले में और भी विविध प्रकार की दुकानें एवं मनोरंजन के साधन उपलब्ध थे।

दो मोटरसाइकिल की आपस में भीड़ंत, दो युवक घायल

मुरी/सिल्ली : मुरी ओपी थाना क्षेत्र अंतर्गत रांची पुरुलिया मुख्य मार्ग पर यूनियन बैंक के समीप दो मोटरसाइकिल की आपस में भीड़ंत होने के कारण दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक गढ़गांव निवासी अनिल महतो एवं निवास महतो मोटरसाइकिल से पश्चिम बंगाल के तुलिन की ओर से आ रहे थे वही विपरीत दिशा सिल्ली की ओर से आ रहे मोटरसाइकिल सवार को धक्का मार दिया। धक्का मारने के बाद दोनो युवक बीच सड़क पर ही गिर कर घायल हो गए। तत्पश्चात ग्रामीणों के सहयोग से दोनों घायल युवक को ऑटो रिक्शा से इलाज हेतू सिल्ली सामुदायिक अस्पताल भेज दिया गया। अस्पताल में डॉक्टर मुकेश कुमार के द्वारा घायल युवकों का प्राथमिक उपचार किया गया।

गुमला में गुमशुदगी की घटना, सुमनती कुमारी की तलाश शुरू

गुमला : गुमला के चन्दाली गांव की सुमनती कुमारी, उम्र 26 वर्ष, जो अपने परिवार के साथ रहती थी, 13 जनवरी 2025 को सुबह 10 बजे घर से बिना किसी को बताए निकल गई। परिवार के सदस्यों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन अभी तक उसका कोई पता नहीं चला है। सुमनती कुमारी के परिवार ने गुमला थाना में शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस से उसकी तलाश करने का अनुरोध किया है। सुमनती कुमारी के परिवार के सदस्यों ने बताया कि वह दिमाग से थोड़ी मंदबुद्धि है, इसलिए उनकी चिंता और भी बढ़ गई है। पुलिस ने सुमनती कुमारी की तलाश शुरू कर दी है और आसपास के क्षेत्रों में उसकी तस्वीरें लगाई गई हैं।

मकर संक्रांति पर हुआ कार्यकर्ता मिलन समारोह का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया (गिरिडीह): मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी बुधवार को भाजपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय के आवास में कार्यकर्ता मिलन समारोह आयोजित किया गया. जहां बगोदर, बरकट्ठा, डुमरी, राजधनवार, गिरिडीह, जमुआ, गांडेय तथा कोडरमा विधानसभा क्षेत्र से हजारों की संख्या में नेता कार्यकर्ता पहुंचे। तिलकुट,खिचड़ी सहित विभिन्न व्यंजनों का लुफ्त उठाया। इस मौके पर भाजपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि मकर संक्रांति हमारी संस्कृति का एक ऐसा त्यौहार है जिस दिन से एक शुभ मुहूर्त की शुरूआत होती है। समाज के सभी लोग मिलजुल कर कैसे रहे इसका संदेश खिचड़ी से दी जाती है ताकि मिलजुल कर एक दूसरे को स्वादिष्ट करते रहे एक दूसरे का प्रेम अभाव में समाज की रचना हो उसका एक नया रस दिखाई देता है उन्होंने कहा कि भारत में जितने भी त्यौहार हैं वह सामाजिक एकता को मजबूत करने की बहुत ही शोध पूर्ण अवसर होता है यह परंपरा पूर्वजों के द्वारा चलाई हुई है.समाज की सामंजस्य मकर संक्रांति में दिखाई देता है. इस रूप में आज हम मकर संक्रांति मना रहे हैं साल भर में जिसे नहीं मिल पाए उनसे भी मिलने की कोशिश होती है इन्होंने आज के दिन सबको शुभकामनाएं दी तथा सबसे शुभकामनाएं लिंग इस मौके पर कोडरमा विधायक निराला यादव जमुना विधायक मंजू कुमारी, बरकट्ठा विधायक अमित यादव, हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, बगोदर विधायक नागेंद्र महतो , सचिंद्र कुमार सिंह, बबलू मंडल, उपस्थित रहे।

जंगली भालू के हमले से महिला घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चैनपुर : गुमला जिले के चैनपुर प्रखंड के कतींग पंचायत अंतर्गत सेमलाबरटोली के सेमला टोंगरी में एक भालू ने 45 वर्षीय रंजिता बेक पर हमला कर दिया। यह घटना तब हुई जब रंजिता जंगल से जलावन लकड़ी लाने गई थीं। अचानक हुए इस हमले में रंजिता गंभीर रूप से घायल हो गई। उनके कान, हाथ, आंख, और माथा सहित शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आई हैं। घटना की सूचना रंजिता के परिजनों ने तुरंत काटिंग मुखिया मधुरा मिंज को दी। मुखिया ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 108 एंबुलेंस को कॉल किया और घायल रंजिता को प्राथमिक उपचार के लिए सदर अस्पताल गुमला भेज दिया। मुखिया मधुरा मिंज ने गांव वालों से अपील की है कि वे सेमला टोंगरी की ओर न जाएं, क्योंकि इलाके में दो जंगली भालू प्रवेश कर चुके हैं। इन भालुओं के कारण जानमाल को खतरा उत्पन्न हो सकता है।

वन विभाग से मदद की आस

उन्होंने वन विभाग से भी आग्रह किया है कि वह इन भालुओं को जंगल से दूर भगाने के उपाय करें और ग्रामीणों को जागरूक करें, ताकि किसी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके। इस घटना ने क्षेत्र में दहशत फैला दी है। ग्रामीणों को सलाह दी गई है कि वे सतर्क रहें और किसी भी पशु के संपर्क में आने से बचें। इस मामले में वन विभाग की जल्द कार्रवाई की अपेक्षा की जा रही है ताकि गांववासियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। ग्रामीणों में गहरी चिंता और भय का माहौल है और वे वन विभाग की ओर से सुरक्षा उपायों के इंतजार में हैं। रंजिता के परिवार और अन्य ग्रामीणों ने अपनी चिंताओं को व्यक्त करते हुए कहा है कि यदि स्थिति नियंत्रण में नहीं आई, तो उन्हें अपने जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए और भी कदम उठाने पड़ सकते हैं।इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोकने के लिए उचित कदम उठाना आवश्यक है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों और ग्रामीणों का जीवन सुरक्षित बना रहे।

मकर संक्रांति पर मंदिरों में उमड़ी श्रदालुओं की भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चास प्रखण्ड पंचायत कुमहरी स्थित पौराणिक चेचकाधाम में मकर संक्रांति पर श्रदालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रदालुओं ने दामोदर नदी में स्नान कर शिवालय में पुजा अर्चना कर मन्नत मांगी। चेचकाधाम स्थित शिव मंदिर, पार्वती मंदिर, काल भैरवी, शीतला, माँ वैष्णवी, शनि, बजरंगबली, नंदी,गणेश, राधाकृष्ण, तथा भगवान विष्णु का पद चिन्हों का दर्शन कर पुजा अर्चना किया। पुजारी बाबा सरखेल, बिजय उपाध्याय, दिलीप पाठक, नारायण तिवारी, सदानंद उपाध्याय, बाबा मृतुंजय तिवारी, बुलबुल उपाध्याय, सुधीर पाठक, कीर्तन उपाध्याय, ने श्रदालुओं को पुजा अर्चना कराया। विधायक स्वेता सिंह ने चेचकाधाम में माथा टेके , पुजा अर्चना कर बोकारो चंदनकियारी सहित झारखण्ड बासियों के लिऐ सुख समृद्धि अमन चैन की दुवा मांगी। कहा चेचकाधाम के चहुंमुखी विकास का काम करेंगे। चेचकाधाम से निर्माण दामुदर पुल तक अधुरा संपर्क पथ को अबिलंब बनाया जायेगा। चेचकाधाम पर किसी प्रकार की समस्या को समाधान किया जायेगा। इस अवसर पर उनहोंने चेचकाधाम के सभी पुजारीयों को धोती गमछा देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर बाउल संप्रदाय चंदनकियारी दल द्वारा भजन कीर्तन किया गया। बगाउल संप्रदाय रसराज बाउल कीर्तन मंडली सुबलपाल, गौरांग दास, दिलीप, परमेस्वर सहित अन्य कलाकार ने संगीत प्रस्तुति किया। मुरलीधर बाबाजी के द्वारा श्रदालुओं के बीच दही गुड़ चुडाक। वितरण किया। इस अवसर पर ओकीम सरखेल, बिजय उपाध्याय, अध्यक्ष सागर दत्ता, सपन दत्ता, मधुसूदन दत्ता, शंकर दत्ता, कैलास कुमार, गुणधर दत्ता, दिनेश दत्ता, बुद्ध दत्ता, हराधन दत्ता, साधन दत्ता,आदि लोग उपस्थित थे।

पिंटू हत्याकांड में पुलिस कर रही जांच

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : कसमार के मधुकरपुर में बीते 12 जनवरी की रात पिंटू कुमार नायक को गोली मारकर हत्या के 48 घंटे बीतने के बाद भी पुलिस को अभी तक कोई ठोस सुराग नहीं मिला है। हालांकि पुलिस शीघ्र खुलासा करने का दावा कर रही है। मंगलवार को टेक्निकल सेल की मदद से मोबाइल के अंतिम बातचीत व लोकेशन के आधार पर पुलिस दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। खोजी कुत्ता के सहारे घर से लगभग 500 मौटर में अपराधियों के आने-जाने की की गतिविधि जानकारी मिली थी। इसके आगे अपराधी भागने में बाइक का सहारा लिया है। पुलिस अधिकारी की मानें, तो इस मामले को लेकर तीन बिंदुओं पर छानबीन की जा रही है।

मां सरस्वती देवी ने पुलिस को बताया कि ट्रेजरी ऑफिस में एक गलत बिल पास करने का दबाव भी फोन पर दिया जा रहा था, अन्यथा अंजाम भुगतने की धमकी मिली थी। कई वर्ष पहले ही पैतृक जमीन विवाद को लेकर पिंटू की भाभी सुनीता देवी से झगड़ा हुआ था। हालांकि एक जनप्रतिनिधि का कहना है कि भाभी के साथ जमीन विवाद पर समझौता हो चुका था। तीसरा मामला जो सामने आ रहा है, वह रांची के एक युवती से उनका प्रेम प्रसंग बताया जा रहा है। युवती की शादी अन्यत्र होने के बावजूद भी पिंटू प्रेमिका के घर आना-जाना करता था।

राइट टू वर्क के तहत संबंधित पदाधिकारियों पर लगाएं जुर्माना : उपायुक्त विजया जाधव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : समाहरणालय स्थित सभागार में बुधवार को उपायुक्त विजया जाधव ने जिला समन्वय समिति की बैठक की। बैठक में उप विकास आयुक्त गिरजा शंकर प्रसाद, डीआरडीए निदेशक मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, एसडीओ चास प्रांजल ढ़ांडा, एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, सभी संबंधित विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी बीडीओ/ सीओ/ बीपीओ आदि उपस्थित थे। उपायुक्त ने क्रमवार विभिन्न योजनाओं की प्रगति कार्य की समीक्षा की। इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण को पूरा करने का निर्देश दिया। समीक्षा क्रम में 152 आंगनबाड़ी केंद्रों में 118 पूर्ण है, जबकि 34 केंद्रों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। उपायुक्त ने आगामी 31 जनवरी 2025 तक सभी अपूर्ण आंगनबाड़ी केंद्रों को पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने केंद्र परिसर में कम से कम 05 फलदार पौधा लगाने को कहा। इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

अबुआ आवास योजना के प्रगति की समीक्षा क्रम में उपायुक्त ने मनरेगा के तहत निमार्णाधीन अबुआ आवास में स्वीकृति के विरूद्ध मास्टर रोल जनरेट की संख्या कम होने पर नाराजगी जताई।

उन्होंने संबंधित प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी को आवास स्वीकृति के अनुरूप मास्टर रोल जेनरेट कर मानव दिवस सृजित करने को कहा। उन्होंने मानव दिवस का सृजन नहीं होने से आवास के लाभुकों का राइट टू वर्क का अधिकार पूरा नहीं होने को लेकर संबंधित पंचायत सचिव, संबंधित प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी एवं संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी पर जुमार्ना लगाकर राशि प्राप्त करने का संबंधित अधिकारी को निर्देश दिया। वहीं, समाज कल्याण के तहत संचालित योजनाओं की समीक्षा क्रम में सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना में लक्ष्य अनुरूप प्रदर्शन को लेकर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता से जानकारी ली। इस दौरान शिक्षा विभाग से अध्ययनरत छात्राओं के आवेदन प्रपत्र में अंतर की जानकारी दी। उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री जगरनाथ लोहरा से 6,371 अंतर के आवेदनों को बैठक कर समाधान करने को कहा।

कार्यालय, उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी,राँची
(जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग)

शुद्धि पत्र
PR-344228

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) 2025 के अवसर पर मोरहाबादी मैदान, राँची में महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड राँची की झाँकी के निर्माण (झांकी का थीम– झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना) के लिए अनुभवी संस्थानों/फर्मों से अति आवश्यकालीन निविदा (दैनिक समाचार पत्रों में दिनांक– 14.01.2025 को प्रकाशित) आमंत्रित किया गया था. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि को निम्नवत संशोधित किया जाता है :–

निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि	पूर्व में प्रकाशित तिथि	संशोधित तिथि
	दिनांक– 21.01.2025 के पूर्वाह्न – 12:30 बजे	दिनांक– 21.01.2025 के अपराह्न – 12:30 बजे

निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेंगी।

ह०/–
सहायक निदेशक,
सामाजिक सुरक्षा, राँची

PR 344288 District(24-25).D

GOVERNMENT OF JHARKHAND
O/o THE EXECUTIVE ENGINEER,
NATIONAL HIGHWAY DIVISION
Din Dayal Nagar, Booty Road, Ranchi-834008 (Jharkhand)

Short Term Maintenance Contracts
NOTICE INVITING TENDER
NIT No. - NH/RANCHI/STMC/2024-25/08 Dated: 13.01.2025

Application in the prescribed format form eligible contractors for Request for Proposal Short Term Maintenance Contracts (STMC) mode are invited for following project in two bid systems, (Technical & Financial)

Sl. No.	Name of Work	State	Length	Approximate Cost (Rs. In Lakh)	Cost of RFP document in Rs	Bid Security (Rs. In Lakh)	Contract Duration* (Month)
1	Short Term Maintenance Contract (STMC) work for the stretch from Km 39.10 to Km 85.56 of NH-143AG in the state of Jharkhand for the year 2024-25	Jharkhand	45.46 Km	483.49442	10,000/- (RFP) 1,800/- (GST)	4.84	12 (Twelve)

Important Dates.

1.	Date of Issue of Notice Inviting RFP	13.01.2025
2.	Last Date For Receiving Queries	03.02.2025
3.	Pre-BID Meeting At Venue (as mentioned in RFP)	04.02.2025 at 12:30 Hrs
4.	Authority Response To Queries Latest by	05.02.2025
5.	Period of Sale of Bid Document	From 21.01.2025 12:00 HRS to 20.02.2025 up to 15:00 HRS Through official portal of : [https:// eprocure.gov.in]
6	BID Due Date	Date 20.02.2025 Up to 15:00 HRS Through official portal of : [https:// eprocure.gov.in]
7.	Last date of physical submission of bid security, POA and other documents in original	24.02.2025, up to 12.00 HRS
8.	Time and Date of Opening Technical Bid (RFP)	Date 24.02.2025 15:00 HRS Through official portal of : [https:// eprocure.gov.in]
9.	Time and Date Opening Financial Bid	To be notified. Through official portal of : [https:// eprocure.gov.in]
10.	Place of Opening of Bids	Office of the Chief Engineer, NH Wing, Jharkhand, Ranchi Through official portal of: [https:// eprocure.gov.in]
11.	Bid Validity	120 Days From the Bid Due Date.
12.	Officer Inviting Bids	Executive Engineer N.H Division, Ranchi, Jharkhand.

(a). Copy of online receipt paid through BHARATHKOSH portal towards payment of cost of bid document of Rs.10,000/- (Rupees ten thousand only) (PAO: 034756 in "Regional Pay Accounts Officer [RPAO (NH), Kolkata code No. 034756 and DDO Code No. 202122 Purpose: Sale of Tender Documents]. Rs.1800/- (Rs. One Thousand Eight Hundred only) applicable on the sale of tender document shall be submitted in the form of Demand Draft favoring "Regional Pay & Account Officer (NH) MORTH, Kolkata", Payable at Kolkata or Net Banking towards cost of Tender Document of 10,000/- (Rupees ten thousand only) and GST of Rs. 1800/- (Rs. One Thousand Eight Hundred only).

Executive Engineer
NH Division, Ranchi

PR.NO.344293 Road(24-25):D

कार्यालय मेदिनीनगर नगर निगम।
ज्ञापांक ..... दिनांक .....

अतिअल्पकालीन ई0–कोटेशन आमंत्रण सूचना संख्या UDHD/MMC/27/2024-25

मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत निगम द्वारा संचालित जलापूर्ति योजनाओं (WTP) और चापाकल से संबंधित कार्य कराने के लिए सामग्री क्रय की आवश्यकता है। इच्छुक सामग्री निर्माण कम्पनी या निर्माण कम्पनी द्वारा अधिकृत एजेन्सी को ई0–कोटेशन के माध्यम से दिनांक 24.01.2025 को 1.00 बजे अपराह्न तक निर्दिष्ट सामग्रियों की दर जमा करना होगा। ई0 कोटेशन के साथ निविदा आमंत्रण शुल्क मो0 5,000/- रू0 एवं सुरक्षित जमा राशि मो0 60,000/- रू0 ऑन लाईन करना अनिवार्य होगा। निविदा शुल्क की राशि वापस नहीं की जाएगी। निविदा/कोटेशन दिनांक 25.01.2025 को 2:00 बजे अपराह्न नगर निगम कार्यालय में निविदा समिति के समक्ष खोली जाएगी। कोटेशन दाखिल करने वाले कोटेशनदाता अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि कोटेशन खोलने के समय उपस्थित रह सकते है। जलापूर्ति योजनाओं (WTP) और चापाकल से संबंधित सामग्री क्रय किये जाने से संबंधित सामग्रियों की विस्तृत विवरणी निम्नवत् है :–

MATERIALS REQUIRED FOR WTP

S.L	Items Name	Specification	Quantity
1	Alum		1 ton
2	Bleaching (Aditya Birla)		1 ton
3	Lime (Hydrated Lime)		1 ton
4	Galarsuta	8, 10, 12 & 16mm, 20 mm	1 nos. each
5	Grease (Castrol/Servo/AHC)		1 kg
6	Coupling Tyre	15, 16 & 17 no.	1 nos. each
7	Nut & bolt, WASHER	Different Sizes	1 no. each/ 1 kg
8	Tyre coupling Set	15,16 & 17 No	1 no.
9	Rubber (for Gasket)		1 kg
10	Copper Lug	All Size	1 no. each
11	Alluminum Lug	All Size	1 no. each
12	Relay (L&T/Havells)	250 amp.	1 no.
13	Contactor (L&T/Havels)		1 no.
14	3 core copper and aluminum wire	50 mm	1 m
15	Copper and aluminum wire	16 mm	1m
16	Transformer oil		1 Lit.
17	Sluice Valve	4",8"	1 no
18	Check valve	4",8"	1 no

MATERIALS REQUIRED FOR HAND PUMP

S.L	Items Name	Specification	Quantity
1	Handle (Bharat/India Mark II)		1 no.
2	Head (Bharat/India Mark II)		1 no.
3	Body (Bharat/ India Mark II)		1 no.
4	Chain		1 no.
5	Axle (heavy)		1 no.
6	Bearing		1 no.
7	Connecting Rod (4 sara)	10' Length	1 no.
8	G.I PIPE (TATA /JINDAL/SUPREME)	10' Length , 32 mm dia.	1 no.
9	Cylinder (Gun metal)	2.5"	1 no.
10	Black Tape	1" & 2"	1 no.
11	1/2" plug , PVC		1 no.
12	M-seal	90 g each box	1 pack (6 Box)
13	Rod Coupling		1 no.
14	Pipe Coupling (TATA)	1.25" (32 mm)	1 no.
15	Front cover (Bharat/ India Mark II)		1 no.
16	Check Valve with Washer		1 no.
17	Cylinder Ring (lather)		1 no.
18	Hand pump washer (Burhani)		1 no.

NOTE :- Only E-Tender will be accepted. Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in & Notice Board office of the Medininagar Municipal Corporation

ह0/–
अपर आयुक्त –सह सचिव
मेदिनीनगर नगर निगम

PR 344272 District(24-25)D

भीषण आग से अमेरिका ही नहीं, दुनिया सबक ले

ललित गर्ग

आज अमेरिका विकास की चरम अवस्था पार कर चुका है। यह आशंका सदैव बनी रही है कि अनियंत्रित विकास एवं प्रकृति विनाश के प्रति समय रहते नहीं चेतने की कीमत सृष्टि के विनाश एवं मानवता के धंस से चुकानी होती है, धरती का पर्यावरण नष्ट हो जाता है। धरती पर मंडराते इसी संकट का प्रतीक है यह आग। बात बहुत ही सीधी सी है कि जब तक प्रकृति डराती नहीं विकास की राहें ऐसे ही बेतहाशा एवं अनियंत्रित आगे बढ़ती रहती हैं।

अमेरिका के लॉस एंजेलिस में जंगल की बेकाबू आग फेलने, भारी तबाही, महाविनाश और भारी जन-धन की क्षति ने साबित किया है कि दुनिया की नंबर एक महाशक्ति भी कुदरत के रौद्र के सामने बौनी ही साबित हुई है। न केवल अमेरिका के इतिहास में बल्कि दुनिया के इतिहास यह जंगल की आग सबसे भयावह, सर्वाधिक विनाशकारी एवं डरावनी साबित हुई है। आग धीमी होने का नाम नहीं ले रही है। बल्कि और तेजी से बढ़ती जा रही है और इसका कारण 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाएं हैं। ये हवाएं इस आग को और भड़का रही हैं, तबाही का मंजर बन रही है, जिसे रोकना अमेरिका प्रशासन के लिए एक चुनौती बन गया है। अमेरिकी सेना के सी-130 विमान और फायर हेलीकॉप्टर हर संभव कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हवा की गति और आग की लपटों की ताकत के आगे दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के तमाम प्रयास नाकाफी एवं बेबस साबित हो रहे हैं।

अनियंत्रित विकास, पर्यावरण की घोर उपेक्षा एवं भौतिकतावादी सोच इस आग का बड़ा कारण है। खरबों रुपये की संपत्ति और प्राकृतिक संपदा के नष्ट होने के अलावा करीब दो लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। आलीशान बंगलों, सरकारी संरचना तथा नागरिक सुविधा के साधनों के स्वाह होने के साथ करीब 24 लोगों के मारे जाने की खबर है। करीब दो लाख लोगों को घर-बार छोड़कर जाने के लिये तैयार रहने को कहा गया है। अमेरिका संस्कृतिविहीन देश बनता जा रहा है- यह राष्ट्र भौतिक विकास, पर्यावरण उपेक्षा एवं शस्त्र संस्कृति पर सवार है। वहां के नागरिक अपने पास जितने चाहें, उतने भौतिक संसाधन रख सकते हैं। सुविधावादी जीवनशैली के शिखर एवं तमाम सुरक्षा परिस्थितियों में जीने के बावजूद यह देश आज कितना असहाय एवं बेबस है। विकास की बोली बोलने वाला, विकास की जमीन में खाद एवं पानी देने वाला, दुनिया में आधुनिकता, तकनीक एवं विकास की आंधी लाने वाला अमेरिका जब खुद ऐसी भीषण आग की तबाही का शिकार होने लगा तो उसकी नींद टूटी हैं, उसे अपनी असलियत का पता लगा।

दुनिया को सुरक्षा एवं विकास का आश्वासन देने वाला देश आज खुद अपनी रक्षा नहीं कर पा रहा है। वहां के आधुनिक तकनीक से लेस दमकल विभाग व सुरक्षा बलों की तमाम कोशिशों के बावजूद आग बेकाबू है। लोग असहाय होकर अपनी जीवन भर की पूंजी को स्वाह होते देख रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते तल्ख होते मौसम

से हालात और खराब होने की आशंका जतायी जा रही है। आग के बाद का जो मंजर नजर आ रहा है उसे देखकर ऐसा लगता है मानो कोई बम गिराया गया हो। विडंबना यह है कि आपदा में अवसर तलाशने वाले कुछ लोग खाली कराये गए घरों में लूटपाट से भी बाज नहीं आ रहे हैं। हॉलीवुड हिल्स इलाके में करीब साढ़े पांच हजार से अधिक इमारतों के नष्ट होने की खबर है। कई नामी फिल्मी हस्तियों के घर, जैसे बिली क्रिस्टल, मैंडी मूर, जेमी ली कर्टिस और पेरिस हिल्टन शामिल हैं एवं व्यावसायिक इमारतें व सार्वजनिक संस्थान आग की भेंट चढ़े हैं। वहां की आस्थाएं एवं निष्ठाएं इतनी जख्मी हो गयी कि विश्वास जैसा सुरक्षा-कवच मनुष्य-मनुष्य के बीच रहा ही नहीं। साफ चेहरों के भीतर कौन कितना बदसूरत एवं उन्मादी मन समेटे है, कहना कठिन है। अमेरिका की विकास की होड़ एवं तकनीकीकरण की दौड़ पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। ईश्वर की बनायी संरचना में दखल का ही परिणाम है कि प्रकृति इतना रौद्र एवं विध्वंसक रूप धारण किया है।

अमेरिका आज दुनिया में प्रकृति के दोहन, अपराध का सबसे बड़ा अड्डा है और हिंसा की जो संस्कृति उसने दुनिया में फैलाई, आज वह स्वयं उसका शिकार है। अमेरिका के इतिहास में यह जंगल की आग सबसे भयावह साबित हुई है। चिंता की बात यह है कि इलाके में हाल-फिलहाल बारिश होने की संभावना नहीं है, जिससे जंगल की आग जल्दी काबू में आ सकती। एक बड़े इलाके में बिजली आपूर्ति ठप होने व पानी की आपूर्ति में बाधा संकट को और बढ़ा रही है। लोगों की सुरक्षित स्थानों में जाने के लिये अफरा-तफरी से जगह-जगह ट्रैफिक जाम लग रहे हैं। पानी का दबाव कम होने से दमकल कर्मियों को आग बुझाने में परेशानी आ रही है। घोर अव्यवस्था एवं कुप्रशासन फैला है। दरअसल यह आग लॉस एंजेलिस के उत्तरी भाग में लगी, जिसने बाद में कई बड़े शहरों को अपनी चपेट में ले लिया। तेज हवाओं व सूखे मौसम के कारण आग ज्यादा भड़की है। सूखे पेड़-पौधे तेजी से आग की चपेट में आ गए। हालांकि, आग लगने का ठोस कारण अभी तक पता नहीं चला है। हकीकत है कि जंगलों में 95 फीसदी आग इंसानों द्वारा ही लगायी जाती है। वैसे जलवायु परिवर्तन प्रभावों के चलते बदले हालात में अब पूरे साल आग लगने की आशंका बनी रहती है।

अमेरिका दुनिया पर अपना एकछत्र शासन चाहता है। कनाडा, ग्रीनलैंड एवं पनामा को अमेरिका में शामिल करना चाहते हैं। मतलब सीधा सा है जिसकी लाठी उसकी भैंस यानी पावर और पैसे के बल पर खुद को बलवान और सुपरपावर मुल्क समझने वाला अमेरिका एक आग के आगे बेबस नजर आ रहा है। कैलिफोर्निया के दक्षिणी हिस्से में शुरू हुई इस जंगल की आग ने अब लॉस एंजलिस जैसे बड़े शहर को राख बना दिया है। पैलिसेड्स में 20 हजार एकड़, ईटन में 14 हजार एकड़, कैनेथ में 1000 एकड़, हर्स्ट में 900 एकड़, लिडिआ में 500 एकड़ में आग फैली है। इन इलाके में राख के बारीक कणों व धुएं की चादर के कारण स्थानीय स्वास्थ्य इमरजेंसी घोषित की गई है। लोगों का जीवन इन सभी स्थानों पर दुर्भर हो गया है। लॉस एंजलिस की इस आग ने न केवल जीवन और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है, बल्कि सूखे और जलवायु परिवर्तन के प्रति गंभीर चेतावनी भी दी है। इससे निपटने के लिए दीर्घकालिक समाधान तलाशना बेहद जरूरी है।

आज अमेरिका विकास की चरम अवस्था पार कर चुका है। यह आशंका सदैव बनी रही है कि अनियंत्रित विकास एवं प्रकृति विनाश के प्रति समय रहते नहीं चेतने की कीमत सृष्टि के विनाश एवं मानवता के धंस से चुकानी होती है, धरती का पर्यावरण नष्ट हो जाता है। धरती पर मंडराते इसी संकट का प्रतीक है यह आग। बात बहुत ही सीधी सी है कि जब तक प्रकृति डराती नहीं विकास की राहें ऐसे ही बेतहाशा एवं अनियंत्रित आगे बढ़ती रहती हैं। किंतु जब प्रकृति मुस्कुराना भूल जाए तो वह विकास, विकास नहीं रहता। वहाँ कृत्रिमता दस्तक देने लगती है, धरती करवट बदलने लगती है, अम्बर चीत्कार कर उठता है तब मनुष्य को समझ लेना चाहिए कि अब विनाश की पदचाप सुनाई देने लगी हैं। अपनी राहें सुरक्षित रखने के वास्ते राहों को मोड़ने पर विचार करना चाहिए। जिद एवं अहंकार में बाजी पलट सकती है, वरना विनाश का दावानल अमेरिका की आग की तरह सब कुछ राख कर देता है। ह्यमन जो चाहे वही करोह्न की मानसिकता वहां पनपती है जहां ईश्वर की सत्ता एवं इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, ऐसी स्थिति में शक्तिशाली देश अपनी अनंत शक्तियों को भी बौना बना देता है। यह दकियानूसी ढंग है भीतर की अस्तव्यस्तता को प्रकट करने का। ऐसे देशों एवं लोगों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे लोगों में संतुलित विकास, शांतिपूर्ण सहजीवन, सृष्टि का संतुलन एवं सर्वोच्च ईश्वर सत्ता के प्रति सम्मान आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। एक राष्ट्र मूल्यहीनता, प्रकृति उपेक्षा एवं अहंकारी सोच में कैसे शक्तिशाली बन सकता है? पक्षी भी एक विशेष मौसम में अपने घोंसले बदल लेते हैं। पर मनुष्य अपनी वृत्तियां नहीं बदलता। वह अपनी वृत्तियां तब बदलने को मजबूर होता है जब दुर्घटना, दुर्दिन या दुर्भाग्य का सामना होता है। अमेरिका की आग पक्षियों के इस संदेश को समझने व समय रहते जागने को कह रही है। इस आग से अमेरिका ही नहीं, समूची दुनिया को सबक लेने की जरूरत है।

संपादकीय

सही दिशा में कश्मीर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कश्मीर के गांदरबल जिले में 6.5 किमी. लंबी जेड़ मोड़.सुरंग का उद्घाटन करते हुए कहा कि 'कश्मीर देश का मुकुट है, इसलिए मैं चाहता हूं कि यह ताज और सुंदर तथा समृद्ध हो।' उन्होंने आगे यह भी कहा, 'मैं बस इतना चाहता हूं कि दूरियां अब मिट गई हैं, हमें मिल कर सपने देखना चाहिए, संकल्प लेना चाहिए और सफलता हासिल करनी चाहिए।' लेकिन इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का दिया गया भाषण ज्यादा महत्त्वपूर्ण और प्रासंगिक है, जिसके अनेक निहितार्थ निकाले जा सकते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि 'पंद्रह दिन के अंदर पहले जम्मू को रेलवे डिवीजन और अब टनल, इन परियोजनाओं से न सिर्फ दिल की दूरी, बल्कि दिल्ली से दूरी भी कम हो जाती है।' प्रधानमंत्री मोदी के भाषण का उल्लेखकरते हुए मुख्यमंत्री उमर ने कहा, 'मेरा दिल कहता है कि प्रधानमंत्री बहुत जल्द जम्मू-कश्मीर के लोगों को किया गया अपना तीसरा वादा भी पूरा करेंगे, जो राज्य का दर्जा बहाल करना है।' मुख्यमंत्री के भाषण से प्रतीत होता है कि उनका कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मोहभंग हुआ है और उन्होंने अच्छी तरह से समझ लिया है कि अगर जम्मू-कश्मीर का विकास करना है और यहां व्यवस्थित सरकार चलानी है तो प्रधानमंत्री मोदी के सहयोग से ही चला सकते हैं, टकराव से नहीं। अगर मोदी का सहयोग मिलता रहेगा तो केंद्र का अनावश्यक हस्तक्षेप भी नहीं होगा। जाहिर है कि इस पर्वतीय प्रदेश में राज्य सरकार और केंद्र के बीच सहयोग से ही लोकतंत्र मजबूत होगा, शांति और स्थिरता आएगी। आतंकवाद और अलगाववाद परास्त होगा। किसी भी क्षेत्र के विकास के लिएये आवश्यक शर्त है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान राज्य में आतंकी घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। संतोषजनक विकास भी हुआ है जिसके कारण पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिला है। राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अपने भाषण के जरिए समझदारी का परिचय दिया है और अच्छी बात यह है कि यहां के मुसलमान भी अच्छी तरह समझने लगे हैं कि कश्मीर का भविष्य अस्थिर, अराजकताग्रस्त और आर्थिक रूप से संकटग्रस्त पाकिस्तान जैसे देश के साथ नहीं है, बल्कि भारत जैसे लोकतांत्रिक, स्थिर और आर्थिक रूप से मजबूत देश के साथहै। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला कश्मीरी अवाम की इसी सोच का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

चिंतन-मनन

जो हो रहा है उसके जिम्मेदार हम खुद हैं

हम मनुष्यों की एक सामान्य सी आदत है कि दु?ख की घड़ी में विचलित हो उठते हैं और परिस्थितियों का कसूरवार भगवान को मान लेते हैं। भगवान को कोसते रहते हैं कि हे भगवान हमने आपका क्या बिगाड़ा जो हमें यह दिन देखना पड़ रहा है। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है कि जीव बार-बार अपने कर्मों के अनुसार अलग-अलग योनी और शरीर प्राप्त करता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक जीवात्मा परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर लेता। इसलिए जो कुछ भी संसार में होता है या व्यक्ति के साथ घटित होता है उसका जिम्मेदार जीव खुद होता है। संसार में कुछ भी अपने आप नहीं होता है। हमें जो कुछ भी प्राप्त होता है वह कर्मों का फल है। इश्वर तो कमल के फूल के समान है जो संसार में होते हुए भी संसार में लिप्त नहीं होता है। ईश्वर न तो किसी को दुःख देता है और न सुख। इस संदर्भ में एक कथा प्रस्तुत है? गौतमी नामक एक वृद्धा ब्राह्मणी थी। जिसका एक मात्र सहारा उसका पुत्र था। ब्राह्मणी अपने पुत्र से अत्यंत स्नेह करती थी। एक दिन एक सर्प ने ब्राह्मणी के पुत्र को डंस लिया। पुत्र की मृत्यु से ब्रह्मणी व्याकुल होकर विलाप करने लगी। पुत्र को डंसने वाले सांप के ऊपर उसे बहुत प्रोध आ रहा था। सर्प को सजा देने के लिए ब्राह्मणी ने एक सपेरे को बुलाया। सपेरे ने सांप को पकड़ कर ब्राह्मणी के सामने लाकर कहा कि इसी सांप ने तुम्हारे पुत्र को डंसा है, इसे मार दो। ब्राह्मणी ने संपरे से कहा कि इसे मारने से मेरा पुत्र जीवित नहीं होगा। सांप को तुम्ही ले जाओ और जो उचित समझो सो करो। सपेरा सांप को जंगल में ले आया। सांप को मारने के लिए सपेरे ने जैसे ही पत्थर उठाया, सांप ने कहा मुझे क्यों मारते हो, मैंने तो वही किया जो काल ने कहा था। सपेरे ने काल को ढूंढा और बोला तुमने सर्प को ब्राह्मणी के बच्चे को डंसने के लिए क्यों कहा। काल ने कहा ब्राह्मणी के पुत्र का कर्म फल यही था। मेरा कोई कसूर नहीं है। सपेरा कर्म के पहुंचा और पूछा तुमने ऐसा बुरा कर्म क्यों किया। कर्म ने कहा मुझ से क्यों पूछते हो, यह तो मरने वाले से पूछो मैं तो जड़ हूं। ....

सर्द मौसम की ठिठुरन में धधकता सियासी गलियारा

डॉ हिदायत अहमद खान

राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड के साथ घने कोहरे की चादर ने जहां आम लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित करके रख दिया है, वहीं सियासी गलियारा नेताओं की जुबानी जंग से गरमाया हुआ है। इस चुनावी बेला में कोई किसी को चोर तो कोई महाचोर कहने से गुरेज नहीं कर रहा है। इस तरह सफेदपोशों को एक-दूसरे के दामन में दाग ही दाग नजर आ रहे हैं, जिन्हें सत्ता के डिटरजेंट से साफ करने की जुगाड़ भिड़ाने में भी कोई पीछे नहीं रहना चाहता है। घने कोहरे के कारण दृश्यता का बेहद कम हो जाना कोई नई बात नहीं है, लेकिन दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी दृष्यता जो पहले कभी साफ नजर आती थी, फिलहाल भ्रमित करने वाली प्रतीत हो रही है। इसकी मुख्य वजह गठबंधन से इतर सभी अपना-अपना दांव खेलने को आतुर हैं। जो पहले कभी दोस्ती की डींगें हांकते थे वो भी खानदानी दुश्मनों की तरह, एक दूसरे को फूटी आंख नहीं सुहा रहे हैं। ऐसे हालात में मौजूदा आम आदमी पार्टी आगे भी दिल्ली की कुर्सी पर विराजमान रहेगी या फिर कांग्रेस या भाजपा किसका दांव सफल होगा यह देखने वाली बात है। आखिर अगली सरकार किसकी होगी? जीत के दावे तो सभी अपने स्तर पर कर ही रहे हैं। जीतने के माकूल कारण भी बखूबी गिनाए जा रहे हैं, लेकिन जनता-जनार्दन जिसे इसका फैसला करना है वह मूक दर्शक बनी सभी को परखने में लगी हुई है। खास बात यह है कि मुफ्त की रेवड़ियां बांटने में कोई पीछे नजर नहीं आ रहा है। इसलिए काम और लोक-लुभावन वादों से चुनाव जीतने वाला फामूर्ला इस समय लागू होता नहीं दिख रहा है। जहां तक चुनावी तैयारी की बात है तो यहां चुनाव आयोग विधानसभा चुनाव की तिथि घोषित करता उससे पहले ही आम आदमी पार्टी ने अपने प्रत्याशियों की सूची जारी करते हुए बतला दिया था कि उसके आगे किसी और की चलने वाली नहीं है। यह अलग बात है कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर शिकंजा कसा हुआ है और वो बहुत ज्यादा दायं-बांय नहीं हो सकते हैं। मौजूदा सीएम आतिशी पर भी चुनाव आचार संहिता को लेकर मामला दर्ज कराया जा चुका है। मतलब साफ है कि तू डाल-डाल तो मैं पात-पात वाली कहावत को चरितार्थ किया जा रहा है। वैसे भी सवाल यह है कि केंद्र में रहते हुए भाजपा आखिर ऐसा कैसे होने दे सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार और खासतौर पर भाजपा दिल्ली चुनाव को लेकर खासी गंभीर नजर आ रही है। अतः पिछले चुनावों की ही तरह इस चुनाव में भी भाजपा नेता लगातार साम-दाम, दंड, भेद की नीति को अपनाए हुए हैं और कोशिश में हैं कि किसी भी तरह से इस बार दिल्ली उनके पाले में आ जाए। वैसे भी प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की जोड़ी सत्ता की कमान संभालने के बावजूद हमेशा ही चुनाव मोड में रहते आए हैं। हर कार्य को चुनावी तराजू में तौलने का कार्य बखूबी किया जाता रहा है। यही वजह है कि सरकारी योजनाओं से लेकर आधारशिलाएं रखने और उद्घाटन करने तक को चुनावों को साधने वाला बताया जाता रहा है। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि इस ठिठुरन में भी प्रधानमंत्री मोदी राजधानी से लेकर जम्मू-कश्मीर तक लोगों को लुभाने का कोई मौका हाथ से जाने नहीं दे रहे हैं। यही वजह है कि चुनावी विश्लेषक कहते दिख जाते हैं कि इस बार दिल्ली में कुछ नया होने वाला है। इस बात में दम भी है, क्योंकि कोहरे के बीच दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मुंबई के लिए पीएम मोदी जहां उड़ान भरते हैं, वहीं भाजपा नेता दिल्ली चुनाव में बेहतर परिणाम के लिए कमर कस गलि-मोहल्ले में निकलते दिखे हैं। इस ठिठुरन भरी सुबह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मुंबई के लिए उड़ान भरी। मुंबई पहुंचे तो वहां पर नौसेना के तीन प्रमुख युद्धपोत - आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरि, और आईएनएस वाघशीर - को राष्ट्र को समर्पित कर मोदी है तो मुमकिन है वाला संदेश भी दे दिया। वैसे यह सच है कि नौसैना को समर्पित युद्धपोत वाकई भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मील का पत्थर साबित होने जैसा ही काम है। इन सब से हटकर यदि बात कांग्रेस की करें तो वह भी किसी भी स्तर पर अन्य से पीछे नहीं दिख रही है। यही वजह है कि इस सर्द सुबह और कोहरे के बीच कांग्रेस की पूर्व अध्यक्षा सोनिया गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे नई दिल्ली में पार्टी के नए मुख्यालय इंदिरा भवन का उद्घाटन करते नजर आ गए हैं। इस खास मौके पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव व वायनाड सांसद प्रियंका गांधी समेत कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता व अनेक नागरिक उपस्थित थे। इससे यह संदेश जाता है कि कांग्रेस इस बार दिल्ली चुनाव में अपने पूरे दम-खम के साथ उतरी है और कुछ बेहतर करने की दृढ़ इच्छा रखती है। पहले कभी कांग्रेस का गढ़ रही दिल्ली अब एक बार फिर कुछ नया करके दिखाने को आतुर दिख रही है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि सरकार बदल जाएगी और रजनीति थम जाएगी, बल्कि चुनाव से लेकर चुनाव बाद तक सियासी गलियारा धधकता रहने वाला है। इसकी मुख्य वजह प्रमुख नेताओं पर जो केस चल रहे हैं और लगातार मामले दर्ज हो रहे हैं उसका दूरगामी परिणाम भी इस चुनाव में असर छोड़ने वाला है। अंततः दिल्ली का मतदाता क्या सोचता है और किसे अपना हितैषी मानता है यह तो उसके मन की बात है। बावजूद इसके आम आदमी पार्टी ने जिस तरह से दिल्ली सरकार को चलाया और लोगों को अपने कार्यों और निर्णयों से जोड़े रखा उससे संदेश तो यही जाता है कि उससे सत्ता छीनना भाजपा और कांग्रेस के लिए टेढ़ी खीर साबित होने वाला है।

प. बंगालः तृणमूल में 'खेला' तो होगा

शंकर जालान

'खेला होबे', खेला होबे', यानी खेल होगा, खेल होगा? वाले जिस लोकप्रिय चुनावी नारे के बलबूते तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 2021 (पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव) और 2024 के लोक सभा चुनाव में भाजपा समेत तमाम विरोधी दलों को धूल चटाते हुए चुनावी रण से बाहर का रास्ता दिखाया था, मौजूदा समय में वही 'खेला' टीएमसी के भीतर होते दिख रहा है। बुआ (ममता बनर्जी) और भतीजे (अभिषेक बनर्जी) के बीच इन दिनों जो चल रहा है, उसे देखते हुए लगता है कि जल्द ही टीएमसी में भी कुछ बड़ा 'खेला' होने वाला है।

वैसे कई दफा और कई मुद्दों पर बुआ-भतीजे में मतभेद की खबरें आती रही हैं, लेकिन बीते दिनों अभिषेक के करीबी और विश्वासपात्र माने जाने वाले दो नेताओं (पूर्व सांसद डॉ. शांतनु सेन और अराबुल इस्लाम) को बाहर का रास्ता दिखा कर ममता ने बताने की कोशिश की है कि पार्टी में सर्वेसर्वा केवल वे ही हैं। टीएमसी के कुछ नेता यह जरूर चाहते हैं कि भुआ-भतीजे का विवाद जल्द समाप्त हो जाए लेकिन विपक्ष विशेषकर भाजपा चाहती है कि भुआ-भतीजे के बीच दूरियां जितनी बढ़ेंगी, आगामी विधानसभा चुनाव में जीत उसके उतनी ही करीब होगी। मालूम हो कि 2026 में पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिए चुनाव होने हैं। गत लोक सभा चुनाव में राज्य में मिली करारी हार के बाद भाजपा अभी तक सूबे में अपना संगठन मजबूत नहीं कर पाई है। प्रदेश के भाजपा नेता चाहते हैं कि उनका संगठन चाहे मजबूत हो न हो, लेकिन टीएमसी का संगठन जरूर कमजोर हो जाए। सांगठनिक ताकत के तौर पर वाम मोर्चा और कांग्रेस भी नये सिरे से अपनी शुरूआत के पक्ष में हैं। 2011, 2016 और 2021 में जीत यानी हैट्रिक लगाने वाली टीएमसी अपना घर ठीक से नहीं चला पा रही है। ममता पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी की मुखिया हैं, तो अभिषेक पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से सांसद हैं। सभी जानते हैं कि ममता के बूते ही अभिषेक को पहचान मिली, कई दफा सांसद बनने का मौका मिला और पार्टी में महासचिव जैसा महत्त्वपूर्ण पद भी, लेकिन अब अभिषेक की महत्त्वाकांक्षा और पार्टी में दखलअंदाजी बढ़ गई है, जो ममता को रास नहीं आ रहा।

अंदरखाने सूत्रों ने बताया कि इन दिनों भुआ-भतीजे के रिश्ते में पहली वाली मधुरता नहीं है। दोनों के बीच कई बार मतभेद और रार हो चुकी हैं, लेकिन अब लड़ाई सतह पर आती नजर आ रही है। भुआ-भतीजे के मनमुटाव का असर पार्टी की सेहत पर न पड़े, इसे लेकर टीएमसी के वरिष्ठ नेताओं के माथे पर चिंता की लकीरें दिख रही हैं। सूत्रों के मुताबिक टीएमसी दो खेमे में बंट गई है। एक खेमा है ममता बनर्जी का, जिसमें वे नेता शामिल हैं, जो टीएमसी के संघर्ष के दिनों से ममता के साथ हैं। दूसरा खेमा है अभिषेक का जिसमें अधिकतर नेता ऐसे हैं जिन्होंने टीएमसी के एक मुकाम पर पहुंचने के बाद 'जोड़ाफूल' (टीएमसी का चुनाव चिन्ह) थामा था। ऐसे में टीएमसी नयेझपुराने नेताओं में बंटती नजर आ रही है।

टीएमसी में महीनों से विवाद जारी है, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के बीच मतभेदों का कोई अंत नजर नहीं आ रहा है। पहले अभिषेक कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के कथित रेप और हत्या के मामले में राज्य सरकार के रवैए की आलोचना करने वाले कलाकारों के बहिष्कार के मुद्दे पर पार्टी के कुछ नेताओं से असहमत थे, लेकिन अब ममता ने अपने भतीजे के करीबी माने जाने वाले मंत्रियों को आड़े हाथों लिया है। भुआ-भतीजे के मनमुटाव का असर पार्टी की सेहत और सूबे की राजनीति पर कितना पड़ेगा, यह जानने के लिए इंतजार करना पड़ेगा लेकिन फिलहाल इतना कहा जा सकता है कि भुआ-भतीजे के सुर नहीं मिलने से संगठन के चुनाव में दिक्कतें आ रही हैं।

हाल में भांगड़ में अराबुल इस्लाम और सावकत मोल्लाह के बीच गुटीय संघर्ष की बात सामने आई। दोनों एक-दूसरे को टीएमसी का सदस्य मानने से भी कतरा रहे थे। अंततः अराबुल को निलंबित कर दिया गया। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक साथ रेप और हत्या के बाद से स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर लगातार मुखर रहे टीएमसीके पूर्व सांसद डॉ. शांतनु सेन को भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। शांतनु सेन को राजनीतिक हल्कों में अभिषेक का करीबी माना जाता है। टीएमसी ने उन्हें पार्षद से राज्य सभा सांसद बनाया। अभिषेक की मेहरबानी से चिकित्सकों के संगठन के अखिल भारतीय अध्यक्ष बन गए थे। पार्टी के प्रवक्ता के तौर पर किया। राजनीति के पंडित इस निलंबन के पीछे भी विशेष रणनीति देख रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि टीएमसी में निलंबन की बात कब उठती है, यह भी स्पष्ट नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि निलंबन की घोषणा उन जयप्रकाश मजूमदार ने की जो कभी भाजपा में थे। अभिषेक के दोनों करीबियों के निलंबन को लेकर सूबे की राजनीति में उथल-पुथल मची है। चर्चा है कि विधानसभा चुनाव से पहले यह ह्यखेला' कहां तक चलेगा और कहां जाकर खत्म होगा।

एक नजर

मोटरसाइकिल की चपेट में आने से एक युवक घायल

साहिबगंज/कोटालपोखर : बरहरवा पाकुड़ मुख्य पथ स्थित मयूरकोला काली मंदिर के पास बुधवार की सुबह तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की चपेट में आने से एक युवक घायल हो गया। जानकारी के अनुसार कोटालपोखर से गुमानी की ओर तेज रफ्तार जा रहे मोटरसाइकिल सवार ने ढोली पहाड़ी के करना उरांव 45 वर्षीय को धक्का मार कर मौक पर से फरार हो गया। जिसे सड़क किनारे पड़ा हुआ देख मयूरकोला गांव के एक रिश्तेदार ने बेहोशी की हालत में इलाज के लिए कोटालपोखर चिकित्सक के यहां ले गए। जहां प्राथमिक उपचार करने के बाद घायल के हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई।

छात्र, नौजवान किसान और आम जनता की हुई बैठक

बरहड़वा : प्रखंड के विंदुपाड़ा आम बगान में बुधवार को प्रखंड के पांच पंचायत के छात्र,नौजवान, किसान एवं आम जनता की एक संयुक्त बैठक मोफाक्केर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सीपीआईएम के राज्य सचिव मंडल सदस्य का. मो. इकबाल उपस्थित रहे। बैठक में मुख्य रूप से कोरोना काल से बंद ट्रेन की परिचालन और ठहराव को लेकर चर्चा की गई। बैठक में मो . इकबाल ने बताया कि कोरोना काल के पूर्व बरहड़वा–फरक्का रेल मार्ग पर स्थित विंदुवासिनी हाल्ट पर कटवा आजिमगंज पैसेंजर ट्रेन की ठहराव होती थी।जो बंद कर दिया गया है। इसके साथ ही मालदा – वर्दमान पैसेंजर ट्रेन का परिचालन बंद कर दिया गया है। जिससे इस क्षेत्र के लोगों को काफी कठिनाई की सामना करना पड़ रहा है। उक्त ट्रेन बंद होने से इस क्षेत्र के लोगों का व्यवसाय पर भी असर पड़ा है। तथा अनेक लोगों का रोजगार भी छीन गया है। रेल प्रशासन अगर इस पर गंभीरता से नहीं लेता है, तो जन आंदोलन करने पर लोग विवश होंगे। बैठक में विंदुवासिनी हाल्ट में कटवा – आजिमगंज पैसेंजर ट्रेन की ठहराव एवं मालदा – वर्दमान पैसेंजर ट्रेन की पुनः परिचालन शुरू कराने को लेकर जोरदार आंदोलन करने का निर्णय लिया गया है। इस मौके पर मो. नइम, मो. मिलन , मोरसलीम खान, सद्दाम हुसैन सहित अन्य उपस्थित थे।

जमीन विवाद को लेकर अपराधियों ने चाहरदीवारी को तोड़ दुकान को जलाया

अनगड़ा: अनगडा थाना क्षेत्र हेसल रिंग रोड टोल टैक्स के सामने बीते रात को करीबन 11 बजे रात को कुछ अपराधियों ने एक चाय दुकान को जलाया ओर चारदीवारी एक कमरा बना हुआ था जिससे पूरी तरह से तोड़ फोड़ किया गया स्थानीय ग्रामीणों ने बताया की दो तीन दिनों पहले से चारदीवारी का काम चल रहा था बगल में एक गरीब परिवार का चाय का दुकान चला रही थी अपने परिवार का भरण पोषण कर रही थी दुकान के अंदर रखे समान जल कर राख हो गया।

साहिबगंज उपायुक्त ने किया सिदो-कान्हू सभागार स्थित आधार केंद्र का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती ने सिद्धो-कान्हो सभागार स्थित आधार केंद्र का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।उन्होंने आधार पंजीकरण और अद्यतन प्रक्रिया का जायजा लेते हुए नागरिकों को सुलभ और समयबद्ध सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए।

सेवाओं की गुणवत्ता पर जोर

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने आधार केंद्र में आने वाले नागरिकों से बात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने पदाधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि आधार पंजीकरण और अद्यतन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की देरी न हो। उपायुक्त ने कहा कि आधार केंद्रों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को उनकी पहचान से जुड़ी सुविधाएं सहजता से उपलब्ध कराना है।

तेजी और पारदर्शिता

आधार पंजीकरण और अद्यतन कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। बायोमेट्रिक सत्यापन की प्रक्रिया को सुगम और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया।

सुविधाएं बढ़ाने पर जोर

आधार केंद्र में बैठने, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिए।अधिक नागरिकों की सेवा के लिए अतिरिक्त काउंटर स्थापित करने की कहा गया।

डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधनः

पंजीकरण और अद्यतन प्रक्रिया के लिए डिजिटल रिकॉर्ड रखने और समय-समय पर इसकी समीक्षा करने के निर्देश दिए।

नागरिकों को जागरूक करने का आह्वान

उपायुक्त ने कहा कि आधार पंजीकरण और अद्यतन के प्रति नागरिकों को जागरूक करना जरूरी है। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाया जाए। निरीक्षण के अंत में उपायुक्त ने आधार केंद्र की सेवाओं की सराहना की और सुधार की दिशा में त्वरित कार्रवाई करने पर जोर दिया। उन्होंने आधार केंद्र को प्रभावी और सुलभ बनाने की प्रतिबद्धता जताई। मौके पर जिला पंचायती राज पदाधिकारी अनिल कुमार, पंचायती राज डीपीएम -सह-जिला परियोजना पदाधिकारी यूआईडीएआई संदीप कुमार उपस्थित थे।

अफीम की खेती करने के आरोप में चार गिरफ्तार

खूंटी : जिला पुलिस ने बुधवार को खूंटी और अड़की थाना क्षेत्रों में अफीम के खेतों में काम कर रहे चार लोगों को गिरफ्तार किया है। खूंटी एसडीपीओ वरुण रजक ने बुधवार को कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में खूंटी थाना क्षेत्र के रिदड़ी गांव निवासी सुकू मुंडा (25) और घाघरा गांव निवासी मंगरा मुंडा (20) के अलावा अड़की थानांतर्गत ग्राम मारंगबेड़ा निवासी लक्ष्मण स्वांसी (31) और बिरसा स्वांसी (21) शामिल हैं। मौके पर पुलिस ने चार कुदाल, एक पानी पटाने वाला मोटर और पाइप बरामद किया है। इस संबंध में खूंटी और अड़की थानों में अलग-अलग मामले दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के तहत प्रभात फेरी का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/तालझारी : सड़क सुरक्षा माह 2025 के उपलक्ष्य में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के तहत आज साहिबगंज जिले के तालझारी प्रखंड में सड़क सुरक्षा प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के तहत आज साहिबगंज के तालझारी प्रखंड में सड़क सुरक्षा प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। जिसे प्रखंड विकास पदाधिकारी, तालझारी पवन कुमार एवं थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज द्वारा हरी झंडी दिखाई गयी। जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी अपने संबोधन में कहा कि जनवरी माह में 1 से 31 तारीख के दौरान जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान नुक्कड़ नाटक, प्रभात फेरी, खेल प्रतियोगिताएं, और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। आज सड़क सुरक्षा जागरूकता प्रभात फेरी के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों का पालन करने और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के प्रति प्रेरित किया गया है। जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह ने बताया कि इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाना, दुर्घटनाओं में पीड़ित परिवारों को सहायता प्रदान करना, और लोगों को यातायात नियमों का महत्व समझाना है साथ ही यह कार्यक्रम सिर्फ आंकड़ों को कम करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों को जीवन के प्रति अधिक जिम्मेदार बनने का संदेश देता है।प्रभात फेरी के साथ साथ सड़क सुरक्षा जागरूकता एलईडी वैन के माध्यम से जिले के विभिन्न ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों का दौरा कर जागरूक किया जा रहा है। इसमें ऑडियो-विजुअल संदेशों के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस मौके पर जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, सड़क सुरक्षा योद्धा समाज सेवी ओम प्रकाश पंडित, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस, उत्क्रमित उच्च विद्यालय कन्या तालझारी प्रभारी प्रधानाध्यापक सर्वेश कुमार, सहायक शिक्षक विकास पारीक, जयदुर रहमान, डोली किसकू, निशा ग्रेस के साथ कस्तुरबा बालिका विद्यालय, तालझारी वॉर्डन सलोनी मरांडी, पिंकी मुर्मू, रेशमी कुमारी, रबीना खातुन, कार्नेलियुस हासंदा, करूणा कुमारी, स्मृति आर्य एवं छात्र छात्राएं आदि मौजूद रहे।

मॉडल कॉलेज में कदाचार मुक्त स्वच्छ व शांतिपूर्ण हुई परीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल : पहली बार सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका ने मॉडल कॉलेज राजमहल को परीक्षा केंद्र बनाया है। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के परीक्षा नियंत्रक डॉ जय कुमार साह ने पत्र जारी कर मॉडल कॉलेज राजमहल को बीसीए, बीबीए सेमेस्टर टू (सत्र 2023, 26) 2024 जो 15 जनवरी 2025 से प्रारंभ है। डॉ रणजीत कुमार सिंह ने आशा व्यक्त की है कि भविष्य में भी मॉडल कॉलेज राजमहल के छात्र छात्राओं के सुविधा के लिए गृह केंद्र बनाने पर सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका विचार करें। परीक्षा केंद्र बनाए जाने से राजमहल के छात्र छात्राओं अभिभावक बुद्धिजीवी आदि लोगों में खुशी का माहौल है। 15 जनवरी 2025 को मॉडल कॉलेज राजमहल में प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह प्राचार्य सह केंद्राधीक्षक के नेतृत्व में सफल परीक्षा का संचालन किया गया। साहिबगंज कॉलेज साहिबगंज, बी एस के कॉलेज बरहरवा का केंद्र मॉडल कॉलेज राजमहल का बनाया गया है। परीक्षा में कुल 35 छात्र छात्राओं में 32 उपस्थित 3 अनुपस्थित रहे। परीक्षा शांतिपूर्वक कदाचारमुक्त स्वच्छ वातावरण में आयोजित किया गया। परीक्षा प्रारंभ से पहले प्रवेश द्वार पर परीक्षार्थी का एडमिट कार्ड चेक किया गया व अन्य आनाआवश्यक सामान लेकर आना प्रवेश निषेद किया गया। प्राचार्य, शिक्षक कर्मी ने इस उपलब्धि पर बधाई दिया और कहा की हमारा कॉलेज दिन-प्रतिदिन नई ऊंचाइयों को छू रहा है। परीक्षा नियंत्रक डॉ विवेक कुमार महतो ने अहम भूमिका निभाई। शिक्षक डॉ रमजान अली, डॉ अमित कुमार, डॉ अरविंद पांडे, कर्मी मोहन कुमार, सुमित कुमार, प्रकाश, बबलू हेंब्रम, करमू व दर्जनों छात्र छात्राओं शामिल हुए।

क्रिकेट लीग कम नॉक आउट टूर्नामेंट में माही स्पोर्ट्स येलो ने 10 विकेट से जीता मैच

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे सीनियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट में बुधवार को सीएबी येलो बरहरवा बनाम माही स्पोर्ट्स येलो के बीच मैच खेला गया। सीएबी येलो बरहरवा ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 26.5 ओवर में 115 रन बना कर ऑल आउट हो गई। सादाब हुसैन ने 15, लुकेश राहुल ने 41, मुरली ने 15 रनों की पारी खेली। माही स्पोर्स्ट येलो के गेंदबाज वमीक नईम ने 4, रौनक दूबे ने 3, उमर व राहुल ने 1-1 विकेट लिया। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी माही स्पोर्ट्स येलो की टीम ने 7.3 ओवर में बिना किसी नुकसान के 119 रन बना कर 10 विकेट से मैच जीत लिया। आदित्य ज्ञान ने नाबाद 66 व अनाउल्लाह अंसारी ने नाबाद 36 रनों की पारी खेली। माही स्पोर्ट्स येलो के खिलाड़ी आदित्य ज्ञान को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्यातिथि डॉ सुमित ने आदित्य ज्ञान को मैन ऑफ दी मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग मो अशफाक आलम व प्रभाकर सिंह उर्फ गुड्डा एवं स्कोरिंग कुमार सुमन सौरभ ने किया।

ग्रामीणों ने आपत्तिजनक स्थिति में महिला-पुरूष को पकड़ा, बनाया बंधक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

दुमका : जिले के सरैयाहाट थाना क्षेत्र के जमुनिया गांव में बीते रात आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े जाने पर एक व्यक्ति और एक महिला को ग्रामीणों ने करीब 20 घंटे तक बंधक बनाकर मारपीट किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बुधवार की सुबह जब सरैयाहाट पुलिस बंधकों को छुड़ाने गई, तो ग्रामीणों ने पुलिस के साथ भी मारपीट की। जानकारी के अनुसार पांचूबाद गांव के विश्वनाथ सोरेन का जमुनिया गांव की एक शादीशुदा महिला से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। गुरुवार की रात जैसे ही विश्वनाथ महिला से मिलने उसके घर गया, तो ग्रामीणों ने उसे और महिला को बंधक बनाकर जमकर पीटाई की। सुबह जब सरैयाहाट पुलिस को इसकी जानकारी हुई तो पुलिस गांव पहुंच जब बंधकों को छुड़ाने का प्रयास किया, तो ग्रामीणों ने पुलिस के साथ भी धक्का मुक्की शुरू कर दी और पुलिस को भी बंधक बना लिया। जिसके बाद काफी संख्या में पुलिस गांव पहुंच आक्रोशित लोगों को समझा-बुझा कर शांत करा बंधकों को छुड़ाया। ग्रामीणों और महिला के पति का आरोप था कि उक्त युवक का महिला के साथ शारीरिक संबंध है और अक्सर रात को वो महिला के घर आता है। घटना के बाद पुलिस ने बंधकों को छुड़ाने के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरैयाहाट में ईलाज कराया। साथ ही दो पक्षों में हुई मारपीट में घायल कई लोगों का ईलाज भी कराया गया। वहीं दूसरी ओर घटना के सरैयाहाट प्रखंड के माथाकेशो पंचायत की पूर्व मुखिया तलामय सोरेन ने भी सरैयाहाट थाना में आवेदन देकर जमुनिया गांव के कई लोगों पर मारपीट का आरोप लगाया है। पूर्व मुखिया ने अपने दिए आवेदन में बताया है कि गांव में हुए झगड़े को लेकर वो आपसी सुलह के लिए अपनी बेटी के साथ जमुनिया गांव गई थी। इस दौरान गांव के कुछ युवकों ने उसकी बेटी और उसके साथ पुलिस की मौजूदगी में मारपीट किया। इधर खबर लिखें जाने तक दोनों महिला पुरुष को पुलिस ने अपनी अभिरक्षा में लेकर थाना में रखा है।

संक्षिप्त खबरें

मकर संक्रांति के अवसर पर नगर थाना के एएसआई ने किया भोग का वितरण

साहिबगंज: नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांधी चौक के पास 15 जनवरी 2025 को मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर हर साल की भांति इस वर्ष भी ब्रम्ह पूजन का आयोजन किया गया। ब्रम्ह पूजन का आयोजन नगर थाना के एएसआई प्रमोद कुमार सिंह के सौजन्य से हुआ। एएसआई प्रमोद कुमार सिंह ने विधि विधान से ब्रम्ह पूजन किया और श्रद्धा पूर्वक भोग चढ़कर भोग का वितरण किया। भोग लेने के लिए श्रद्धालुओं का भीड़ लगा हुआ था। भोग का वितरण करते करते सुबह से शाम हो गया। खिचड़ी का भोग इतना स्वादिष्ट था की लोग मांग मांग कर खा रहे थे। एएसआई प्रमोद कुमार सिंह से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि जब से नगर थाना में पद स्थापित हुए हैं तब से लेकर अभी तक मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर ब्रम्ह पूजन कर रहे हैं।

डीआरएम ने बन रहे अमृत भारत स्टेशन के कार्यों का किया निरीक्षण

साहिबगंज: मालदा रेल मंडल के प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता ने बुधवार 15 जनवरी 2025 को साहिबगंज में अमृत भारत स्टेशन के तहत हो रहे सौंदर्यीकरण कार्य का औचक निरीक्षण किया। इसके पूर्व डीआरएम स्पेशल सैलून से सकरीगली स्टेशन पहुंचे। जहां साइडिंग लोडिंग कार्यों का निरीक्षण किया, इसके उपरांत साहिबगंज रेलवे स्टेशन पहुंचे। साहिबगंज में डीआरएम ने रनिंग रूम का निरीक्षण किया। उसके बाद डीआरएम ने स्टेशन परिसर में हुए कार्यों का बारिकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरांत डीआरएम ने कहा कि साहिबगंज में अमृत भारत स्टेशन के तहत पहले फेज का कार्यों का अभी कुछ कार्य बाकी है। उन्होंने कहा कि कार्य कर रही एजेंसी को गुणवत्ता पर ध्यान देने के निर्देश दिए गए है। यात्रियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टिकोण से हर संभव प्रयास किया जा रहा हैं। मौके पर सीनियर डीसीएम मिस अंजन, डीएससी ए के कुल्लू, सीनियर डीईई चंद्र कुमार पटेल, सीनियर डीएसटीई आदित्य अंबर, सीनियर डीओएम/एमएलडीटी अमरेंद्र कुमार मौर्य, सीनियर डीएमई रत्नेश कुमार, आरपीएफ व अन्य मौजूद थे।

सिविल सर्जन ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उधवा का किया निरीक्षण

साहिबगंज/उधवा: बुधवार को सिविल सर्जन डॉ प्रवीण कुमार संथालिया के द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र उधवा का औचक निरक्षण किया गया। निरक्षण के दौरान सिविल सर्जन के द्वारा ओपीडी, पेशेंट वार्ड, उपस्थिति पंजी, प्रसव कक्ष, चिकित्सक व एएनएम ड्यूटी रोस्टर एवं अस्पताल में साफ- सफाई आदि को देखे। सिविल सर्जन के द्वारा उपस्थित चिकित्सक एवं पारा मेडिकल कमीर्यो को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने को कहा गया। मौके पर सभी पारा मेडिकल कर्मी मौजूद थे।

जमीन विवाद को लेकर आपस में भिड़े गोतिया, पिता व पुत्र घायल

साहिबगंज: मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटी कोदरर्जन्ना में बुधवार को जमीन विवाद को लेकर दो गोतिया आपस में भिड़ गए। इसमें एक पक्ष के पिता व पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने घायल पिता व पुत्र को इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज में भर्ती कराया है। घायल छोटी कोदरर्जन्ना के शेख लाजिम 60 वर्षीय व पुत्र मो सफरुद्दीन 23 वर्षीय है। घायल सफरुद्दीन से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि जमीन विवाद को लेकर गोतिया के ही शेख इसराफिल के साथ कहा सुनी हो रही थी। इसी दौरान इसराफिल, उसका पुत्र मो फिरोज, पोता मो जाहुल, मो आरिफ, मो एहसान, पर मारपीट का आरोप लगाते हुए बताया कि मामूली बात पर वे लोग लाठी डंडे से प्रहार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया है। वहीं घायलों का इलाज सदर अस्पताल साहिबगंज में चल रहा है। उधर घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई है,पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

एचडीएफसी एएमसी के शेयरों में आया उछाल, ब्रोकरेज ने कहा जमकर करें खरीदारी

कंपनी का मुनाफा 31 फीसदी से बढ़कर 641 करोड़ रुपए पर पहुंच गया

नई दिल्ली।

एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी के शेयरों में बुधवार को उछाल आया। कंपनी ने शेयर शुरुआती कारोबार में 5 फीसदी से ज्यादा चढ़े।

इसकी तुलना में बीएसई सेंसेक्स 0.59 फीसदी चढ़कर 76,947 पर कारोबार किया। तीसरी तिमाही में अच्छे नतीजों के दम पर कंपनी के शेयरों में यह उछाल देखने को मिला है।

एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार बंद होने के बाद तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। कंपनी ने बताया कि दिसंबर तिमाही में उसका मुनाफा सालाना आधार पर 31 फीसदी से बढ़कर 641 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। ऑपरेशन से होने वाली कमाई भी सालाना आधार पर 39 फीसदी बढ़कर 671.32 करोड़ रुपए हो गई है।

मजबूत तिमाही नतीजों को देखते हुए ज्यादातर ब्रोकरेज कंपनियों ने इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजी अपडेट करते हुए एचडीएफसी एएमसी का टारगेट प्राइस बढ़ा दिया है। साथ ही स्टॉक में खरीदारी करने की सलाह देते हुए 35 फीसदी तक के अपसाइड रिटर्न का अनुमान जताया है।

ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने एचडीएफसी असेट मैनेजमेंट कंपनी पर अपनी रेटिंग को बरकरार रखते हुए खरीदने की सलाह दी है। ब्रोकरेज ने इसके लिए 5200 रुपए का टारगेट प्राइस दिया है। कंपनी के शेयर मंगलवार को 2 फीसदी चढ़कर 3863 रुपए पर बंद हुए। इस तरह शेयर लॉन्ग टर्म में 35 फीसदी का अपसाइड रिटर्न दे सकते हैं। ब्रोकरेज के मुताबिक ओवरऑल एयूएम में इक्विटी की बढ़ती हिस्सेदारी यील्ड्स में संभावित गिरावट को कम करने में मदद करेगी। नए बिजनेस से बड़े पैमाने पर बेनिफिट्सज्हाई प्रोफिटेबिल्टी में बदल सकता है। ब्रोकरेज ने अपने अनुमानों को कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है और 5200 रुपए के टारगेट प्राइस के साथ स्टॉक पर बाय रेटिंग को बरकरार रखा है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड) की कीमतों में उतार-चढ़ाव से घरेलू बाजार में भी बुधवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव आया है। इस दौरान डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमतों में 0.03 फीसदी करीब 0.02 डॉलर की बढ़त रही और यह 77.52 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गयीं जबकि ब्रेंट क्रूड की कीमतें 0.06 फीसदी तकरीबन 0.05 डॉलर नीचे आकर 79.87 डॉलर प्रति बैरल रहीं।

इससे घरेलू बाजार में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर प्रभाव पड़ा है। कुछ शहरों में तेल की कीमतें घट गई हैं, वहीं कुछ स्थानों पर बढ़ी हैं। गुरुग्राम में पेट्रोल की कीमतें 21 पैसे कम होकर 95.04 रुपये और डीजल 20 पैसे नीचे आकर 87.90 रुपये प्रति लीटर हो गया। वहीं उड़ीसा के भुवनेश्वर में पेट्रोल की कीमत 28 पैसे घटकर 101.11 रुपये और डीजल 27 पैसे सस्ता होकर 92.69 रुपये प्रति लीटर हो गया है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी पेट्रोल 8 पैसे सस्ता होकर 94.61 रुपये और डीजल 10 पैसे घटकर 87.71 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

दूसरी ओर नोएडा और ग्रेटर नोएडा में पेट्रोल और डीजल की कीमतें 7 और 6 पैसे बढ़कर 95.05 रुपये और 88.19 रुपये प्रति लीटर हो गई हैं। जयपुर में भी पेट्रोल की कीमत 31 पैसे बढ़कर 104.46 रुपये और डीजल 28 पैसे बढ़कर 90.21 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

वहीं चार महानगरों दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, और चेन्नई में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं आया है। दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल पहले की तरह ही 87.67 रुपये प्रति लीटर पर जबकि मुंबई में पेट्रोल 103.50 रुपये और डीजल 90.03 रुपये प्रति लीटर की दर से मिल रहे हैं।

थीमैटिक फंड्स ने 2024 में नेट कलेक्शन में 488 फीसदी की वृद्धि की

मुंबई। पिछले साल थीमैटिक फंड्स ने नेट कलेक्शन में 488 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स ने संग्रह में 1,09,711 करोड़ रुपए हासिल किए हैं, जो कि कुल नेट कलेक्शन का 34 फीसदी रहा। बुधवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स में कुल नेट कलेक्शन में मैन्युफैक्चरिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी ने कुल मिलाकर 56 फीसदी का योगदान दिया, इसके बाद एफएमसीजी ने 9 फीसदी, बिजनेस साइकिल ने 6 फीसदी और पीएसयू ने 5 फीसदी का योगदान दिया। सेक्टोरल और थीमैटिक स्कीम के तहत बिजनेस साइकिल फंड का नेट कलेक्शन 2023 में 103 करोड़ रुपए से बढ़कर 2024 में 6,841 करोड़ रुपए रहा था। एनर्जी सेक्टर ने 2023 में 470 करोड़ रुपए की तुलना में 2024 में 23,964 करोड़ रुपए जमा किए। पिछले साल लार्ज कैप के तहत नेट कलेक्शन 2023 में -3,768 करोड़ रुपए की तुलना में 17,404 करोड़ रुपए रहा। 2024 में मल्टी कैप और फ्लेक्सीकैप के तहत नेट कलेक्शन क्रमशः 37,649 करोड़ रुपए और 36,231 करोड़ रुपए रहा। रिपोर्ट के मुताबिक स्मॉल कैप के तहत नेट कलेक्शन 2023 में 45,270 करोड़ रुपए की तुलना में 2024 में घटकर 29,555 करोड़ रुपए रह गया। घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 5.27 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध इक्विटी प्रवाह (नेट इक्विटी इनफ्लो) दर्ज किया, जिसमें अक्टूबर में 1.07 लाख करोड़ रुपए का उच्च प्रवाह देखा गया। डीआईआई का शुद्ध इक्विटी प्रवाह 2023 की तुलना में करीब 3 गुना हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर में एफआईआई के हाई आउटफ्लो के बावजूद, डीआईआई ने महीने के लिए अपने रिकॉर्ड इक्विटी प्रवाह के साथ स्थिति को बैलेंस करने में मदद की है। रिपोर्ट में बताया गया है कि सभी कैटेगरी ने लगातार दूसरे साल दोहरे अंकों में सकारात्मक रिटर्न हासिल किया। फार्मा 40.5 फीसदी रिटर्न के साथ लिस्ट में सबसे ऊपर रहा, जबकि बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विस में सबसे कम 11.5 फीसदी रिटर्न रहा। 2024 में निवेश क्षेत्र में उभरते हुई बाजार की भावना दिखाई दी, जिसमें थीमैटिक इंवेस्टमेंट में वृद्धि, एफआईआई और डीआईआई फ्लो में अंतर और बड़े सेक्टोरल शिफ्ट शामिल थे।

मेडिकल डिवाइस पर जीएसटी एक समान करने पर विचार कर सकती है सरकार

डिवाइस मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने आगामी बजट को लेकर रखी अपनी मांग

नई दिल्ली।

मेडिकल डिवाइस मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने आगामी बजट को लेकर अपनी मांगें सामने रखी हैं। इसमें वस्तु और जीएसटी की दरों को समान करने, एक्सपोर्ट प्रमोशन में वृद्धि और इंपोर्टेड डिवाइस की मिनिमम रिटेल प्राइस पर निगरानी जैसी प्रमुख मांगें शामिल हैं। पॉली मेडिक्योर के मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा कि सरकार सभी मेडिकल डिवाइस पर जीएसटी दर को 12 फीसदी पर एक समान करने पर विचार कर सकती है। इससे टैक्स इंफ्रास्ट्रक्चर सरल होगा और कारोबार में आसानी होगी। इसके अलावा उद्योग ने वाणिज्य मंत्रालय की रेमिशन ऑफ ड्यूटीज ऐंड टैक्स ऑन एक्सपोर्ट प्रोडक्ट्स योजना के तहत एक्सपोर्ट इंसेंटिव को वर्तमान 0.6-0.9 फीसदी से बढ़ाकर 2-2.5 फीसदी करने की मांग की है। इसका उद्देश्य उन करों और शुल्कों की वापस करना है जो अब तक उत्पादकों को वापस नहीं किए जाते थे। उन्होंने कहा कि यह कदम भारतीय मेडिकल डिवाइस की ग्लोबल कंपटीटिवनेस को बढ़ाएगा और निर्माताओं को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपने उत्पादों का दायरा बढ़ाने में भी मदद करेगा। एसोसिएशन ऑफ इंडियन मेडिकल डिवाइस इंडस्ट्री (एआईएमईडी) ने केंद्रीय वित्त मंत्रालय को बजट से पहले सौंपे गए अपने ज्ञापन में मांग की है कि आयातित मेडिकल डिवाइस की अधिकतम खुदरा मूल्य पर निगरानी रखी जाए। इसका उद्देश्य यह तय करना है कि भारतीय मरीजों को सस्ती दरों पर इलाज उपलब्ध हो सके। एआईएमईडी ने कहा कि सरकार द्वारा डिवाइस पर आयात शुल्क घटाने के प्रयास उस समय व्यर्थ हो जाते हैं, जब मरीजों को इन डिवाइस के लिए 10 से 30 गुना ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है। संगठन ने मेडिकल डिवाइस की कीमतों को नियंत्रित करने की दिशा में ठोस कदम उठाने की अपील की है। मेडिकल डिवाइस बनाने वाली कंपनियों के संगठन एआईएमईडी ने भारत में बनने वाले और पर्याप्त उत्पादन क्षमता वाले मेडिकल डिवाइस पर शून्य और कंसेशनल कस्टम ड्यूटी के नोटिफिकेशन को वापस लेने की मांग की है।

एप्पल के लिए ठेके पर आईफोन बनाने वाली प्रमुख कंपनी बनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स

कुल आईफोन में से 77 फीसदी का निर्यात किया गया

मुंबई ।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स भारत में एप्पल इंक के लिए ठेके पर आईफोन बनाने वाली प्रमुख कंपनी बनी है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने एप्पल इंक की जरूरतों को पूरा करने के लिए तीन मोर्चों उत्पादन में व्यापक इजाफा, निर्यात और वर्ष 2024 में प्रत्यक्ष रोजगार बढ़ाने पर जोरशोर से काम किया है। वर्ष 2024 में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने आईफोन असेंबली के लिए बड़े पैमाने पर लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार दिया। 2024 में उसके कर्मचारियों की संख्या 63 फीसदी बढ़कर 31,000 हो गई जो इससे पिछले साल 19,000 थी।

राज्य और केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए तिमाही आंकड़ों के अनुसार प्रत्यक्ष रोजगार सृजन के लिहाज से आईफोन का यह कारखाना देश का दूसरा सबसे बड़ा संयंत्र बन गया है। एप्पल आईफोन ईकोसिस्टम में वर्ष 2024 के दौरान कुल 1,85,000 कर्मचारियों को प्रत्यक्ष रोजगार दिया था जिसमें आईफोन के इस कारखाने की हिस्सेदारी 17 फीसदी रही।

एप्पल ईकोसिस्टम में असेंबल करने वाली कंपनियां और कलपुर्जा बनाने वाली इकाइयां भी शामिल हैं। कर्मचारियों के लिहाज से सबसे बड़ा कारखाना भी आईफोन बनाने वाली एक अन्य कंपनी फॉक्सकॉन की है।

तमिलनाडु के कारखाने में 42,000 कामगार काम करते हैं। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने विस्ट्रॉन से 12.5 करोड़ डॉलर में कर्नाटक स्थित आईफोन के कारखाने का अधिग्रहण किया था।

इसके बाद से टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने कारखाने में बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की भर्ती की और आईफोन उत्पादन क्षमता में भी व्यापक इजाफा किया।

रुपया बढ़त पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवारक को रुपया 20 पैसे की बढ़त के साथ ही 86.38 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 86.58 पर बंद हुआ था। इससे पहले सोमवार को रुपये ने लगभग दो वर्षों में अपनी सबसे बड़ी एकदिनी गिरावट दर्ज की थी, जिसमें यह 66 पैसे कमजोर हुआ था। दूसरी ओर इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 86.57 पर खुला और फिर मजबूत होकर 86.49 पर पहुंचा। विशेषज्ञों के अनुसार, खुदरा महंगाई में गिरावट और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी से रुपये को समर्थन मिला है। दिसंबर महीने में खुदरा महंगाई चार महीने के निचले स्तर 5.22 फीसदी पर पहुंच गई, जिससे भारतीय रिजर्व बैंक को आगामी मौद्रिक नीति समीक्षा में ब्याज दरों में कटौती का विकल्प मिल सकता है।

अब पीएफ कर्मचारी खुद सेल्फ-अटेस्टेशन के जरिए कर सकेंगे केवाईसी

नहीं होगी एचआर डिपार्टमेंट से अप्रूवल की जरूरत

नई दिल्ली। एंप्लॉयी प्रॉविडेंट फंड (ईपीएफ) के सब्सक्राइबर्स के लिए अहम बदलाव होने वाले हैं। अब कर्मचारियों को पीएफ केवाईसी कराने के लिए एचआर डिपार्टमेंट से अप्रूवल की जरूरत नहीं होगी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने घोषणा की है कि जून 2025 से वह कर्मचारी खुद से सेल्फ-अटेस्टेशन के जरिए केवाईसी कर सकेंगे, जिससे कंपनी के चक्कर काटने नहीं पड़ेंगे। इस बदलाव से पीएफ से जुड़ी प्रक्रियाओं को आसान बनाया जाएगा, खासकर तब जब कंपनियां बंद हो जाती हैं और केवाईसी की वजह से पीएफ क्लेम अटक जाते हैं। यह कदम ईपीएफओ 3.0 का हिस्सा होगा, जो इस साल लॉन्च किया जाएगा। इस नई योजना में आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाएगा और रोजगार आधारित योजनाओं को भी शामिल किया जाएगा, जिससे ईपीएफओ का कामकाज और भी आसान होगा। ईपीएफओ 3.0 के लॉन्च से अनुमान लगाया है कि पीएफ सब्सक्राइबर्स की संख्या में बढ़ोतरी होगी, जो वर्तमान में करीब आठ करोड़ है और यह 10 करोड़ तक पहुंच सकती है। इसके अलावा फंड निकालने की प्रक्रिया भी सरल हो जाएगी। ईपीएफओ के नए नियमों के तहत बैंकों के साथ मिलकर सब्सक्राइबर्स को एक तय सीमा तक बिना किसी आवेदन के सीधे अपने खाते से फंड निकालने की सुविधा दी जा सकती है, जिससे पीएफ के सब्सक्राइबर्स को अपनी मेहनत की कमाई निकालने में आसानी होगी।

निवेशकों को शानदार ऑफर, एसबीआई समेत कई बैंकों ने एफडी पर बढ़ाया ब्याज

नई दिल्ली।

निवेश पर गारंटीड रिटर्न और हाई लिक्विडिटी के साथ फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) भारत में सबसे पसंदीदा निवेश वाले विकल्प हैं। एसबीआई और एचडीएफसी बैंक जैसे बड़े बैंकों के साथ छोटे बैंकों ने भी हाल के दिनों में एफडी पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। एसबीआई ने एक नई कैटेगरी सुपर सीनियर सिटीजन (80 साल से ज्यादा) जोड़ी है। बैंक इस वर्ग के जमाकर्ताओं को अतिरिक्त 10 बेसिस प्वाइंट्स की ब्याज दर ऑफर कर रहा है। इसके जैसी स्कीम आईडीबीआई बैंक द्वारा भी दी जा रही है। आईडीबीआई बैंक ने आईडीबीआई चिरंजीवी-सुपर सीनियर सिटीजन एफडी लॉन्च की है, जो 80 साल और उससे ज्यादा आयु के लोगों के लिए एक स्पेशल एफडी है। इस स्कीम में स्टैंडर्ड एफडी दरों से 0.65 फीसदी ज्यादा ब्याज प्रदान किया जा रहा है। इस स्कीम के तहत 555 दिनों की अवधि की एफडी के लिए 8.05 फीसदी, 375 दिनों के लिए 7.9 फीसदी, 444 दिनों के लिए 8 फीसदी और 700 दिनों के लिए 7.85 फीसदी का ब्याज दिया जा रहा है। वहीं एसबीआई निवेशकों को आकर्षित करने के लिए लगातार कदम उठा रहा हैं। इसके तहत देश के सबसे बड़े बैंक ने हर घर लखपति आरडी स्कीम शुरू की है। इस स्कीम का मकसद 3 से लेकर 10 साल की मंथली जमा कर एक लाख या उससे ज्यादा का फंड एकत्रित करना है। इस स्कीम में 10 साल या उससे ज्यादा कोई भी शख्स खाता खोल सकता है। इस योजना में 60 साल से कम की आयु के लोगों को 3 और 4 साल की अवधि के लिए 6.75 फीसदी और 5 से 10 साल की अवधि के लिए 6.50 फीसदी की ब्याज दर दी जा रही है। वहीं, 60 साल से ज्यादा की आयु के लोगों को 3 और 4 साल के लिए 7.25 फीसदी और 5 से 10 साल के लिए 7 फीसदी की ब्याज दर ऑफर की जा रही है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 224.45 अंक करीब 0.29 फीसदी बढ़कर 76,724.08 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 37.15 अंक तकरीबन 0.16 फीसदी ऊपर आकर 23,213.20 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप की जगह मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में अधिक उछाल रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 222.50 अंक करीब 0.41 फीसदी की तेजी के साथ 53,899 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 96.15 अंक या 0.56 फीसदी की बढ़त के साथ ही 17,353.95 पर बंद हुआ।

कारोबारी सत्र में उछाला वाले शेयरों की तादाद अधिक रही। बीएसई पर 2,144 शेयर ऊपर आये जबकि 1,808 शेयरों में गिरावट रही। 112 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए। आईटी, पीएसयू बैंक, मेटल, रियल्टी, एनर्जी, इन्फ्रा, कमोडिटी, पीएसई, सर्विसेज और ऑयल एंव गैस इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान में जबकि ऑटो, फिन सर्विस, फार्मा, एफएमसीजी और मीडिया नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए।

सेंसेक्स पैक में जोमैटो, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, कोटक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, टेक महिंद्रा, एलएंडटी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अदाणी पोर्ट्स, एसबीआई, एचसीएल टेक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। वहीं एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स, नेस्ले, सन फार्मा और एशियन पेंट्स सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 14 जनवरी को 8,132.26 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने उसी दिन 7,901.06 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

बाजार जानकारों के अनुसार एफआईआई का आउटफ्लो बढ़ने, डॉलर की मजबूती और यूएस बॉन्ड यील्ड के बढ़ने के कारण भी घरेलू बाजार में उतार-चढ़ाव रहा। अमेरिका में महंगाई के डेटा से पहले निवेशकों ने सतर्कता बरती।

इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 400 अंक ऊपर आकर 76,900 पर खुला। वहीं निफ्टी हल्की तेजी के साथ 75 अंक बढ़त लेकर 23,273.55 पर खुला।

देसी कंपनियों के तीसरी तिमाही के परिणामों और विदेशी निवेशकों की बिकवाली को लेकर बाजार में अभी भी आशंकाएं लगी हुई हैं। साथ ही आईटी स्टॉक्स में गिरावट से भी बाजार की तेजी पर अंकुश रहा है। वहीं गत दिवस सेंसेक्स और निफ्टी हल्की बढ़त पर बंद हुआ था।

अब घरेलू मोर्चे पर निवेशकों की नजर देसी कंपनियों के दिसंबर तिमाही के परिणामों पर रहेगी। सीएट, एचडीएफसी लाइफ, एल्टीटीएस और बैंक ऑफ महाराष्ट्र समेत 24 कंपनियां के तिमाही परिणामों को घोषित करेगी। भारतीय कंपनियों के लिए मार्जिन विस्तार की संभावनाएं अब सीमित हैं। ऐसे में, कमाई बढ़ाने के लिए राजस्व में वृद्धि जरूरी होगी।

वहीं एशियाई बाजारों में बुधवार को आज मिश्रित रुख रहा। जापान में निक्केई 225 पर रहा, जो 0.75 फीसदी बढ़ा, जबकि व्यापक टॉपिक्स इंडेक्स में 0.86 फीसदी की बढ़त रही।

हल्दीराम को खरीदने की दौड़ में शामिल हुई अमेरिकी कंपनी पेप्सिको

सीधे प्रमोटर अग्रवाल फैमिली से चर्चा कर रहे

मुंबई ।

स्नैक्स और मिठाइयां बनाने वाली दिग्गज कंपनी हल्दीराम में हिस्सेदारी खरीदने को होड़ दिलचस्प होती जा रही है। अमेरिकी दिग्गज कंपनी पेप्सिको भी हल्दीराम को खरीदने की दौड़ में शामिल हो गई है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी के अधिकारी हल्दीराम स्नैक्स फूड में हिस्सेदारी खरीदने के लिए सीधे प्रमोटर अग्रवाल फैमिली से चर्चा कर रहे हैं। पेप्सिको के अलावा सिंगापुर की कंपनी टेमासेक और अल्फा वेव ग्लोबल भी हल्दीराम में हिस्सेदारी खरीदने की होड़ में शामिल हैं। इन दोनों कंपनियों ने हल्दीराम में 10-15 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए ऑफर दिया है।

सूत्रों के मुताबिक न्यूयॉर्क में पेप्सिको हेडक्वार्टर के अधिकारियों ने हाल के दिनों हल्दीराम में माइनोरिटी स्टेक खरीदने के लिए अग्रवाल परिवार के सदस्यों के साथ सीधे बात की है। हालांकि बातचीत अभी शुरुआती स्तर पर है और संभव है कि यह अंजाम तक न पहुंचे। माना जा रहा है कि अगर यह डील आगे बढ़ती है, तब इसमें फंडिंग भी अमेरिका की मूल कंपनी करेगी। पेप्सिको की भारतीय यूनिट की इसमें ज्यादा भूमिका नहीं है। अग्रवाल फैमिली 85,000-90,000 करोड़ रुपये की वैल्यूएशन की उम्मीद कर रही है।

लेज चिप्स, कुरकुरे नमकीन स्नैक्स और डोरिटोस नाचो चिप्स बनाने वाली कंपनी पेप्सिको को भारतीय स्नैक्स बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय कंपनियों और डायरेक्ट टू कंज्यूमर कंपनियों की संख्या में काफी तेजी आई है। इसमें हल्दीराम, बीकानेरवाला, बालाजी और लिस्टेड कंपनियों बीकाजी फूड्स, गोपाल स्नैक्स और प्रताप स्नैक्स शामिल हैं। साथ ही एथनिक स्नैक्स कंपनियों की भी बाजार में भरमार है। इनमें से ज्यादातर की कीमत जाने-माने ब्रांड्स के कम है। वे डायरेक्ट डिस्ट्रीब्यूशन करते हैं और रिटेलर्स को ज्यादा लाभ देते हैं।

पेप्सिको की वेस्टर्न स्नैक्स मार्केट चिप्स और नाचोस में लगभग 24 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। लेकिन नमकीन, भुजिया और चना चूर जैसे लोकल स्नैक्स में कंपनी अभी भी बहुत पीछे है। यह वजह है कि कंपनी हल्दीराम को अपने साथ लाना चाहती है। रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के आंकड़ों के अनुसार, पेप्सिको इंडिया होल्डिंग्स ने अप्रैल से दिसंबर 2023 की नौ महीने की अवधि के लिए 5,954.16 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू हासिल किया। इसी अवधि में पेप्सिको के स्नैक्स बिजनस का रेवेन्यू 4,763.29 करोड़ रुपये रहा। हल्दीराम स्नैक फूड्स ने वित्त वर्ष 2024 में 12,800 करोड़ रुपये का रेवेन्यू दर्ज किया, जो पेप्सिको से करीब दोगुना है। यह 500 प्रकार के स्नैक्स, नमकीन, मिठाइयां, रेडी टू ईट और प्री-मिक्स्ड फूड बनाती और डिस्ट्रीब्यूट करती है।

2027 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत 2027 तक जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने 10 सालों में 11वें सबसे बड़े जीडीपी वाले देश से पांचवें स्थान पर छलांग लगाई है। उन्होंने पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम के 2014 के अनुमान का जिक्र करते हुए कहा कि जहां उन्होंने भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में 30 साल का समय बताया था, वहीं पीएम मोदी ने इसे 13 सालों में हासिल करने का संकल्प लिया और यह लक्ष्य 2027 तक पूरा हो जाएगा। गोयल ने कहा कि पीएम मोदी को 19 देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा है, जिनमें 8 मुस्लिम बहुल, 10 ईसाई बहुल और 1 बौद्ध बहुल देश शामिल हैं। यह सम्मान वैश्विक स्तर पर उनकी लोकप्रियता और समावेशी दृष्टिकोण को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी तुष्टिकरण की राजनीति से परे हैं और 'सबका साथ, सबका विकास' की नीति में यकीन रखते हैं।

सेबी ने डीमैट खाते को लेकर कौन सा नया प्रस्ताव पेश किया, निवेशकों को होगा फायदा

मुंबई । शेयर बाजार नियामक संस्था सेबी (सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया) समय-समय पर निवेशकों के हित में नए नियम बनाती है। इसी कड़ी में सेबी ने डीमैट खाते में होल्डिंग्स को बढ़ावा देने के लिए एक नया प्रस्ताव पेश किया है। इसके तहत लिस्टेड कंपनियां को स्टॉक स्प्लिट, मर्जर या डीमर्जर के स्थिति में नई सिक्योरिटी सिर्फ डी मैट खाते में जारी करना अनिवार्य किया जाए। सेबी के प्रस्ताव के अनुसार, अगर निवेशक के पास डीमैट खाता नहीं है, तब सिक्योरिटी इश्यू करने वाली कंपनी इसतरह के शेयर को एक अलग डीमैट खाते में रखे और इन स्टॉक्स के मालिकाना हक की पूरी जानकारी रखे। हालांकि, यह सिर्फ प्रस्ताव है और इस पर सेबी ने 4 फरवरी तक टिप्पणियां मांगी गई हैं। सेबी के प्रस्ताव से निवेशकों को बड़ा फायदा होगा। क्योंकि, सिक्योरिटीज को डीमैट फॉर्म में रखने से धोखाधड़ी, पेपर सर्टिफिकेट के खोने या नष्ट होने सहित कई गड़बड़ियों की आशंका खत्म होगी। इसके साथ ही शेयर ट्रांसफर की प्रक्रिया की तेज और पारदर्शी होगी। इन फायदों के चलते सेबी चाहती है कि ज्यादा से ज्यादा सिक्योरिटीज डीमैट फॉर्म में रखी जाएं। हालांकि, ज्यादातर निवेशक अपने शेयरों को डीमैट खाते में रख रहे हैं, हालांकि कुछ निवेशक हैं जो पेपर सर्टिफिकेट के रूप में इन सिक्योरटीज को अपने पास रखते हैं।

तेजप्रताप बोले-राबड़ी आवास में सीएम नीतीश को घुसने नहीं देंगे

मीसा बोलीं-पॉलिटिक्स में कुछ भी हो सकता है; चिराग के दही-चूड़ा भोज में शामिल हुए मुख्यमंत्री

पटना। देशभर में मकर संक्रांति मनाई जा रही है। बिहार की सियासत में मकर संक्रांति के दही-चूड़ा भोज का खास महत्व है। मकर संक्रांति के मौके पर हर साल की तरह इस साल भी चूड़ा-दही भोज पर पॉलिटिक्स काफी चर्चा में हैं। नेता अपने-अपने पार्टी कार्यालय और आवास पर दही-चूड़ा भोज का आयोजन कर रहे हैं। राबड़ी आवास पर भी दही-चूड़ा भोज का आयोजन हुआ है। भोज में सीएम नीतीश कुमार को आमंत्रित करने के सवाल पर तेज प्रताप यादव ने कहा कि मकर संक्रांति पर मुख्यमंत्री को कोई आमंत्रण नहीं दिया गया। उनको 10 नंबर आवास में एंट्री भी नहीं करने देंगे। 10 सर्कुलर रोड पूर्व सीएम राबड़ी देवी का आवास है। वहीं, मीसा भारती ने नीतीश कुमार को आमंत्रित करने पर कहा कि 'उन्हें इसकी जानकारी नहीं।' बिहार में खेला होने की बात पर कहा- 'राजनीति कयासों का खेल है। कभी भी कुछ भी हो सकता है, लेकिन राजनीतिक बदलाव पर कुछ कहना फिलहाल जल्दबाजी होगी।' मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को चिराग पासवान के आमंत्रण पर दही-चूड़ा के भोज पर पहुंचे। 12 बजे का समय देकर मुख्यमंत्री सुबह 10 बजे पहुंचे। इस दौरान LJP प्रदेश कार्यालय में चिराग पासवान मौजूद नहीं थे। चिराग पासवान के बदले पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और राज्य संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष मौजूद रहे। उन्होंने सीएम का स्वागत किया। नीतीश कुमार यहां करीब 10 मिनट तक रुके और फिर वहां से निकल गए। इसके बाद मुख्यमंत्री बिहार सरकार के मंत्री रत्नेश सदा के आवास पर आयोजित दही-चूड़ा भोज में भी शामिल हुए। देशभर में आज मकर संक्रांति मनाई जा रही है। बिहार की सियासत में मकर संक्रांति के दही-चूड़ा भोज का खास महत्व है। मकर संक्रांति के मौके पर हर साल की तरह इस साल भी चूड़ा-दही भोज पर पॉलिटिक्स काफी चर्चा में हैं। नेता अपने-अपने पार्टी कार्यालय और आवास पर दही-चूड़ा भोज का आयोजन कर रहे हैं। राबड़ी आवास पर भी दही-चूड़ा भोज का आयोजन हुआ है। भोज में सीएम नीतीश कुमार को आमंत्रित करने के सवाल पर तेज प्रताप यादव ने कहा कि मकर संक्रांति पर मुख्यमंत्री को कोई आमंत्रण नहीं दिया गया। उनको 10 नंबर आवास में एंट्री भी नहीं करने देंगे। 10 सर्कुलर रोड पूर्व सीएम राबड़ी देवी का आवास है। वहीं, मीसा भारती

ने नीतीश कुमार को आमंत्रित करने पर कहा कि 'उन्हें इसकी जानकारी नहीं।' बिहार में खेला होने की बात पर कहा- 'राजनीति कयासों का खेल है। कभी भी कुछ भी हो सकता है, लेकिन राजनीतिक बदलाव पर कुछ कहना फिलहाल जल्दबाजी होगी।' मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को चिराग पासवान के आमंत्रण पर दही-चूड़ा के भोज पर पहुंचे। 12 बजे का समय देकर मुख्यमंत्री सुबह 10 बजे पहुंचे। इस दौरान छखढ प्रदेश कार्यालय में चिराग पासवान मौजूद नहीं थे। चिराग पासवान के बदले पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और राज्य संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष मौजूद रहे। उन्होंने सीएम का स्वागत किया। नीतीश कुमार यहां करीब 10 मिनट तक रुके और फिर वहां से निकल गए। इसके बाद मुख्यमंत्री बिहार सरकार के मंत्री रत्नेश सदा के आवास पर आयोजित दही-चूड़ा भोज में भी शामिल हुए। इससे पहले कल यानी 13 जनवरी को डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने अपने आवास पर दही-चूड़ा भोज का आयोजन किया था। इसमें राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत NDA के कई नेता शामिल हुए थे। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) प्रमुख पशुपति कुमार पारस ने 15 जनवरी को अपने आवास पर दही-चूड़ा भोज का आयोजन रखा है। इसमें लालू प्रसाद और नीतीश कुमार को भी निमंत्रण भेजा है। रालोजपा अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस ने रविवार को राजभवन में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात की। उन्हें मकर संक्रांति के मौके पर 15 जनवरी को अपने आवास पर आयोजित दही-चूड़ा भोज के लिए आमंत्रण दिया। कांग्रेस भी अपने पार्टी दफ्तर सदाकत आश्रम पर महागठबंधन के नेताओं के लिए दही-चूड़ा भोज का आयोजन कर रही है। दोपहर 01:00 बजे से इसका आयोजन किया जाएगा, जिसमें महागठबंधन के सभी नेता शामिल हो सकते हैं। बिहार इखढ के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल भी पार्टी दफ्तर पर दही-चूड़ा भोज का आयोजन कर रहे हैं, जिसमें NDA के सभी नेताओं को आमंत्रण भेजा गया है। वहीं नगर विकास एंव आवास विभाग के मंत्री नितिन नवीन ने 15 जनवरी को अपने आवास पर दही-चूड़ा भोज का आयोजन किया है।

चिराग पासवान बोले- मुख्यमंत्री आए यही बड़ी बात, उनकी व्यस्तता को सम्मान देने की जरूरत

लोजपा (रामविलास) के कार्यालय में भोज के दौरान सीएम नीतीश से मुलाकात नहीं होने चिराग ने कहा, 'मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम की व्यस्तता को हम सभी को सम्मान देने की आवश्यकता है। मैं भी आस्तिक हूं, पूजा पाठ करता हूं। जब उनके आने का समय निर्धारित हुआ तो उस समय मैं पूजा में था। 'मकर संक्रांति के अवसर पर विशेष पूजा थी, इसलिए मेरे लिए यह संभव नहीं था कि मैं पूजा छोड़कर वहां जाता। ऐसे में उनका आना ज्यादा मायने रखता है। वह आए यही बड़ी बात है।

नीतीश के लिए लालू की हां, तेजस्वी की न

सीएम नीतीश कुमार के आरजेडी से हाथ मिलाने को लेकर कुछ ही दिनों पहले आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि, ह्यनीतीश आते हैं तो साथ काहे नहीं लेंगे। ले लेंगे, साथ। नीतीश साथ में आएं, काम करें। हालांकि, नीतीश कुमार ने लालू प्रसाद के ऑफर को 2 बार 11 जनवरी को गोपालगंज और 12 जनवरी को मुजफ्फरपुर में ठुकराया। उन्होंने कहा कि '2 बार हमको गलती से उन लोगों के साथ जोड़ दिया। वो लोग कोई काम किया है क्या?'जबकि तेजस्वी नीतीश कुमार के साथ आने से इनकार करते रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने सीएम को थका हुआ बताया है। साथ ही कहा था- नीतीश कुमार के साथ गठबंधन करना पैर में कुल्हाड़ी मारने जैसा है।

संक्षिप्त डायरी

सीतामढ़ी के युवक ने ड्रीम-11 से जीता 1 करोड़

सीतामढ़ी। के बैरगनिया में रहने वाले एक मजदूर की किस्मत फैंटेसी क्रिकेट प्लेटफॉर्म ड्रीम-11 ने बदल दी है। चंदू साह के बेटे चंद्रभूषण ने मात्र 49 रुपए लगाकर एक करोड़ रुपए जीत लिए हैं। चंद्रभूषण मुंबई में अपने पिता के साथ एक कंपनी में मजदूरी करता था। उन्होंने इसी साल ड्रीम-11 पर खेलना शुरू किया और अब तक करीब 35-40 मैच खेले हैं। हालांकि उन्हें क्रिकेट की ज्यादा जानकारी नहीं थी और वह केवल दोस्तों को देखकर ही यह गेम खेलते थे। पिछले दिनों एक मैच के दौरान जब वह काम कर रहे थे, तभी उन्हें फोन आया कि उनकी टीम पहले नंबर पर है। चंद्रभूषण ने केवल दो टीमें बनाई थीं और उनमें से एक ने टूर्नामेंट में टॉप रैंक हासिल किया। जीत की खबर मिलते ही वह तुरंत हवाई जहाज से अपने घर सीतामढ़ी पहुंच गए। टैक्स कटौती के बाद बची राशि उनके खाते में ट्रांसफर कर दी गई है। चंद्रभूषण ने कहा कि अब वह मजदूरी करने नहीं जाएंगे और इस पैसे से अपना खुद का बिजनेस शुरू करेंगे। इस जीत से उनके परिवार में खुशी का माहौल है।जीतने की खुशी में फ्लाइट से पहुंचा सीतामढ़ी सीतामढ़ी के बैरगनिया का रहने वाला एक मजदूर ने ड्रीम-11 एप पर 49 रुपया लगाकर एक करोड़ रुपया जीता गया। जैसे ही वह एक करोड़ रुपया जीता, वह फुले नहीं समाया। युवक बैरगनिया का रहने वाले चंदू साह के बेटेचंद्रभूषण है। जो पैसा जीतने के बाद वह मुंबई से फ्लाइट पकड़कर सीधा सीतामढ़ी चला आया। बताया जा रहा है कि वह अपने पिता के साथ ही मुंबई में रहकर कंपनी में मजदूरी करता था। बीते दिन वह ड्रीम 11 एप पर हमेशा की तरह पैसा लगाया। इस बार वह 49 रुपया लगाया था और उसे फोन पर बताया गया की वह एक नंबर पर चल रहा है। जिस समय फोन आया उस समय वह कंपनी में ही काम कर रहा था और मैच देख रहा था। जैसे ही उसे फोन आया की वह एक करोड़ जीता है, वह खुशी से झूम गया और तुरंत वह फ्लाइट की टिकट बुक की और घर चला आया। अब मजदूरी नहीं खुद का बिजनेस शुरू करुंगा चंद्र भूषण ने कहा कि अब वह बाहर मजदूरी करने नहीं जाएगा। इसी पैसे से वह खुद का बिजनेस शुरू करेगा। बताया कि उसने मात्र 2 टीम बनाई थी। उसके द्वारा बनाई गई टीम ने न सिर्फ पहला रैंक हासिल किया, बल्कि चंद घंटों के भीतर ही उसे करोड़पति भी बना दिया। वह एक करोड़ रुपये जीत गया है। बीते दिन उनके खाते में टैक्स कटौती के बाद बाकी के रुपये ट्रांसफर भी कर दिए गए। बताया कि वह इसी वर्ष से ड्रीम 11 खेल रहा है। कुल 35 से 40 मैच खेला है। उसे क्रिकेट की ज्यादा जानकारी भी नहीं है। दोस्तों को देख-देख कर ड्रीम 11 खेलना शुरू किया था। इस उपलब्धि से उनके परिवारों में खुशी का माहौल है।

जेल में कैदियों को डिटर्जेंट पाउडर व अगरबत्ती बनाने का प्रशिक्षण शुरू

शेखपुरा। बिहार सरकार के विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच समाज के हर वर्ग तक सुनिश्चित कराने की कवायद के तहत मंडल कारा शेखपुरा के कैदियों को भी हुनरमंद बनाने की सकारात्मक पहल की जा रही है। इसके लिए उन्हें न सिर्फ प्रशिक्षित किया जाएगा बल्कि प्रमाण-पत्र भी दिया जाएगा ताकि वे जेल से रिहा होने के बाद रोजगार के रास्ते पर जाए। जेल में बंद कैदियों को एक माह का निःशुल्क प्रशिक्षण जिला उद्योग केन्द्र, उद्योग विभाग के अन्तर्गत बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के माध्यम से दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण सजायाफ्ता या उन कैदियों को दिया जा रहा है जिन्होंने इसके लिए अपनी इच्छा जाहिर किया है। जनवरी के पहले हफ्ते से ही इसकी शुरूआत कि गई है। इसे मार्केट की डिमांड और कैदियों की रूचि के अनुसार शुरू किया गया है। इस योजना के तहत कैदियों को अगरबत्ती और डिटरजेंट पाउडर निर्माण का प्रशिक्षण एक माह के लिए शेखपुरा मंडल कारा के अन्दर अनुभवी ट्रेनर के माध्यम से दिया जा रहा है। कैदी हुनरमंद होने के बाद भी जेल में बंद है या किसी कैदी को किसी खास काम मे महारत हासिल है तो उसे वही काम मिलेगा। इसलिए जेल में रहने के दौरान वे अपने हुनर का प्रयोग करते रहेंगे। जेल से रिहा होने के बाद भी वे हुनर की बदौलत कमाई कर समाज की मुख्य धारा में शामिल होकर अपने एवं अपने परिवार का भरण पोषण इज्जत के साथ कर सकेंगे। जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक सुजात ने बताया कि यह प्रशिक्षण शेखपुरा मंडल कारा के उन कैदियों को दिया जा रहा है। जिनकी उम्र 18 से 45 वर्ष के बीच की है।

छिलका के लोहे को काटते दो युवक धराए

शेखपुरा। अरियरी के महुली थाना क्षेत्र अंतर्गत सोहदी गांव के छिलका के समीप दो युवकों को गैस कटर से लोहे का शटर काटते ग्रामीणों ने चोर होने की आशंका पर पकड़ लिया। जब ग्रामीणों ने गैस कटर से लोहा काट रहे युवकों से पूछ-ताछ किया तो उन्होंने बताया की वे सिंचाई विभाग के एसडीओ के आदेश पर लोहा काटने आये थे। लेकिन ग्रामीणों को इस बात पर यकीन नही हुआ और मामले की जानकारी महुली थाना को दिया। सुचना मिलने पर महुली थानाध्यक्ष जल भरत राय के निर्देश पर गश्ती पुलिस टीम घटना स्थल पर पहुंची और जांच में जुट गई। इस संबंध में महुली थानाध्यक्ष जलभरत राय ने बताया की यहाँ का पड़ा बेकार लोहा सिचाई विभाग के द्वारा नीलाम किया गया है।

25 हजार का ईनामी गिरफ्तार

भोजपुर। पुलिस ने हत्या के मामले में करीब पांच सालों से फरार चले आ रहे एक इनामी आरोपित को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तारी चरपोखरी थाना के पथार गांव से हो सकी। पकड़ा गया आरोपित अंकित कुमार चरपोखरी के ही पथार गांव का निवासी है। इधर,एसपी राज ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपित के फरारी को देखते हुए उसके ऊपर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस को करीब पांच साल से तलाश थी। इधर, गुप्त सूचना के आधार पर गठित टीम ने पथार गांव में छापेमारी कर वांछित को धर दबोचा। मालूम हो कि 4 जुलाई 2020 में चरपोखरी के पथार गांव में सुदखोरी के पैसे को लेकर उपजे विवाद में गिरखी प्रसाद की पीटकर हत्या कर दी गई थी। पथार गांव निवासी गिरली प्रसाद के पुत्र दिलीप कुमार ने घटना से एक वर्ष पूर्व गांव के ही कमलेश सिंह की पत्नी किरण देवी से 15 हजार रुपये कर्ज के रूप में लिए थे। जिसमें पांच हजार रुपये वापस कर दिया था। आरोप हैं कि किरण देवी पांच प्रतिशत की दर से सूद की राशि मांग रही थी। जिसे लेकर तीन जुलाई को वाद-विवाद हुआ था। जिसके बाद आरोपियों ने गिरली की लोहे के रॉड से पिटाई करने के बाद गला घोंटकर हत्या कर दी थी। जिसे लेकर मृतक के पुत्र दिलीप ने दर्ज प्राथमिकी में कमलेश सिंह, पत्नी किरण देवी एवं पुत्र अंकित को आरोपी बनाया हैं।

आइशा और ऐपवा के छात्र नेताओं को किया रिहा

समस्तीपुर। में मुख्यमंत्री के आगमन पर कलेक्ट्रेट के सामने प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार छात्र नेताओं को सोमवार देर रात थाने से बल पर छोड़ा गया। छात्र नेताओं को थाने से छोड़े जाने के बाद छात्र संगठन से जुड़े नेताओं ने उनका माला पहनकर स्वागत किया एवं सड़क पर विजय जुलूस निकाला। इस दौरान छात्रों द्वारा 14 जनवरी को घोषित किया गया आंदोलन को भी रद्द कर दिया गया। प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विभिन्न प्रखंडों में योजनाओं की शिलान्यास और उद्घाटन के बाद कलेक्ट्रेट पहुंचे थे तो आइसा, एपवा, एन एसयूआई व अन्य छात्र संगठनों से जुड़े नेताओं ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया था। इस दौरान पुलिस ने विभिन्न संगठनों के 10 छात्र नेताओं को गिरफ्तार किया था। प्रदर्शन कर रहे छात्र 70वीं बीपीएससी की परीक्षा को रद्द कर परीक्षा की नई तिथि घोषित करने के साथी पटना में हुए लाठी चार्ज के दोषी पदाधिकारी पर कार्रवाई करने के साथ ही छात्र आंदोलन के दौरान मृत्यु हुई छात्र सोनू के परिजनों को उचित मुआवजा देने आदि की मांग कर रहे थे। वरीय नेताओं की पुलिस पदाधिकारी से वार्ता के बाद किए गए रिहा भाकपा माले जिला सचिव उमेश कुमार, राज्य कमेटी सदस्य बंदना सिंह, भाकपा जिला सचिव सुरेंद्र कुमार मुन्ना, माकपा के विधायक अजय कुमार, आइसा जिला अध्यक्ष सुनील कुमार, राज्य अध्यक्ष प्रीति कुमारी, आइसा-आरवाईए जिला प्रभारी सुरेंद्र प्रसाद सिंह, आदि द्वारा वरीय अधिकारियों से वार्ता के बाद देर रात एफआईआर दर्ज के बाद बेल देकर नगर थाना से रिहा कर दिया गया। रिहा होने पर मीडिया को संबोधित करते हुए आइसा सह भाकपा माले नेता उदय कुमार ने कहा कि बीपीएससी रिएग्जाम एवं पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन के दौरान सैकड़ों बार जेल जाना पड़े तो जाउंगा लेकिन छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करूंगा। भाकपा माले, माकपा, भाकपा एवं कांग्रेस के नेताओं ने रिहा किये गये छात्र नेताओं को माला पहनाकर स्वागत करते हुए कहा कि आपके संघर्ष की जीत होगी।

चूड़ा-तिल खाकर रिश्तेदार के घर से लौटा, लाश मिली

भोजपुर के तरारी थाना क्षेत्र के सेदहा गांव में फांसी लगाकर एक युवक ने खुदकुशी कर ली। मृतक युवक के गले पर दाग और बाएं हाथ पर चोट के निशान देखे गए हैं। परिजन द्वारा उसके दोस्तों पर फांसी लगाकर उसे मारने का आरोप लगाया जा रहा है। मृतक की पहचान तरारी थाना क्षेत्र के सेदहा गांव निवासी जयमंगल पासवान के 27 वर्षीय बेटे चितरंजन पासवान के रूप में हुई है। वह पेशे से मजदूर था। मृतक दिनेश के ससुर ने बताया कि मंगलवार की शाम छह बजे वह अपने रिश्तेदार के घर तिल और चूड़ा देकर वापस अपने घर लौटे थे। उसके बाद अपनी पत्नी से बोलकर घर से निकले कि मैं एक घंटे में बाहर से आ रहा हूं। उनकी पत्नी अपने कमरे में सोने चली गई। जब वह रात करीब नौ बजे उठी और अपने कमरे का दरवाजा खोला तो उसने देखा कि वह मृत अवस्था में आंगन में पड़े हैं। उसने शोर कर घर अन्य सदस्यों को बुलाया। परिजन उसे आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल लेकर आए। चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया। उसके बाद परिजन उसके शव को वापस गांव ले गए और उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। 3 दोस्तों पर फांसी लगाकर मारने का आरोप सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। ऑन ड्यूटी चिकित्सक ने शव को देखने के बाद मृत्यु का कारण स्पष्ट नहीं होने की बात कहकर शव को पोस्टमार्टम के लिए पटना रेफर कर दिया। दूसरी तरफ मृतक के ससुर दिनेश पासवान ने गांव के ही उसके तीन दोस्तों पर उसे फांसी लगाकर मारने का आरोप लगाया है। मंगलवार की रात पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। उसी दौरान उसने गुस्से में आकर उसी कमरे में फांसी लगा ली जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के बनाए गए मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार युवक की मौत फांसी लगने के कारण होना प्रतीत होता है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा। चितरंजन अपने दो भाई और दो बहन में दूसरे स्थान पर था। उसके परिवार में पत्नी लीलावती देवी, दो पुत्री काजल और प्रीति है। चितरंजन की पत्नी 9 माह की गर्भवती भी है। पत्नी लीलावती देवी और परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जहर खाने से नवविवाहिता की हालत बिगड़ी

आरा। के नवादा थाना क्षेत्र के जगदेव नगर मोहल्ले में मंगलवार को जहर खाने से एक नवविवाहिता की हालत काफी गंभीर हो गई। डायल 112 नंबर पुलिस वाहन ने उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया जहां उसका इलाज कराया जा रहा है। महिला चौरी थाना क्षेत्र के पुरहरा गांव निवासी सोनू कुमार की 23 वर्षीया पत्नी प्रियांशु देवी है। प्रियांशु ने बताया कि उसका पति सोनू कुमार आरा के रजिस्ट्रार ऑफिस में प्राइवेट जॉब करता है। सोनू से 16 मई 2024 को उसकी लव मैरिज हुई थी। शादी के कुछ दिन बीत जाने के बाद से ही उसके साथ मारपीट करता था। इसे लेकर वह कुछ महीने पहले महिला थाना भी गई थी। दोनों को थाना पर बुलाकर बॉन्ड भरवाया गया था। उसके बाद उसका पति उसे अपने साथ वापस घर ले गया था। मंगलवार को नहाकर आई और पति से पैसे मांगे तो उसने नहीं दिए। तभी उसने कहा कि मेरे सारे जेवर दे दो। इसी बात पर वह उसे सीढ़ी से घसीटता हुआ कमरे में ले गया और उसे मारा-पीटा। इसके बाद उसके ससुर, सास और ननद ने उसका हाथ-पैर पकड़ लिया। उसका पति छत पर गया, जहर लेकर आया और उसे जबरन खिला दिया। उसकी हालत काफी गंभीर हो गई।

बर्तन व्यवसायी के घर से 3 लाख की चोरी

शेखपुरा। में चोरों ने एक बर्तन व्यवसायी के घर को निशाना बनाते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना चेवाडा बाजार स्थित मिडिल स्कूल के पास की है। जहां पीड़ित धर्मेंद्र नोनिया के घर से चोर 85 हजार रुपए की नकदी और करीब ढाई लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। घटना मंगलवार की रात की है। बताया जा रहा है कि पीड़ित अपने पूरे परिवार के साथ मकर संक्रांति मनाने अपने गांव बसंत गए हुए थे। बुधवार सुबह जब वे वापस लौटे, तो घर के तीनों कमरों के ताले टूटे हुए और सामान बिखरा मिला। चोर पीछे की दीवार फांदकर घर में घुसे और आलमारी व लोहे के बक्से को तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। गृहस्वामिनी रितु देवी की सूचना पर चेवाडा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शिकायत मिलने पर होगी कार्रवाई थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार ने बताया कि लिखित शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। धर्मेंद्र चेवाडा बाजार में बर्तन की दुकान चलाते हैं और चोरों ने उनकी गैरमौजूदगी का फायदा उठाया।

एल्यूमीनियम फैक्ट्री में बॉयलर फटा, एक मजदूर की मौत

एक अन्य के मलबे में दबे होने की आशंका; मोबाइल पर बात करने, टॉयलेट करने गए दो मजदूरों की बची जान

समस्तीपुर। के एल्यूमीनियम फैक्ट्री में बुधवार दोपहर एक हादसे में एक मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, फैक्ट्री में बॉयलर के फटने से एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 3 अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। एक अन्य मजदूर के मलबे में दबे होने की जानकारी सामने आ रही है। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। अस्पताल में घायलों के पहुंचने के बाद अफरा-तफरी मच गई। हादसे की सूचना के बाद पुलिस भी अस्पताल पहुंची और घायलों से घटना की जानकारी लेने में जुट गई। साथ ही एक टीम घटनास्थल पर भी पहुंची है, जहां जांच पड़ताल जारी है। घटना वैनी थाना क्षेत्र स्थित फैक्ट्री की बताई जा रही है। तापमान बढ़ने से फटा बॉयलर: एसडीओ घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंचे सदर एसडीओ दिलीप

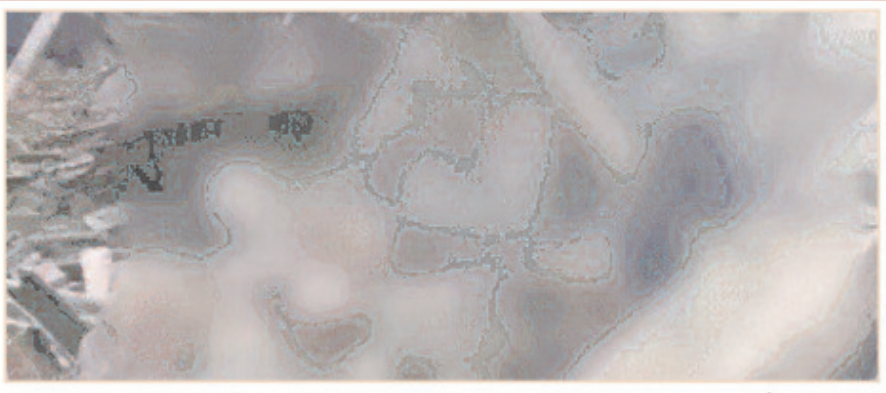

कुमार ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि समस्तीपुर जिले के वैनी थाना के पास एक अल्युमिनियम फैक्ट्री में बॉयलर के ब्लास्ट होने से एक मजदूर की मौत हो गई जबकि एक डेड बॉडी के मालवी में फंसे होने की बात बताई गई है। गंभीर रूप से जख्मी तीन लोगों को उपचार के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल भेजा गया है। सदर एसडीओ ने बताया कि घायलों और मृतक की पहचान जारी है। हालांकि, कुछ घायलों की पहचान हुई है, लेकिन पुष्टि के बाद ही इसकी जानकारी दी जाएगी। उधर, बताया जा रहा है कि दिलीप कुमार नाम का शख्स फैक्ट्री का मालिक बताया जा रहा है। घटना के बाद फैक्ट्री में मौजूद सभी लोग फरार हो गए हैं। प्रत्यक्षदर्शी ने कहा- काफी तेज था धमाका प्रत्यक्षदर्शी राहुल सिंह ने बताया कि यहां एल्यूमीनियम फैक्ट्री में बॉयलर ब्लास्ट हुआ। धमाका काफी तेज था। हम लोग कुछ ही दूरी पर थे। धमाके की तेज आवाज के बाद हम लोग घटनास्थल की ओर दौड़े। यहां आकर देखा, तो धमाके के बाद फैक्ट्री की दीवार मलबे में तब्दील हो गई थी। मलबे में तीन मजदूर बेहद गंभीर स्थिति में पड़े थे। तीनों को तत्काल गांव के लोगों की मदद से ताजपुर हॉस्पिटल भेजा गया, जहां से उन्हें सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। एक मजदूर के दबे होने की बात कही जा रही है। फिलहाल, जेसीबी से मलबा हटाया जा रहा है। इसके बाद ही कुछ स्पष्ट हो पाएगा। मोबाइल पर बात करने गया, तो बची जान राहुल ने बताया कि एक मजदूर आज छुट्टी पर था। एक मजदूर जो घायल है, उसकी पहचान पवन कुमार सिंह के रूप में हुई है, उनका बेटा भी फैक्ट्री में काम करता है, जो घटना से ठीक पहले मोबाइल पर बात करने बाहर चला गया था, जिससे उसकी जान बच गई। वहीं, एक मजदूर टॉयलेट चला गया था।

100 साल पुरानी है फैक्ट्री, 150 से 200 मजदूर करते हैं काम

राहुल सिंह ने बताया कि हादसे के शिकार मृतक मुजफ्फरपुर का रहने वाला बताया जा रहा है। उसका सिर बुरी तरह से डैमेज हो गया था। उन्होंने बताया कि फैक्ट्री करीब 100 साल पुरानी है, जहां एल्यूमिनियम का बर्तन बनता है। राहुल ने बताया कि फैक्ट्री में 150 से 200 मजदूर काम करते हैं, लेकिन जहां बॉयलर रहता है, वहां करीब 7 से 8 मजदूर रहते हैं, काम करते हैं।

पुष्कर में सैलानी उठाते हैं मरुस्थल का लुत्फ, लजीज व्यंजन और लोक नृत्यों का है संगम

अजमेर जिला रेगिस्तानी जिलों में शामिल नहीं है परन्तु अजमेर का पुष्कर चारों और से रेगिस्तान की रेत से घिरा है। यहां जेसलमेर में सम जैसे आकर्षक रेतीले धोरें नहीं हैं परंतु सैलानियों को राजस्थान की ग्रामीण संस्कृति से बखूबी परिचित कराते हैं।

आकर्षण

पुस्कर में पर्यटकों के लिए कार्तिक पूर्णिमा पर ऊँट उत्सव, अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून फेस्टिवल, सावित्री मन्दिर पर केबल राइड, वराह घाट पर पुष्कर आरती, रॉक क्लाइम्बिंग, रैपलिंग, क्वैड बाइकिंग, साइकिलिंग, सनसेट के साथ केमल सफारी, पूरी रात केमल सफारी, केमल सफारी के साथ लक्ज़री नाईट कैंपिंग, केमल कार्ट सफारी, जीप सफारी, हॉर्स राइडिंग, ज़िप्लिनिंग मनोरंजन के प्रमुख आकर्षण हैं। पर्यटक रेगिस्तान के अनदेखे क्षेत्र के इन आकर्षणों का यहाँ लुत्फ उठा सकते हैं। जयपुर के पास रेगिस्तान देखने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों के लिए जयपुर से मात्र 150 किमी. एवं अजमेर से 11 किमी.दूरी पर पुष्कर सर्वश्रेस्ठ विकल्प है। पूरे वर्ष ही भारत एवं अन्य देशों के पर्यटक पुष्कर का डेजर्ट क्षेत्र देखने आते हैं और ग्रामीण केमल सफारी, नाईट कैंपिंग,लजीज व्यंजन और लोक नृत्यों का लुत्फ उठाते हैं।

प्रतिवर्ष यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को पुष्कर मेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक भी आते हैं। हजारों हिन्दु लोग इस मेले में आते हैं और अपने को पवित्र करने के लिए पुष्कर झील में स्नान करते हैं। भारत में किसी पौराणिक स्थल पर आम तौर पर जिस संख्या में पर्यटक आते हैं, पुष्कर में आने वाले पर्यटकों की संख्या उससे कहीं ज्यादा है। इनमें बडी संख्या विदेशी सैलानियों की है, जिन्हें पुष्कर खास तौर पर पसंद है। हर साल कार्तिक महीने में लगने वाले पुष्कर ऊंट मेले ने तो इस जगह को दुनिया भर में अलग ही पहचान दे दी है। मेले के समय पुष्कर में कई संस्कृतियों का मिलन देखने को मिलता है। एक तरफ तो मेला देखने के लिए विदेशी सैलानी बडी संख्या में पहुंचते हैं, तो दूसरी तरफ राजस्थान व आसपास के तमाम इलाकों से आदिवासी और ग्रामीण लोग अपने-अपने पशुओं के साथ मेले में शामिल होने आते हैं। मेला रेत के विशाल मैदान में लगाया जाता है। ढेर सारी कतार की कतार दुकानें, खाने-पीने के स्टाल, सर्कस, झूले और न जाने क्या-क्या। ऊंट मेला और रेगिस्तान की नजदीकी है इसलिए ऊंट तो हर तरफ देखने को मिलते ही हैं। वर्तमान में इसका स्वरूप विशाल पशु मेले का हो गया है।

मनोरंजन

दिलचस्प ऊंट सौंदर्य प्रतियोगिता , सजे-धजे ऊंट का नृत्य, मटकीफोड़, लम्बी मूंछें और दुल्हन की प्रतियोगिताएं पर्यटकों का खूब मनोरंजन करती हैं। रात्रि में लोक कलाकारों के सुर-ताल की जुगलबंदी और रंगबिरंगे नृत्यों से पर्यटक आनन्दित होते हैं। अनेक प्रदर्शनियां भी सजाई जाती हैं। परेड और दौड़ को हजारों देशी और विदेशी पर्यटक रुचिपूर्वक देखते हैं। स्मृतियों को संजोने के लिए पर्यटक हर तरफ फ़ोटो खीचते नज़र आते हैं। पर्यटकों के लिए पुष्कर में सरोवर एवं कई मन्दिर भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून भी प्रबल आकर्षण बन गया है।

ब्रह्मा मन्दिर

पुष्कर सुरण्य नागा पहाड़ की गोद में रेतीले धरातल पर बसा है। पुष्कर का महात्म्य वेद, पुराण, महाकाव्य, साहित्य, शिलालेख एवं लोक कथाओं में वर्णित है। पुष्कर को मंदिरों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। यहाँ लगभग 500 मंदिर बताए जाते हैं। ब्रह्माजी का मंदिर देश भर में अकेला प्रसिद्ध मन्दिर है। धरातल से करीब 50 फीट की ऊंचाई पर स्थित मन्दिर के प्रवेश द्वार के भीतरी भाग पर ब्रह्मा का वाहन राजहंस है। प्रमुख मंदिर के गर्भगृह में ब्रह्मा जी की बैठी हुई मुद्रा में प्रतिमा स्थापित है। चतुर्मुखी इस प्रतिमा के तीन मुख सामने से दिखाई देते हैं। प्रतिमा को करीब 800 वर्ष पुराना बताया जाता है। सैंकड़ों वर्षों से प्रतिमा का प्रतिदिन जलस्नान व पंचामृत अभिषेक किया जाता है। मंदिर के आंगन में ब्रिटिशकालीन एक-एक रूपये के सिक्के जड़े हैं। संगमरमर के कलात्मक स्तंभ मोह लेते हैं। मंदिर परिक्रमा मार्ग में सावित्री माता का मंदिर स्थापित किया गया है। परिसर में अन्य मन्दिर भी दर्शनीय हैं।

पुष्कर सरोवर

अर्धचन्द्राकार पवित्र पुष्कर सरोवर प्रमुख धार्मिक पर्यटक स्थल है। यहां 52 घाट बने हैं, जिन पर 700 से 800 वर्ष प्राचीन विभिन्न देवी-देवताओं के मंदिर बनाए गए हैं। देश के चार प्रमुख सरोवरों में माना जाने वाला पुष्कर सरोवर की धार्मिक आस्था का पता इसी बात से चलता है कि यहां स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। प्रातःकाल की वेला में जब सूर्योदय होता है तथा गोधूलि की वेला में जब सूर्यास्त होता है पुष्कर का दृष्य अत्यंत ही मनोरम होता है। इस दृष्य को देखने के लिए घाटों पर सैलानियों और श्रद्धालुओं का जमावड़ा देखा जा सकता है।

वराह मन्दिर

प्राचीनता की दृष्टि से करीब 900 वर्ष पुराना वराह मंदिर का निर्माण अजमेर के चैहान शासक अर्णीराज ने कराया था। पुष्कर सरोवर के वराह घाट के पास स्थित वराह चौंक से एक रास्ता बस्ती के भीतर इमली मोहल्ले तक जाता है, जहां यह विशाल मंदिर स्थापित है। करीब 30 फुट ऊंचा मंदिर, चौड़ी सीढ़ियां तथा किले जैसा प्रवेश द्वार आकर्षण का केन्द्र है। बताया जाता है कि कभी मंदिर का शिखर 125 फीट ऊंचा था, जिस पर सोन चराग (स्वर्ण दीप) जलता था, जो दिल्ली तक दिखाई देता था। मुख्य मंदिर में विष्णु के अवतार वराह भगवान की मूर्ति स्थापित है। मूर्ति के नीचे सप्त धातु से निर्मित करीब सवा मन वजन की लक्ष्मी-नारायण की प्रतिमा है। यहीं पर बून्दी के राजा द्वारा भेंट किया गया लोहे का सवा मनी भाला रखा गया है। जलझूलनी ग्यारस पर लक्ष्मी-नारायण की सवारी धूमधाम से निकाली जाती है। चैत्र माह में वराह नवमी के दिन भगवान का जन्मदिन मनाया जाता है। जन्माष्टमी व अन्नकूट के अवसर पर उत्सव आयोजित किए जाते हैं। मंदिर में विशेष कर चावल का प्रसाद चढ़ता है। वराह घाट पर संध्या आरती का दृश्य देखे ही बनता है।

श्री रमा वैकुण्ठ मंदिर

ब्रह्मा जी के मंदिर के बाद इस मंदिर का विशेष महत्व है, जिसे रंगा जी का मंदिर भी कहा जाता है। मंदिर करीब 20 बीघा भूमि पर बना है। मंदिर का प्रवेश द्वार आकर्षक एवं विशाल है। भीतर जाने पर सामने ही रमा वैकुण्ठ का मंदिर नजर आता है। मंदिर के ऊतंग गोपुरम पर 350 से अधिक देवताओं के चिन्ह बने हैं। यह गोपुरम दक्षिण भारतीय स्थापत्य कला शैली का अनुपम उदाहरण है। मंदिर के सामने प्रांगण में ही एक बड़ा स्वर्णिम गरूड़ ध्वज नजर आता है। मंदिर के पास अभिमुख गरूड़ मंदिर स्थापित है। मुख्य मंदिर के चारों तरफ पक्के दालान के बीच में तीन-चार फीट ऊंचे चैकोर बड़े संगमरमरी चबूतरे पर मंदिर स्थित है। मुख्य प्रतिमा व्यंकटेश भगवान विष्णु की काले पत्थरों की आभूषणों एवं वस्त्रों से सुसज्जित है। इसी को वैकुण्ठ नाथ की प्रतिमा कहा जाता है। मंदिर में ही श्रीदेवी, तिरूपति नाथ, भूदेवी, लक्ष्मी व नरसिंह की मूर्तियां भी हैं। परिक्रमा मार्ग में दोनों तरफ दीवारों पर आकर्षक रंगीन चित्र एवं संगमरमर के कलात्मक स्तंभ बने हैं। सम्पूर्ण परिक्रमा मार्ग अत्यंत लुभावना लगता है।

रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर

दक्षिण भारत स्थापत्य शैली पर आधारित भगवान रंगनाथ वेणुगोपाल का विशाल मंदिर वराह चौंक के पास स्थित है। मंदिर का निर्माण दक्षिण भारत के एक सेठ पूरनमल गनेरीवाल द्वारा 1844 ईस्वी में करवाया गया था। मंदिर का गोपुरम और कलश दूर से ही नजर आता है। विशाल द्वार से अंदर प्रवेश करने पर पक्का दालान और कमरे बने हैं। यहीं पर उतंग स्वर्णिम गरूड़ ध्वज है, जिसके पास गरूड़ का छोटा सा मंदिर है, जो भगवान वेणुगोपाल की तरफ मुख किए हुए है। दांयी ओर मुख्य मंदिर की सीढ़ियां जाती हैं। गर्भगृह में बंशी बजाते हुए भगवान वेणुगोपाल की श्याम वर्ण की लुभावनी प्रतिमा है। मंदिर मकराना के श्वेत पत्थर से निर्मित है, जिसके दोनों ओर जय-विजय द्वारपाल हैं। इसी मंदिर में रूकमणी, श्रीकृष्ण, भूदेवी, सत्यभामा की पंचधातु की प्रतिमाएं हैं। चैत्र माह में भगवान रंगनाथ का विवाह उत्सव मनाया जाता है।

अरावली पर्वत की घाटियों में बसा रणकपुर जैन मंदिर

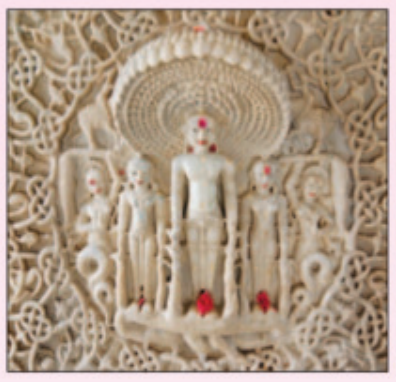

राजस्थान में अरावली पर्वत की घाटियों के मध्य चारों ओर जंगलों से घिरे रणकपुर में भगवान ऋषभदेव का चतुर्मुखी जैन मंदिर है। जंगलों से घिरे होने के कारण इस मंदिर की भव्यता देखते ही बनती है। भारत के जैन मंदिरों में संभवतः इसकी इमारत सबसे भव्य एवं विशाल है। रणकपुर मंदिर उदयपुर से 96 किलोमीटर की दूरी पर है।

इस मंदिर की इमारत लगभग 40,000 वर्गफीट में फैली है। आज से करीब 600 वर्ष पूर्व 1446 विक्रम संवत में इस मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ था, जो 50 वर्षों से अधिक समय तक चला। कहा जाता है कि उस समय में इसके निर्माण में करीब 99 लाख रुपए का खर्च आया था। इस मंदिर में 4 कलात्मक प्रवेश द्वार हैं। मंदिर के मुख्य गृह में तीर्थंकर आदिनाथ की संगमरमर से बनी 4 विशाल मूर्तियां हैं। करीब 72 इंच ऊंची ये मूर्तियां 4 अलग दिशाओं की ओर उन्मुख हैं। इसी कारण इसे चतुर्मुख मंदिर कहा जाता है। इसके अलावा मंदिर में 76 छोटे गुम्बदनुमा पवित्र स्थान, 4 बड़े प्रार्थना कक्ष तथा 4 बड़े पूजन स्थल हैं। ये मनुष्य को जीवन-मृत्यु की 84 योनियों से मुक्ति प्राप्त कर मोक्ष प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं।

इस मंदिर की प्रमुख विशेषता इसके सैकड़ों खंभे हैं जिनकी संख्या करीब 1,444 है। यहां आप जिस तरफ भी नजर घुमाएंगे आपको छोटे-बड़े आकारों के खंभे दिखाई देते हैं, परंतु ये खंभे इस प्रकार बनाए गए हैं कि कहीं से भी देखने पर मुख्य पवित्र स्थल के दर्शन में बाधा नहीं पहुंचती है। इन खंभों पर अतिसुंदर नक्काशी की गई है। इन खंभों की खास विशेषता यह है कि ये सभी अनोखे और अलग-अलग कलाकृतियों से निर्मित हैं। मंदिर की छत पर की गई नक्काशी इसकी उत्कृष्टता का प्रतीक है।

मंदिर के निर्माताओं ने जहां कलात्मक दोमंजिला भवन का निर्माण किया है, वहीं भविष्य में किसी संकट का अनुमान लगाते हुए कई तहखाने भी बनाए गए हैं। इन तहखानों में पवित्र मूर्तियों को सुरक्षित रखा जा सकता है। ये तहखाने मंदिर के निर्माताओं की निर्माण संबंधी दूरदर्शिता का परिचय देते हैं।

विक्रम संवत 1953 में इस मंदिर के रखरखाव की जिम्मेदारी एक ट्रस्ट को दे दी गई थी। उसने मंदिर के पुनरुद्धार कार्य को कुशलतापूर्वक कर इसे एक नया रूप दिया। पत्थरों पर की गई नक्काशी इतनी भव्य है कि कई विख्यात शिल्पकार इसे विश्व के आश्चर्यों में से एक बताते हैं। हर वर्ष हजारों कलाप्रेमी इस मंदिर को देखने आते हैं। इसके अलावा यहां संगमरमर के टुकड़े पर भगवान ऋषभदेव के पदचिह्न भी हैं। ये भगवान ऋषभदेव तथा शत्रुंजय की शिक्षाओं की याद दिलाते हैं।

रणकपुर का निर्माण कैसे हुआ- इस मंदिर का निर्माण 4 श्रद्धालुओं- आचार्य श्यामसुंदरजी, धरन शाह, कुंभा राणा तथा देपा ने कराया था। आचार्य सोमसुंदर एक धार्मिक नेता थे जबकि कुंभा राणा मलगढ़ के राजा तथा धरन शाह उनके मंत्री थे। धरन शाह ने धार्मिक प्रवृत्तियों से प्रेरित होकर भगवान ऋषभदेव का मंदिर बनवाने का निर्णय लिया था।

कहा जाता है कि एक रात उन्हें स्वप्न में नलिनीगुल्मा विमान के दर्शन हुए, जो पवित्र विमानों में सर्वाधिक सुंदर माना जाता है। इसी विमान की तर्ज पर धरन शाह ने मंदिर बनवाने का निर्णय लिया। मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह ने कई वास्तुकारों को आमंत्रित किया। इनके द्वारा प्रस्तुत कोई भी योजना उन्हें पसंद नहीं आई। अंततः मुंदारा से आए एक साधारण से वास्तुकार दीपक की योजना से वे संतुष्ट हो गए।

मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह को मलगढ़ नरेश कुंभा राणा ने जमीन दी। उन्होंने मंदिर के समीप एक नगर बसाने का भी सुझाव दिया। मंदिर के समीप मदगी नामक गांव को इसके लिए चुना गया तथा मंदिर एवं नगर का निर्माण साथ ही प्रारंभ हुआ। राजा कुंभा राणा के नाम पर इसे रणपुर कहा गया, जो बाद में रणकपुर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। आज का रणकपुर पुरानी विरासत और इसे सहेजकर रखने वालों के बारे में भी संदेश देता है जिनके कारण रणकपुर मात्र एक विचार से वास्तविकता में बदल सका।

वैसे भी राजस्थान अपने भव्य स्मारकों तथा भवनों के लिए प्रसिद्ध है। राजस्थुान में स्थित रणकपुर मंदिर जैन धर्म के 5 प्रमुख तीर्थस्थरलों में से एक है। यह मंदिर खूबसूरती से तराशे गए प्राचीन जैन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर परिसर के आसपास ही नेमीनाथ और पार्श्वनाथ को समर्पित 2 मंदिर हैं, जो हमें खजुराहो की याद दिलाते हैं। यहां निर्मित सूर्य मंदिर की दीवारों पर योद्धाओं और घोड़ों के चित्र उकेरे गए हैं, जो अपने आप में एक उत्कृष्ट उदाहरण के समान है। यहां से लगभग 1 किलोमीटर दूरी पर माता अम्बा का मंदिर भी है।

कैसे पहुंचें:-

सड़क मार्ग:- उदयपुर देश के प्रमुख शहरों से सड़कों के जरिए जुड़ा हुआ है। उदयपुर से यहां के लिए प्राइवेट बसें तथा टैक्सियां उपलब्ध रहती हैं। आप यहां अपने निजी वाहन से भी जा सकते हैं।

रेलवे:- यहां पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टे शन उदयपुर ही है, साथ ही रणकपुर के लिए सभी प्रमुख शहरों से रेलगाड़ियां उपलब्धे हैं।

वायु मार्ग:- रणकपुर पहुंचने के लिए नजदीकी हवाई अड्डा उदयपुर है। दिल्लीं, मुंबई से यहां के लिए नियमित उड़ानें हैं।

आसपास के क्षेत्रों में पावापुरी सिरोही, संघवी भेरूतारक तीर्थ धाम, माउंट आबू, दिलवाड़ा का विख्यात जैन मंदिर भी हैं, जहां आसानी से पहुंचा जा सकता है।

भारतीय महिला टीम ने आयरलैंड को हराकर मचाई तबाही, वनडे में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत दर्ज की

राजकोट (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बुधवार को राजकोट में इतिहास रच दिया है। टीम ने आयरलैंड को तीसरे और आखिरी वनडे में 304 रनों से करारी शिकस्त दी। महिला वनडे में भारत की रनों के लिहाज से ये सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले 2017 में टीम इंडिया ने आयरलैंड को 249 रनों से हराकर वनडे की सबसे बड़ी जीत हासिल की थी। वहीं टीम के लिए कप्तान स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल के पहले सैकड़े की मदद से आयरलैंड के खिलाफ तीसरे मैच में पांच विकेट पर 435 रन बनाए। जो कि वनडे क्रिकेट में भारत का अब तक सर्वोच्च स्कोर है। वहीं इसके जवाब में आयरलैंड टीम 110 गेंद शेष रहते हुए ऑलआउट हो गई।

भारत के 435 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की महिला टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 24 के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिए। कप्तान गैबी लुईस को तितास साधु ने पगबाधा आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। क्रिस्टिना कुल्टर रीली को सायली सातघरे ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद सारा फोर्ब्स और ऑलि प्रेंडरगस्ट ने पारी को संभालने का प्रयास किया।

दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 64 रन जोड़े। 15वें अवर में तनुजा कंवर ने ऑलि प्रेंडरगस्ट को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। सारा फोर्ब्स रन आउट हुई। इसके बाद दीप्ति शर्मा ने लॉरा डेलेनी, ली पॉल को आउट किया। आर्लीन केली, जॉर्जिना डेम्पसी रनआउट हुई। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने 27 रन देकर तीन विकेट अपने नाम किए। तनुजा कंवर को दो विकेट मिले। तितास साधु, सायली सातघरे और मिन्नू मनी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले कप्तान स्मृति ने सिर्फ 70 गेंद पर 135 रन बनाए, जो उनका 10वां वनडे शतक है। इस तरह भारतीय महिला टीम पहली बार 400 रन के आंकड़े को पार करने में सफर रही। इससे भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के साथ एलीट सूची में शामिल होने में कामयाब रही। ये महिला वनडे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में चौथा सर्वोच्च स्कोर भी है।

लॉस एंजिलिस ओलंपिक में अगर मुक्केबाजी शामिल होती है तो मैं हिस्सा लूंगा: मुक्केबाज निशांत देव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेशेवर सर्किट में प्रतिस्पर्धा करने के अपने बचपन के सपने को पूरा करने के लिए तैयार भारतीय मुक्केबाज निशांत देव ने कहा कि इस कदम का मतलब यह नहीं है कि ओलंपिक पदक के लिए उनकी कोशिश खत्म हो जाएगी इसलिये अगर यह खेल 2028 लॉस एंजिलिस में बना रहता है तो वह इसमें शिरकत करेंगे।

निशांत ने पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में मिली करीबी हार और ओलंपिक में मुक्केबाजी के भविष्य को लेकर अनिश्चितता के कारण पेशेवर बनने का फैसला किया। हालांकि वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करना चाहते हैं। 2023 विश्व चैंपियनशिप में लाइट मिडिलवेट (71 किग्रा) में कांस्य पदक जीतने वाले इस मुक्केबाज ने एडी हर्न की 'मैचरूम बॉक्सिंग' से करार किया है।

उनकी पहली पेशेवर बाउट 25 जनवरी को लॉस एंजिलिस में होगी। देव लॉस एंजिलिस में पेशेवर मुक्केबाज रोनाल्ड सिम्स की देखरेख में अपना मुक्केबाजी कौशल निखार रहे हैं। उन्होंने लॉस एंजिलिस से कहा, 'मैं ओलंपिक में खेलने का अपना सपना पूरा करना चाहता था जो मैं कर चुका हूं। लेकिन अब मैं पेशेवर मुक्केबाजी में खेलने के अपने दूसरे सपने को पूरा करना चाहता हूं।'

देव को अब भी पेरिस ओलंपिक में मिली करीबी हार सालती है जिसमें वह मेक्सिको के मार्को वर्डे से विवादास्पद क्वार्टरफाइनल हार गये थे। उन्होंने कहा, 'मैं टूट गया था। इतने बड़े मंच पर इस तरह का झटका चुनौतीपूर्ण था।' ओलंपिक में मुक्केबाजी के भविष्य की अनिश्चितता इस निराशा को और भी बढ़ा रही है। उन्होंने कहा, 'अभी तक मुक्केबाजी की ओलंपिक के लिए पुष्टि नहीं की गई है। मैं यह जानने के लिए तीन साल तक इंतजार नहीं करना चाहता कि यह ओलंपिक में शामिल नहीं है। इसलिए इस समय का उपयोग मेरे पेशेवर मुक्केबाजी के सपने को पूरा करने में किया जा सकता है।'

उन्होंने कहा, 'मैं अभी 24 साल का हूं और मुझे कहा गया है कि मैं इसके लिए बड़ा हूं। अगर मैंने विजेंदर सिंह या विकास कृष्ण की तरह देर से शुरुआत की होती तो मुझे इसका पछतावा होता क्योंकि इनके पेशेवर करियर का अंत इतना अच्छा नहीं रहा।' देव ने कहा, 'मैं बड़े सपने देखता हूं। मैं भारत का पहला पेशेवर विश्व चैंपियन बनना चाहता हूं और सभी मुख्य बेल्ट जीतना चाहता हूं।'

चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद गंभीर के भविष्य पर फैसला करेगी बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अगले माह होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को लेकर कोई फैसला कर सकती है। गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद से ही टीम का प्रदर्शन अच्छा नही रहा है। इसके साथ ही उनके टीम के अनुभवी खिलाड़ियों से मतभेद की भी खबरें हैं। माना जा रहा है गंभीर से कई खिलाड़ी खुश नहीं हैं जिससे ड्रेसिंग का माहौल भी तनावपूर्ण बना हुआ है। पिछले साल जुलाई में गंभीर के पद संभालने के बाद से ही भारतीय टीम दस में से छह टेस्ट हारी है। उसे घरेलू धरती पर न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। इसके अलावा टीम का प्रदर्शन बॉर्डर गावस्कर सीरीज में भी खराब रहा और टीम 3-1 से हार गयी। सीमित ओवरों की बात करें तो उसे श्रीलंका में एक द्विपक्षीय एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। ये भी चर्चाएं हैं कि उनकी टीम के कप्तान रोहित शर्मा से नहीं बन रही।

वहीं बीसीसीआई से जुड़ी एक रिपोर्ट क अनुसार अगर भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाती तो गंभीर की स्थिति और भी कमजोर हो सकती है। उनका कोचिंग अनुबंध 2027 विश्व कप तक है पर उसकी समीक्षा जारी रहेगी। खेल में परिणाम सबसे महत्वपूर्ण होते हैं और अगर वह नहीं मिलते तो गंभीर पर दबाव बढ़ता जाएगा, ऐस में अभी जो उन्हें टीम चयन में अधिकार मिले हैं वह कम हो जाएंगे। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया में टीम के प्रदर्शन की समीक्षा की है। इसके अलावा टीम 'कल्चर के मामले पर भी गंभीर और सीनियर खिलाड़ियों में मतभेद हैं। गंभीर सुपरस्टार कल्चर खत्म करना चाहते हैं जो इतने साल से चला आ रहा है। उनका कहना है कि सभी खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। इससे कुछ खिलाड़ी नाराज है। दूसरी ओर सीनियर खिलाड़ियों का मानना है कि कोच की ओर से संवाद की कमी है। इन सबके बीच राष्ट्रीय चयन समिति का भी नजरिया है जो नहीं चाहती कि चयन मामलों में कोच ज्यादा हस्तपेक्ष करें। बीसीसीआई के वरिष्ठ अधिकारी इस बात से भी नाराज है कि गंभीर का निजी सहायक ऑस्ट्रेलिया में हर जगह टीम के साथ रहा। उन्होंने कहा, 'उसका पीए राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की कार में क्या कर रहा था।

अश्विन ने कहा , क्रिएटिविटी खोने के कारण लिया संन्यास

चेन्नई (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के बीच में ही अचानक संन्यास लेकर सभी को हैरान कर दिया था। अब अश्विन ने इसको लेकर अब अपनी बात रखी है। अश्विन के इस फैसले के लिए ड्रेसिंग रूम में तनाव और टीम प्रबंधन के साथ मतभेद को जिम्मेदार माना जा रहा था। वहीं अब अश्विन ने कहा कि यह एक सहज निर्णय था क्योंकि उन्होंने अपनी क्रिएटिविटी खो दी थी।

अश्विन ने कहा, ÷मैंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना पहला टेस्ट नहीं खेला। वहीं दूसरा खेला, तीसरा नहीं खेला। ऐसे में हो सकता था कि मुझे अगला मुकाबला खेलने का अवसर मिले या नहीं। वहीं इस दौरान मैं अपनी क्रिएटिविटी तलाशने का प्रयास रहा था। उस समय, मुझे लगा कि मेरी क्रिएटिविटी खत्म हो गई है, तो वह खत्म हो गई, बस सही है, इसी कारण मैंने अलविदा कहने का फैसला किया।÷ अश्विन ने कहा कि वह विदाई टेस्ट जैसा कुछ नहीं चाहते थे। साथ ही कहा कि वह अभी भी खेल सकत थे क्योंकि उनके अंदर क्रिकेट बचा था पर उन्हें इस बात की खुशी है कि उन्होंने इस तब छोड़ा जब लोग उनके फैसले पर सवाल उठा रहे थे ना कि उन्हें संन्यास लेने के लिए कह रहे थे। अश्विन ने साथ ही कहा, ÷इससे क्या प्रभाव पड़ता अगर मैं गेंद के साथ बाहर आता और लोग तालियां बजाते? लोग कितने समय तक इसके बारे में बात करेंगे? जब सोशल मीडिया नहीं था, लोग इसके बारे में बात करते थे और एक हफ्ते बाद भूल जाते थे. विदाई की कोई जरूरत नहीं है। खेल ने हमें बहुत कुछ दिया है और हमने बहुत खुशी के साथ खेला है. 'मैं और क्रिकेट खेलना चाहता हूं पर भारतीय ड्रेसिंग रूम में जगह नहीं थी। मैं खेल के प्रति ईमानदार रहना चाहता हूं। मैं विदाई टेस्ट खेलना चाहता हूं पर में टीम में जगह के योग्य नहीं हूं तो क्या फायदा। मैं केवल विदाई टेस्ट के कारण टीम में नहीं रहना चाहता।

डीडीसीए सचिव ने कहा विराट दिल्ली से रणजी ट्रॉफी में खेलें

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने पिछले एक दशक से घरेलू क्रिकेट नहीं खेला है। वहीं ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट खेलने को कहा है। इसी को देखते हुए दिल्ली जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के सचिव अशोक शर्मा ने अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को दिल्ली की ओर से रणजी ट्रॉफी में खेलने की सलाह दी है। डीडीसीए सचिव ने कहा कि हमने विराट का नाम संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया है। साथ ही कहा कि पिछली बार जब उन्होंने दिल्ली की ओर से रणजी ट्रॉफी मैच खेला था तब गौतम गंभीर और वीरेंद्र सहवाग जैसे खिलाड़ी भी खेलते थे। वहीं टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा भी मुंबई की रणजी ट्रॉफी टीम के साथ खेलने तैयार हैं। अशोक ने कोहली से आग्रह किया कि वे मुंबई के खिलाड़ियों की तरह ही खेलने का फैसला लें। कोहली के अलावा ऋषभ पंत को भी रणजी ट्रॉफी के अंतिम दो राउंड के लिए दिल्ली की संभावित टीम में शामिल किया गया है।

शिवम को इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए शामिल नहीं करने पर भड़के आकाश चोपड़ा

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में ऑलराउंडर शिवम दुबे को जगह नहीं मिलने पर हैरानी जतायी है। आकाश ने कहा कि शिवम पिछले साल आईसीसी टी20 विश्व कप विजेता टीम में शामिल थे पर इसके बाद भी उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। उनकी जगह टीम प्रबंधन ने ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को टीम में जगह दी है। नीतीश ने हाल में अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे में शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा था। चोपड़ा ने कहा, शिवम के अलावा रुतुराज गायकवाड़ और रजत पाटीदार को भी टीम में जगह नहीं मिली। साथ ही कहा कि बल्लेबाजी में गायकवाड़ और पाटीदार के लिए जगह नहीं बन रही थी पर शिवम को ऑलराउंडर के रूप में जगह मिलनी ही चाहिये थी। शिवम ने आईसीसी टी20 विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जबरदस्त खेल दिखाया था। फाइनल में शिवम ने 16 गेंद में 27 रन बनाये थे। चोपड़ा ने कहा, जब आप जीतते हैं तो हर किसी को श्रेय मिलना चाहिए। उन्होंने फाइनल में भी अच्छा खेला। इससे पहले निश्चित रूप से वह अच्छी फील्डिंग या बल्लेबाजी नहीं कर रहे थे। आकाश ने कहा, जब किसी खिलाड़ी को आईसीसी टी20 विश्व कप जैसे टूर्नामेंट में चुना जाता है तो उसके बाद ऐसे खिलाड़ी को कम से एक या दो साल तो लगातार मौका मिलना चाहिए। टी20 विश्व कप के बाद उन्हें जिम्बाब्वे और श्रीलंका दौरे पर जगह मिली थी पर दक्षिण अफ्रीका दौरे से बाहर कर दिया गया था।

रोहित चैम्पियंस ट्रॉफी के उद्घाटन समारोह में शामिल होने पाक जाएंगे

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा चैम्पियंस ट्रॉफी के उद्घाटन समारोह में शामिल होने पाकिस्तान जा सकते हैं हालांकि भारतीय टीम पाक का दौरा नहीं करेगी और अपने मैच दुबई में खेलेगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चैंपियंस ट्रॉफी का भव्य उद्घाटन समारोह 16 या 17 फरवरी को आयोजित कर सकती है। इस समारोह में सभी टीमों के कप्तान भाग लेंगे। इस दौरान सभी कप्तान एकसाथ तस्वीर भी खिंचाएंगे। ये आईसीसी की टूर्नामेंट की परंपरा का हिस्सा है। पीसीबी ने 29 साल के बाद पाकिस्तान में एक बड़े अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट आयोजन की वापसी के लिए भव्य समारोह की योजना बनाई है। 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी मेजबान के रूप में पाकिस्तान का पहला प्रमुख ICC टूर्नामेंट होगा। इससे पहले पाकिस्तान ने भारत और श्रीलंका के साथ 1996 एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप की सह-मेजबानी की थी। चैम्पियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट हाइब्रिड प्रारूप में खेला जाएगा। इसमें पाक अधिकतर मैचों की मेजबानी करेगा, केवल भारत के सभी ग्रुप मैच और पहला सेमीफाइनल दुबई में खेला जाएगा। अगर भारतीय टीम फाइनल के लिए क्वालीफाई करती है तो इसे भी दुबई में स्थानांतरित कर दिया जाएगा; अन्यथा, लाहौर में मुकाबले खेले जाएंगे। आठ टीमों के इस आयोजन में मेजबान पाकिस्तान के साथ अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका शामिल होंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची में होने वाले मैच से होगी।

नोवाक जोकोविच ने बनाया सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम मैच खेलने का नया रिकॉर्ड

मेलबर्न (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच ने बुधवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर के मैच में कोर्ट पर उतरते ही ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिताओं में सर्वाधिक मैच खेलने का रिकॉर्ड बनाया जबकि नाओमी ओसाका पिछले तीन साल में पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंची। जोकोविच चारों ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में 430 मैच खेल चुके हैं जो नया रिकॉर्ड है।

उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पहले दौर में रोजर फेडरर (429) की बराबरी की थी। जोकोविच ने दूसरे दौर में पुर्तगाल के क्वालीफायर जेमी फरिया को 6-1, 6-7 (4), 6-3, 6-2 से हराया। जोकोविच अब ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिताओं में 379 मैच जीत चुके हैं जबकि 51 मैच में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, 'ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट हमारे खेल के मजबूत स्तंभ हैं। इस खेल के इतिहास में वह बहुत मायने रखते हैं। मैं भाग्यशाली हूं कि आज एक और रिकॉर्ड बनाने में सफल रहा।'

पुरुष वर्ग में ही तीसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए योशिहितो निशिओका पर 6-0, 6-1, 6-4 से जीत हासिल की। महिला एकल में दो बार की ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन ओसाका 2022 के बाद पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंचीं। उन्होंने अमेरिकी ओपन की सेमीफाइनलिस्ट करोलिना मुचोवा के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके 1-6, 6-1, 6-3 से जीत हासिल की। ओसाका ने इस तरह से पिछले साल अमेरिकी ओपन में मुचोवा से मिली हार का बदला भी चुकता कर दिया।

इस बीच विश्व रैंकिंग में 97वें नंबर की खिलाड़ी लौरा सीगमंड ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए ओलंपिक चैंपियन और पिछले साल की उप विजेता झेंग किनवेन को सीधे सेटों में पराजित करके बड़ा उलटफेर किया। झेंग पिछले साल फाइनल में आर्यना सबालेंका से हार गई थी लेकिन इसके बाद उन्होंने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था तथा वह सत्र के अंतिम टूर्नामेंट डब्ल्यूटीए फाइनल्स में उपविजेता रही थी। लेकिन साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के दूसरे दौर में उन्हें 36 वर्षीय सीगमंड से 7-6 (3), 6-3 से हार का सामना करना पड़ा।

इस दौरान चेयर अंपायर ने समय बर्बाद करने को लेकर झेंग को चेतावनी भी दी। झेंग ने मैच के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि आज मेरा दिन नहीं था। मैं महत्वपूर्ण मौकों पर अंक हासिल करने में नाकाम रही। टाइम कंट्रोल को लेकर चेतावनी मिलने से भी मेरी एकाग्रता भंग हुई।'

पिछले दो बार की चैंपियन सबालेंका ने आखिरी पांच गेम जीतकर विश्व में 54वें नंबर की खिलाड़ी जेसिका बौजास मनेइरो को 6-3, 7-5 से हराकर लगातार तीसरा खिताब जीतने की तरफ कदम बढ़ाए। वह इस टूर्नामेंट में लगातार 16 मैच जीत चुकी हैं। सातवीं वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला भी तीसरे दौर में पहुंच गई हैं। उन्होंने एलिस मर्टेंस पर 6-4, 6-2 से जीत दर्ज की। एक अन्य मैच में 14वीं वरीयता प्राप्त 17 वर्षीय मीरा एंड्रीवा ने मोयुका उचिजिमा को 6-4, 3-6, 7-6(8) से हराया।

चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए अकरम ने किया 'सफेद जैकेट का अनावरण, विजेताओं को सम्मान के तौर पर दी जाएगी

दुबई । अगले माह पाकिस्तान में होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में विजेता टीम के खिलाड़ियों को सम्मान के तौर पर एक सफेद जैकेट दी जाएगी। इस सफेद जैकेट का अनावरण पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने किया है। एकदिवसीय प्रारूप में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान को मिली है पर इसमें भारतीय टीम के मुकाबले यूएई में होंगे। आईसीसी ने अकरम की मौजूदगी के साथ एक प्रोमो वीडियो जारी किया जिसमें इस 'सफेद जैकेट को तैयार होते दिखाया जा रहा है। इस वीडियो में अकरम दुनिया भर के प्रशंसकों से 'चैम्पियंस की यात्रा में शामिल होने के लिए कहते हैं। टूर्नामेंट में शीर्ष आठ टीमों के बीच 19 फरवरी से नौ मार्च के बीच कुल 15 मैच खेले जायेंगे। इस दौरान टीमें चैम्पियंस ट्रॉफी के खिताब के साथ ही इस प्रतिष्ठित सफेद जैकेट के लिए भी टीमों के बीच मुकाबले होंगे। इस वीडियो में इस जैकेट को प्रतिभा की निरंतर खोज और पीढ़ियों को प्रेरित करने वाली विरासत बताया गया है। वीडियो में अकरम ने कहा कि इस सफेद जैकेट को हासिल करना जीत के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगाने की यात्रा का प्रतीक है। उन्होंने यहां कहा कि आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी सर्वश्रेष्ठ में से भी सर्वश्रेष्ठ का प्रतिनिधित्व करती है। इस सफेद जैकेट का अनावरण महानता का प्रतीक है। यह अब जैकेट वैश्विक क्रिकेट समुदाय में इस आयोजन के प्रति उत्साह बढ़ाएगा। इस ट्रॉफी को सबसे मजबूत टीम जीतेगी।

लॉस एंजीलिस ओलंपिक तक खेलना चाहती है सविता पूनिया

नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम की अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया ने कहा है कि अभी वह खेलना जारी रखेंगी। करीब 300 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी 34 वर्ष की सविता ने कहा कि अभी उनका संन्यास लेने का इरादा नहीं है और वह लॉस एंजीलिस ओलंपिक 2028 खेलना चाहती है। अबर वह फिट रहीं तो खेल का आनंद लेती रहेंगी। उन्होंने कहा, 'मैं अगला ओलंपिक खेलना चाहती हूं। मेरे माता पिता ने हमेशा मेरे फैसलों का समर्थन किया और अब शादी के बाद सास ससुर और पति भी मेरा पूरा साथ दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'अभी उनक ध्यान 2026 विश्व कप और एशियाई खेलों पर है। दोनों परिवारों ने मुझसे कहा है कि अगर मैं ओलंपिक खेलना चाहती हूं तो वे मेरे साथ है। । वहीं सविता ने कहा कि महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के शुरु होने का सबसे बड़ा लाभ ये रहेगा कि जूनियर खिलाड़ियों को आर्थिक लाभ होगा जिससे अधिक से अधिक प्रतिभाएं सामने आयेंगी। महिला एचआईएल का पहला सत्र 26 जनवरी तक खेला जाएगा। सविता ने कहा, 'हर खिलाड़ी आर्थिक स्थिरता चाहता है जिससे वह परिवार की सहायता कर सके। हम लंबे समय से राष्ट्रीय टीम में हैं और जब भी हम पदक जीतते हैं तो सरकार हमें पुरस्कार देती है। उन्होंने कहा, 'लेकिन जब एक जूनियर खिलाड़ी को इतना पैसा मिलता है तो उसे किसी तरह का वित्तीय तनाव नहीं रहता। वह अपने खेल पर ध्यान दे सकती है। इससे अभिभावक भी अब निश्चिंत हो जाते हैं कि हॉकी में भविष्य है और बच्चे इसमें करियर बना सकते हैं।

अपने करियर में एक बार भी शून्य पर आउट नहीं हुए कैप्लर वेसल्स

मुम्बई । विश्व क्रिकेट में एक से बढ़कर एक बल्लेबाज हुए हैं। जिसमें ऑस्ट्रेलिया के सर डॉन ब्रैडमेन, भारत के सचिन तेंदुलकर , वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा , पाकिस्तान के जहीर अब्बास सहित कई अन्य दिग्गज भी हैं पर इनमें से कोई भी ऐसा नहीं है जो पहले करियर में शून्य पर आउट न हुआ हो। विश्व क्रिकेट में केवल दक्षिण अफ्रीका के कैप्लर वेसल्स ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जो कभी भी अपने करियर में शून्य पर आउट नहीं हुए जबकि उन्होंने दो देशों से खेला। कैप्लर वेसल्स ने 11 साल के अपने करियर में 109 मैच खेले पर कभी भी शून्य पर आउट नहीं हुए। वेसल्स ने दक्षिण अफ्रीका पर प्रतिबंध के दौर में ऑस्ट्रेलिया की ओर से 1983 में पहला एकदिवसीय मैच खेला। वह साल 1983 से 1985 तक ऑस्ट्रेलिया की टीम से खेलते रहे। वहीं साल 1985 में उन्हें बाहर कर दिया गया। इसके कुछ साल बाद दक्षिण अफ्रीका पर लगा प्रतिबंध हटा लिया गया जिसके बाद वह स्वदेश लौट गये। वेसल्स ने 1991 से दक्षिण अफ्रीका की ओर से खेलना शुरु किया। साल 1994 में जब उन्होंने संन्यास लिया तब तक उन्होंने 109 एकदिवसीय मैचों की 105 पारियों में 34.35 की औसत से 3367 रन बनाए थे। इसमें एक शतक और 26 अर्धशतक शामिल थे पर वह एक बार भी खाता खोल बिना पेवेलियन नहीं लौटे। वेसल्स के अलावा आज विश्व में एक भी ऐसा बैटर नहीं है, जिसने एकदिवसीय मैचों में बिना 0 पर आउट हुए 2000 रन बनाए हो। वहीं न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल ने 0 पर आउट हुए बिना 42 एकदिवसीय मैचों की 37 पारियों में 1651 रन बनाये थे। अब देखना है कि मिचेल वेसल्स का रिकॉर्ड तोड़ पाते हैं या नहीं।

पहलवान अमन सेहरावत के ओलंपिक पदक का रंग फीका पड़ा, आईओसी से करेंगे शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2024 पेरिस ओलंपिक के सभी दोषपूर्ण पदकों को बदलने की खबरों के बीच भारतीय पहलवान अमन सेहरावत के कांस्य पदक का रंग भी फीका पड़ने लगा है, लेकिन पहलवान ने अभी तक इस मामले में शिकायत दर्ज नहीं कराई है। पेरिस 2024 में अपने ओलंपिक पदार्पण पर अमन ग्रीष्मकालीन खेलों में सबसे कम उम्र के भारतीय पदक विजेता बने, जब उन्होंने पुरुषों की 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल कुश्ती में कांस्य पदक जीता।

रिपोर्टों के अनुसार 2024 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक और पैरालिंपिक के लिए पदक बनाने वाली कंपनी मोनाई डे पेरिस ने कहा कि वह पदकों के खराब होने की कई शिकायतों के बाद एथलीटों के अनुरोध पर सभी क्षतिग्रस्त पदकों को बदल देगी। हालांकि अमन ने पदक बदलने के लिए आधिकारिक तौर पर अपनी शिकायत दर्ज नहीं कराई है। भारतीय पहलवान के एक करीबी सूत्र ने बताया, 'अमन सेहरावत ने पेरिस में जो कांस्य पदक जीता था, वह दोषपूर्ण लगता है। इसका रंग फीका पड़ने लगा है। हमने अभी तक आईओसी के साथ आधिकारिक शिकायत साझा नहीं की है।'

फ्रांसीसी वेबसाइट ला लेट्रे की जानकारी के अनुसार, केवल चार महीनों में पेरिस 2024 ओलंपिक और पैरालंपिक खेल आयोजन समिति (कोजोप) को एथलीटों द्वारा 100 से अधिक दोषपूर्ण पदक लौटाए जा चुके हैं। प्रत्येक पेरिस 2024 पदक, एक लक्जरी फ्रांसीसी जौहरी चौमेट द्वारा डिजाइन किया गया था जिसे फ्रांस के सबसे प्रतिष्ठित प्रतीक- एफिल टॉवर से लोहे के एक टुकड़े से सजाया गया था।

प्रत्येक पदक के केंद्र में 0.6 औंस का पुडल आयरन का टुकड़ा है। पिछले साल ग्रीष्मकालीन खेलों के समापन के तुरंत बाद विभिन्न एथलीटों ने सोशल मीडिया पर यह साझा किया कि उनके द्वारा जीते गए पदक पहले से ही अपनी चमक खोने लगे हैं। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि पेरिस के आयोजक उन एथलीटों की समितियों के संपर्क में हैं जिन्होंने शिकायत दर्ज की है और प्रतिस्थापन यह प्रक्रिया आने वाले सप्ताहों में शुरू होगी।

बिहार के श्रम मंत्री को धमकी देने वाला आजमगढ़ से गिरफ्तार

पटना। बिहार के श्रम मंत्री संतोष सिंह को धमकी देने के मामले में कार्रवाई हुई है। यूपी के आजमगढ़ से आरोपी संजय यादव को गिरफ्तार किया है। पटना की सेंट्रल एसपी स्वीटी सहरावत ने बताया कि डीएसपी के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन कर अनुसंधान शुरू की गई। इसमें धमकी भरे कॉल के नंबर की जांच हुई, तब लोकेशन आजमगढ़ जिले के फूलपुर थाना क्षेत्र का मिला। पटना पुलिस ने यूपी के फूलपुर पुलिस से संपर्क साधा। इसके बाद धमकी देने वाले युवक संजय को गिरफ्तार किया गया। आरोपी संजय यादव ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर नीतिश के श्रम मंत्री संतोष सिंह को धमकी दी थी। मंत्री से 30 लाख की डिमांड की गई थी। रुपए नहीं देने पर अंजाम भुगतने की बात कही गई थी। यूपी में गिरफ्तारी के बाद पटना पुलिस फ्लाइट से यूपी पहुंची। न्यायिक प्रक्रिया के बाद पटना लेकर आई। पूछताछ में यादव ने बताया कि वहां 3 महीने पहले मुंबई से यूपी अपने घर आया था। अपने घर के निर्माण कार्यों में लगा था। आर्थिक तंगी से परेशान होकर बिहार सरकार के कई मंत्रियों का नंबर निकाला, फोन करने लगा। इसमें उसका एक कॉल बिहार सरकार के श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह का लगा। तभी आरोपी ने 30 लाख की रंगदारी मांगी, नहीं देने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी।

महाराष्ट्र में तीन साल के दौरान 95,150 सड़क हादसे, 41,612 लोगों ने गंवाई जान

मुंबई। पिछले तीन वर्षों में महाराष्ट्र में कुल 95,150 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें 41,612 लोगों की जान चली गई है। सामने आए आंकड़ों के अनुसार राज्य में सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला जारी है। पिछले तीन सालों में यानी 2022 से 2024 तक राज्य में कुल 41,612 लोगों की मौत हुई है। इसका मतलब यह है कि दुर्घटना मृत्यु दर लगभग 43.73 प्रतिशत है। जो कि निश्चित रूप से चिंताजनक बात है। यह आंकड़े राज्य परिवहन विभाग (आरटीओ) द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार सामने आए हैं। आंकड़ों से पता चला है कि राज्य में 64 प्रतिशत मौतें पीछे की सीट पर बैठे दोपहिया वाहन चलाने वाले लोगों की होती हैं। इनमें से 80 प्रतिशत मामलों में शव बिना हेलमेट के पाए गए। वहीं बात करें मुंबई की तो पिछले साल जनवरी से नवंबर के बीच मुंबई और महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में 4,935 सड़क दुर्घटनाएं हुईं। इनमें से अकेले मुंबई में 2,319 सड़क दुर्घटनाएं हुईं। मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में दुर्घटनाओं में 1,108 लोग मारे गये। इसी अवधि के दौरान राज्य में 32,801 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 13,823 लोगों की मौत हुई। इस बीच, बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र में रडार आधारित इंटरसेप्टर वाहन तैनात किए जा रहे हैं। जो कंपनियां प्रति घंटे 1,000 ई-चालान भेज सकेंगी, उन्हें काम करने की अनुमति दी जाएगी। इन वाहनों के शुरू हो जाने पर अगले 15 से 30 दिनों में राज्य भर में मृत्यु दर में कमी आने की संभावना है।

पूर्व आईएएस प्रोबेशनर पूजा खेडकर को गिरफ्तारी से राहत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पूर्व आईएएस प्रोबेशनर पूजा खेडकर को गिरफ्तारी से 14 फरवरी तक राहत दी। पूला पर सिविल सेवा परीक्षा में धोखाधड़ी करने और गलत तरीके से ओबीसी और विकलांगता कोटा का लाभ उठाने का आरोप लगा है। जस्टिस बी वी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने अग्रिम जमानत की मांग वाली पूजा की याचिका पर दिल्ली सरकार और संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को नोटिस दिया है। मामले की सुनवाई 14 फरवरी को होगी। पूजा पर आरोप है कि उन्होंने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2022 के लिए आवेदन करते समय गलत जानकारी दी थी, ताकि वे आरक्षण लाभ ले सके। हालांकि, उन्होंने इन सभी आरोपों का खंडन किया है।

लालच-चालाकी नहीं आई काम, तिरुपति बालाजी मंदिर से सोना चुराते गिरफ्तार

-आउटसोर्स कर्मचारी कई दिनों से कर रहा था चोरी, 46 लाख का सोना बरामद

तिरुपति। आंध्र प्रदेश के तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के कर्मचारी को भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के मंदिर से आधा किलो से ज्यादा सोना चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। कर्मचारी का नाम वी पेंचलैया है। उसने पिछले एक साल में 10 से 15 बार सोने के बिस्किट और ज्वेलरी चुराई। चोरी किए गया सोना 650 ग्राम था और उसकी कीमत 46 लाख रुपए है। तिरुपति मंदिर में लोग प्रसाद, साधारण सिक्कों से लेकर कीमती सोने और चांदी चढ़ाते हैं। मंदिर की दानपेटी में यह डाला जाता है। सोने की चोरी ने मंदिर प्रशासन में हड़कंप मचा दी है, जिस कर्मचारी ने मंदिर में सोने की चोरी की उसे एग्रीगोस कंपनी के जरिए से आउटसोर्स किया गया था। वह श्रीवारी परकमणि में तैनात था। वह धीरे-धीरे चोरी कर रहा था। खास बात है कि इस बार कर्मचारी वीरशेट्टी पेंचलय्या को मंदिर के भंडार से सोना और चांदी की वस्तुएं चुराते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। आरोपी कर्मचारी पेंचलय्या दो साल से तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के लिए काम कर रहा था। इस दौरान उसने कई बार चोरी की। वह सोना चुराता और छिपाकर बाहर ले जाता था ताकि किसी को शक न हो। पुलिस ने बताया कि उस पर पर नजर रखी जा रही थी। उसे 100 ग्राम सोने का बिस्किट चुराते हुए पकड़ा गया। यह उसने चुराकर ट्रॉली के पाइप में छिपा दिया था। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने सोने के बिस्कुट और गहने सहित कुल 655 ग्राम सोना और 157 ग्राम चांदी चुराने की बात कबूल की है। पुलिस ने उससे चोरी का सामान बरामद कर लिया है।

उद्धव की शिवसेना के नेता का छलका दर्द बोले- हमारी हालत भी कांग्रेस जैसी हो गई

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र को राजनैतिक चश्मे से देखा जाए तो सत्ता पक्ष हो या विपक्ष कोई भी खुश नहीं है। यहां आए दिन राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार दिल्ली के चक्कर लगाते दिख रहे हैं तो इधर विपक्षी दल उद्धव ठाकरे की शिवसेना के नेता का दर्द छलकता दिख रहा है। हाल ही में एक वरिष्ठ नेता और विधायक ने शिवसेना यूबीटी की तुलना कांग्रेस की हालत से कर दी। खास बात है कि ये घटनाक्रम ऐसे समय पर हुए हैं, जब मुंबई में बृहमुंबई महानगरपालिका की तैयारियां जारी हैं।

विधायक भास्कर जाधव ने पार्टी के काम करने के तरीकों पर सवाल उठा दिए। सोमवार को उन्होंने रत्नागिरी जिले में चिपलून और आसपास के क्षेत्रों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी। उन्होंने कहा, यह कहते हुए दुख होता है, लेकिन हमारी पार्टी की हालत कांग्रेस जैसी हो गई है। हमारे पास काम नहीं करने वाले पदाधिकारियों और नेताओं को हटाने की हिम्मत

नहीं है। वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों के सुझाव सुनने वाला कोई नहीं है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया है कि पार्टी के पदाधिकारियों का निश्चित कार्यकाल होना चाहिए। खास बात है कि उस दौरान बैठक में पूर्व सांसद विनायक राउत और उद्धव ठाकरे के करीबी संजय कदम भी मौजूद थे। जाधव ने कहा, हमें गलत फैसलों पर विचार करना होगा और आगे की प्रक्रिया बेहतर करनी होगी। यह संगठन को मजबूत करेगा और आगामी चुनावों में अहम भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा आज हिन्दुत्व सिखा रही है, लेकिन बालासाहब ठाकरे थे, जो ताकतवर कांग्रेस के खिलाफ खड़े हुए थे। उन्होंने कहा, पार्टी के कार्यकर्ता संगठन के लिए मेहनत करना चाहते हैं, लेकिन दुर्भाग्य से नेता उन लोगों का पक्ष लेते हैं, जो पैसा देते हैं। पार्टी कार्यकर्ता तब ही मेहनत कर सकेंगे, जब नेता ईमानदार होंगे। शिवसेना आग है और कभी कभी हमें जलते कोयलों पर चलना पड़ता है। इस पर, पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने कहा कि जाधव ने जो भी कहा, उस पर विचार किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसे समय पर वरिष्ठ नेताओं को देखना चाहिए कि वह क्या बोल रहे हैं। वह जाधव की तरफ से पार्टी के काम करने के तरीकों पर सवाल उठाए जाने से नाराज दिखे।

अंतरिम जमानत के बाद जेल से रिहा होकर अपने आश्रम पहुंचे आसाराम बापू

जोधपुर । 2013 के बलात्कार मामले में राजस्थान हाईकोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के बाद आसाराम को जेल से रिहा कर दिया गया। इसके बाद वे जोधपुर स्थित पाल गांव के अपने आश्रम में पहुंचे, जहां उनके सेवादारों ने आतिशबाजी कर आसाराम का स्वागत किया। जोधपुर के मणाई आश्रम में नाबालिग शिष्या से बलात्कार के मामले में गिरफ्तारी के बाद 2 सितंबर 2013 को आसाराम को जेल में भेजा गया था। 25 अप्रैल 2018 को जोधपुर की विशेष पॉक्सो कोर्ट ने आसाराम को दोषी करार देकर उम्रकैद की सजा सुनाई थी। 11 साल 4 महीने और 12 दिन की सजा काटने के बाद उन्हें स्वास्थ्य आधार पर अंतरिम जमानत मिली। राजस्थान हाईकोर्ट ने आसाराम को उनकी उम्र और बिगड़ते स्वास्थ्य का हवाला देकर 31 मार्च तक जमानत दे दी। उनके वकील निशांत बोरदा ने कहा कि जमानत आवेदन में 7 जनवरी के सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व फैसले का हवाला दिया है, इसमें गुजरात के एक अलग मामले में जमानत दी गई थी।

कोर्ट ने जमानत के लिए कुछ शर्तें लगाई हैं, इसमें आसाराम अपने अनुयायियों से समूह में नहीं मिल सकते, सभाओं को संबोधित नहीं कर सकते या मीडिया से बात नहीं कर सकते, उन्हें अपने साथ तैनात तीन सुरक्षाकर्मियों का खर्च उठाना होगा। इसके अलावा, उन्हें देश भर में किसी भी आश्रम में रहने और आश्रम या अस्पताल में इलाज कराने की अनुमति शामिल है।

मायावती ने बिना नाम लिए शाह पर किया हमला, बाबा साहेब का अपमान किया, पश्चाताप भी नहीं किया

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो और पूर्व सीएम मायावती का 69वां जन्म दिन बुधवार को लखनऊ में पार्टी दफ्तर में मनाया गया। इस मौके पर मायावती ने बिना नाम लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकारों में बाबा साहेब से लेकर सभी दलित चिंतकों की अवहेलना की गई है। बीजेपी भी मामले में पीछे नहीं है। इस पार्टी के बड़े नेता और मंत्री ने संसद में बाबा साहेब का अपमान किया है और इसका पश्चाता भी नहीं किया है।

गौरतलब है कि पिछले दिनों शीतकालीन सत्र के दौरान बाबा साहेब आंबेडकर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी को लेकर काफी विवाद हुआ था। कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने शाह का भाषण सोशल मीडिया पर शेयर कर माफी मांगने की मांग की थी। मायावती ने कहा कि गरीब दलितों के लिए हमने अपनी सरकार में

जो योजनाएं चाले की, उन्हें कई राज्यों ने लागू किया। पिछले कुछ सालों से दलित वोट बैंक को तोड़ने के लिए सपा, कांग्रेस और बीजेपी के लोग लगे हैं। इन तीनों दलों से हमें सावधान रहना होगा है। आज के समय में अल्पलसंख्याक समुदाय के लोग भी दबा महसूस कर रहे हैं। गरीबी और बेरोजगारी से सब परेशान हैं। बसपा कार्यकर्ताओं से अपील कर मायावती ने कहा कि कांग्रेस, बीजेपी और अन्य जातिवादी पार्टियों से सतर्क हो जाओ। अपने अभियन को बढ़ाओ। हमें दुख इस बात का है कि चुनाव में हमारे लोग ऐसी सरकारों को सत्ता में लाते हैं जो पिछड़ों और दलितों को दबाने का काम करते हैं।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री ने इंडिया पवेलियन का किया उद्घाटन

एजेंसी

नयी दिल्ली : हेमटेक्सटिल 2025 फ्रैंकफर्ट, जर्मनी में शुरू हुआ और 17 जनवरी 2025 को समाप्त होगा। भारत मंडप का उद्घाटन गिरिराज सिंह, केंद्रीय कपड़ा मंत्री, भारत सरकार द्वारा किया गया। भारत के बी.एस. मुबारक, आईएफएस, महावाणिज्यदूत, भारत के महावाणिज्य दूतावास, फ्रैंकफर्ट की उपस्थिति में, रोहित कंसल, अतिरिक्त सचिव, कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार। भारत का; ईपीसीएच के महानिदेशक और आईईएमएल के अध्यक्ष की भूमिका में मुख्य सलाहकार डॉ. राकेश कुमार को सूचित किया गया कि टेक्सटाइल ईपीसी, मेसे फ्रैंकफर्ट के वरिष्ठ अधिकारी और भाग लेने वाले सदस्य निर्यातक उपस्थित थे। आर.के.वर्मा, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच गिरिराज सिंह, केंद्रीय कपड़ा मंत्री, भारत सरकार। उद्घाटन करते समय भारत ने साझा किया कि हेमटेक्सटिल 2025 में भारत मंडप कपड़ा उद्योग में उत्कृष्टता और नवाचार का जश्न मनाता है। यहां भारत की उपस्थिति न केवल

हमारी समृद्ध विरासत का प्रमाण है, बल्कि टिकाऊ और अत्याधुनिक कपड़ा समाधानों में वैश्विक नेता बनने की दिशा में हमारी गतिशील यात्रा का भी प्रतिबिंब है। उन्होंने भारत द्वारा प्रदान की जाने वाली विविधता और नवीनता का पता लगाने के लिए वैश्विक खरीदारों को इंडिया पवेलियन में आमंत्रित किया। माननीय कपड़ा मंत्री ने भी सदस्य प्रतिभागियों के साथ बातचीत की और भविष्य में व्यापार को बढ़ावा देने में सभी समर्थन का आश्वासन दिया।ईपीसीएच के अध्यक्ष दिलीप बैद ने साझा किया कि भारत की भागीदारी से प्रदर्शनी की निष्पक्ष जीवंतता और सांस्कृतिक विविधता में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि हेमटेक्सटिल अंतरराष्ट्रीय निमार्ताओं, खुदरा विक्रेताओं और ब्रांडों को कपड़ा, घरेलू साज-सज्जा और उपभोक्ता उत्पादों में भारत की मजबूत क्षमताओं का पता लगाने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान करता है। उन्होंने भारत के सुस्थापित पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रकाश डाला, जो पारंपरिक शिल्प कौशल को आधुनिक उत्पादन तकनीकों के साथ मिश्रित करता है, जो वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्रदान करता है। श्री बैद ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने, बाजार तक पहुंच बढ़ाने और पसंदीदा सोर्सिंग हब के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करने में ऐसे आयोजनों के महत्व पर भी जोर दिया। ईपीसीएच के महानिदेशक और आईईएमएल के अध्यक्ष की भूमिका में मुख्य सलाहकार डॉ. राकेश कुमार ने साझा किया कि हेमटेक्सटिल इंटीरियर टेक्सटाइल, घरेलू साज-सज्जा और घरेलू कपड़ों के लिए दुनिया के प्रमुख आयोजनों में से एक है। उन्होंने टिप्पणी की कि व्यापार शो अत्याधुनिक डिजाइनों, पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों और नवीनतम रुझानों के अनावरण के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो दुनिया भर के खरीदारों, डिजाइनरों और उद्योग के पेशेवरों से महत्वपूर्ण रुचि आकर्षित करता है। यह कार्यक्रम भारत को भारत के अतुल्य वस्त्र प्रदर्शित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है, जो देश की अद्वितीय विविधता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और कला और शिल्प की दीर्घकालिक परंपराओं का प्रतिनिधित्व करता है।श्री. आर.के. वर्मा ने कहा कि हेमटेक्सटिल में भारत की बढ़ती उपस्थिति वैश्विक मानकों और उपभोक्ता प्राथमिकताओं के अनुरूप भारतीय निर्यातकों द्वारा की गई निरंतर प्रगति को दर्शाती है।

वर्क वीजा पर रूस ले जाकर युवाओं को यूक्रेन के साथ जंग में उतार दिया

-कारपेंटर, रसोइयों को रूस में बनाया सैनिक

वाराणसी (एजेंसी)। रसोइया और कारपेंटर के वीजा पर रूस गए उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ और मऊ के 14 युवकों को वहां की सेना में भर्ती कराकर रूस-यूक्रेन की जंग में उतार दिया। इनमें से अब तक 3 युवकों की मौत हो गई। 2 की पैर में गोली लगने के बाद भारत वापसी हुई। 9 परिवारों को अभी भी अपने बच्चों के घर लौटने का इंतजार है। परिवार वालों ने सरकार से बच्चों को सकुशल वापस लाने की गुहार लगाई है। अब भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने इस मुद्दे को फिर से रूस के सामने सख्ती के साथ उठाया। इसके बाद रूस ने जल्द ही भारतीयों को वापस भेजने का आश्वासन दिया। ऐसे में अब इन 9 परिवारों के अपनों के लौटने की उम्मीद जाग गई है।

मऊ-आजमगढ़ जिले का एजेंट विनोद पूर्वांचल के 14 लोगों को रूस ले गया था। वहां पर 2 लाख रुपए महीने की सैलरी मिलने की बात कही गई। उसने सभी के पासपोर्ट बनवाए। फिर सभी का रूस में कारपेंटर, कुक और सिक्योरिटी गार्ड के काम के लिए वीजा बनवाया। फिर सभी को रूस ले गया। अप्रैल

तक सभी की अपने घर वालों से बात होती रही। उसके बाद नहीं। विनोद की भी आखिरी बार अप्रैल में पिता से बात हुई थी। उसके बाद से उससे संपर्क नहीं हो पा रहा। अब तक आजमगढ़ के कन्हैया यादव और मऊ के श्यामसुंदर और सुनील यादव की रूस-यूक्रेन जंग में मौत हो गई है। आजमगढ़ के राकेश कुमार और मऊ के बृजेश यादव घायल होने के बाद घर लौट आए। वहीं पूर्वांचल से गए विनोद यादव, जोगिंदर यादव, अरविंद यादव, रामचंद्रा, अजहरुद्दीन खान, हुमेश्वर प्रसाद, दीपक, धीरेंद्र कुमार का अब तक कुछ पता नहीं चल पाया है। घर वालों को उनके आने का इंतजार है।

कन्हैया यादव की गोली लगने से मौत

आजमगढ़ के बनकटा के रहने वाले कन्हैया यादव (41) की रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के दौरान गोली लगने से मौत हो गई। उसका शव 23 दिसंबर को गांव लाया गया। पिता फौजदार यादव ने बताया- कन्हैया एक एजेंट के जरिए रसोइए का वीजा हासिल कर 16 जनवरी, 2024 को रूस गया था। वहां उसे कुछ दिन रसोइए की ट्रेनिंग दी गई। इसके बाद उसे सेना की ट्रेनिंग देकर रूसी सेना के साथ युद्ध के लिए भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि युद्ध में कन्हैया घायल हो गया और इलाज के दौरान जून में उसकी मौत हो गई। कन्हैया ने 9 मई को युद्ध में घायल होने की सूचना घर पर दी थी। वह 25 मई तक घर वालों के संपर्क में था, लेकिन इसके बाद कुछ पता नहीं। मास्को में भारतीय दूतावास की ओर से 6 दिसंबर को फोन आया था और 17 जून को इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद 23 दिसंबर को शव उसके पैतृक गांव लाया गया। कन्हैया के परिवार में पत्नी गीता यादव, दो बेटे अजय (23) और विजय (19) हैं। अजय यादव का आरोप है कि रूस की सरकार ने 30 लाख रुपए मुआवजे के तौर पर दिया है, लेकिन परिवार को अभी तक यह मुआवजा नहीं मिला।

शरद पवार ने मराठी साहित्यिक समारोह का उद्घाटन करने पीएम को भेजा आमंत्रण

यह सम्मेलन दिल्ली में 21 से 23 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने पीएम नरेंद्र मोदी को एक प्रमुख मराठी साहित्यिक समारोह का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित किया है। इस कदम को मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने के लिए केंद्र के प्रति आभार के रूप में देखा जा रहा है। इस निमंत्रण ने शरद पवार की राजनीतिक रणनीति के बारे में अटकलों को भी जन्म दे दिया है, क्योंकि पिछले साल महाराष्ट्र चुनावों में खराब प्रदर्शन के बाद उनकी पार्टी चुनौतियों का सामना कर रही है।

पीएम मोदी को इस सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया है। आयोजन समिति के अध्यक्ष खुद शरद पवार हैं। यह कार्यक्रम अखिल भारतीय मराठी साहित्य महामंडल के बैनर तले आयोजित किया जाता है। पीएम मोदी को भेजे निमंत्रण में शरद पवार ने कहा कि यह पहली बार है कि यह सम्मेलन दिल्ली में 21-23 फरवरी तक आयोजित किया जा रहा है और याद दिलाया कि इस कार्यक्रम के 37वें संस्करण का उद्घाटन पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू ने किया था।

शरद पवार ने सम्मेलन के

ऐतिहासिक महत्व बताते हुए कहा किह यह 1878 में शुरू हुआ था। तब इसे पहली बार न्यायमूर्ति महादेव गोविंद रानाडे ने पुणे में ग्रंथकार सम्मेलन के रूप में आयोजित किया था। इसमें लोकमान्य तिलक, नामदार गोखले, वी डी सावरकर और काकासाहेब गाडगिल जैसी हस्तियां शामिल हुई थी। पीएम मोदी को लिखे अपने पत्र में उन्होंने हाल ही में मराठी को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता दिए जाने के मद्देनजर पीएम मोदी के इस कार्यक्रम का उद्घाटन किए जाने की उपयुक्तता पर जोर दिया। पवार ने लिखा कि हाल ही में आपके कार्यकाल के दौरान मराठी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। इस पृष्ठभूमि में, यह उचित होगा कि इस वर्ष मराठी भाषा और संस्कृति के इस प्रभावशाली संगम का उद्घाटन आपके हाथों हो।

एनसीपी(एसपी) सहयोगी शिवसेना (यूबीटी) ने एक आलोचनात्मक दृष्टिकोण पेश करते हुए इस बात पर जोर दिया कि शास्त्रीय भाषा का दर्जा सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा कि पिछले 30-35 सालों में हर राजनीतिक नेता और सीएम ने मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिलाने के लिए काम किया। यह एक बड़ा सम्मान है। यह सामूहिक योगदान के कारण है, न कि किसी एक पार्टी या किसी नेता के कारण।

अवैध घुसपैठ रोकने भारत लगा रहा बाड़, बढ़ रही रार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश के बीच इनदिनों सबकुछ सही नहीं चल रहा है। रविवार को बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने भारतीय उच्चायुक्त को तलब किया है। बांग्लादेश ने दोनों देशों की सीमा पर बीएसएफ द्वारा लगाए जा रहे बाड़ को लेकर तीखी प्रतिक्रिया जाहिर की है। इसके बाद दोनों देशों के बीच एक नया विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल आजादी के बाद से भारत लगातार अपने पड़ोसी देशों से सीमा विवाद पर उलझा है। भारत पहले से ही सीमा को लेकर पाकिस्तान और चीन के साथ उलझा हुआ है। अब बांग्लादेश भी टेंशन दे रहा है। इसका ताजा उदाहरण बांग्लादेश विदेश मंत्रालय द्वारा भारतीय उच्चायुक्त को रविवार को तलब करना।

बांग्लादेश-भारत सीमा पर बाड़ के निर्माण को लेकर दोनों देशों में विवाद पैदा हो गया है। भारत बांग्लादेश से लगातार हो रहे घुसपैठ को रोकने के लिए सीमा पर बाड़ का बना रहा है, लेकिन न केवल सीमा पर बने गांव बल्कि बांग्लादेशी सरकार की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया आई है। बांग्लादेश ने भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया था। इसके बाद से भारत-बांग्लादेश के रिश्तों में खटास दिख रही है। रिश्तों की ये खटास शेख हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद से पैदा हुई जो कि आज भी जारी है।

बांग्लादेश में वर्तमान में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मो. यूनुस की अंतरिम देश को चला रही है। यूनुस के सत्ता आने के बाद से बांग्लादेश में भारत विरोधी लहर बनी हुई है। बांग्लादेश लगातार भारत से हसीना को डिपोर्ट करने की मांग कर रहा है। तब उधर भारत के कट्टर दुश्मन पाकिस्तान से प्यार वाली बातें कर रहा हैं। जहां यूनुस सरकार पाकिस्तान से लगातार रिश्तों को बेहतर कर रही है। इसी कड़ी में पाकिस्तान से अलग होने के बाद से बांग्लादेश ने पहली बार वीजा को आसान करने पर जोर दिया है। पाकिस्तान के साथ व्यापार को बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है। माना जा रहा है, बांग्लादेश की वर्तमान अंतरिम सरकार कट्टरपंथियों के प्रति प्रेम वाली भावना दिखा रही है।

इधर बांग्लादेश ने भारतीय उच्चायुक्त को तलब कर कहा, भारत द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन कर रहा है। भारत-बांग्लादेश सीमा पर पांच स्थानों पर बाड़ लगाने की कोशिश कर रहा है। सीमा पर नया विवाद- भारतीय उच्चायुक्त बांग्लादेश के विदेश सचिव जशीम उद्दीन से मुलाकात करने पहुंचे। करीब 45 मिनट तक बैठक चली। बैठक के बाद भारतीय उच्चायुक्त ने कहा, 'मैंने विदेश सचिव से मुलाकात कर क्राइम मुक्त बॉर्डर सुनिश्चित करने, तस्करी, अपराधियों की आवाजाही और मानव तस्करी की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने की भारत की प्रतिबद्धता पर चर्चा की।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**